दैनिक

भारत देश हमारा

मुख्य सम्पादक - जगजीत सिंह दर्दी

सम्पादक: अमृतपाल सिंह

DAILY BHARAT DESH HAMARA NEW DELHI

आरएनआई नं. 57282/1994 वर्ष 31 अंक 257 नई दिल्ली वीरवार 17 सितम्बर, 2026 मूल्य एक रुपया कुल पृष्ठ: 8 फोन 97111 01161 ईमेल : bharatdeshdelhi@gmail.com

शिक्षक की गोली मारकर हत्या

बिजनौर 17 सितंबर (निस)

उत्तरप्रदेश के बिजनौर में एक सरकारी शिक्षक नौशाद अहमद (40) की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। घटना उस वक्त हुई जब नौशाद छुट्टी के बाद बाइक से घर लौट रहे थे। स्कूल से करीब 150 मीटर की दूरी पर एक युवक ने उनके पेट में करीब से गोली मार दी।

हत्या आरोपी पति काबू

नई दिल्ली, 16 सितम्बर (निस)

दिल्ली में खौफनाक घटना सामने आई है। यहां के सेंट्रल दिल्ली इलाके में बुधवार को 24 साल के एक शख्स ने अपनी पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। शख्य ने पत्नी की हत्या आपसी मामूली विवाद के बाद की है। इस मामले पर ऐक्शन लेते हुए आरोपी पति को दिल्ली में खौफनाक घटना सामने आई है।

मोदी सरकार की जनकल्याण एवं विकासमयी नीतियों से विपक्ष को हो रही परेशानी-नितिन

प्रधानमंत्री के जन्म दिवस को सेवा संकल्प अभियान के तहत मनाने की तैयारी, आज मप्र जाएंगे

नई दिल्ली 16 सितम्बर (निस) :यूपीआई एमडीआर ट्रांज़ैक्शन चार्ज पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के ट्वीट पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पलटवार किया है। नितिन नवीन ने कहा कि विपक्ष की बेचैनी देश की तरक्की की वजह से है। उन्हें BRICS समिट, AI समिट में भी कमियां नज़र आती हैं। आज देश में चल रही विकास योजनाओं को देखिए; इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश 7 लाख करोड़ रुपये का है... वे आयुष्मान भारत या प्रधानमंत्री आवास योजना से फ़ायदा उठाने वाले लाखों-करोड़ों लोगों को नहीं देखते। उनमें इन मुद्दों पर सार्थक चर्चा करने का नज़रिया नहीं है। इसलिए, सरकार की पहलों पर सिर्फ़ आरोप-प्रत्यारोप लगाने के बजाय, इस बात पर चर्चा होनी चाहिए कि हम विकास के मॉडल के ज़रिए समाज को कैसे आगे बढ़ा रहे हैं। इससे पहले कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को उस व्यवस्था को तुरंत वापस लेने की मांग की, जिसे उन्होंने यूपीआई टैक्स कहा है। यह व्यवस्था यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) से पेमेंट करते समय कुछ मर्चेंट ट्रांज़ैक्शन पर लगने वाले शुल्क में बदलाव करती है। नए नियम के तहत, 2,000 से ज़्यादा के कुछ खास मर्चेंट ट्रांज़ैक्शन पर 0.4फीसदीमर्चेंट डिस्काउंट रेट (MDR) लागू किया गया है; हालांकि, सरकार का कहना है कि ग्राहकों से शुल्क नहीं लिया जाएगा। एक्स पर एक वीडियो मैसेज में — जिसका कैप्शन था, मोदी जी, यूपीआई टैक्स वापस लें। अभी राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूपीआइ पर टैक्स लगाकर हर भारतीय पर टैक्स का बोझ डाला है और अमेरिका को भारी रकम दी है। राहुल गांधी ने वीडियो संदेश में कहा मोदी जी, कृपया अमेरिका के सामने झुकना बंद करें, हिम्मत दिखाएं, सीधे खड़े हों और यूपीआई टैक्स वापस लें।इससे पहले कांग्रेस ने अमेरिकी संसद में भारत

समेत अन्य देशों पर शुल्क लगाने के प्रस्ताव से जुड़े विधेयक को लाए जाने और देश में यूपीआई लेनदेन पर शुल्क की व्यवस्था से संबंधित मुद्दों को लेकर बुधवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को खुश करने के लिए भारतीय हितों से लगातार समझौता किया है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने तंज कसते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने 'नोटा' का नया अर्थ 'नरेंद्र'स ऑनगोइंग ट्रम्प अपीजमेंट' (नरेन्द्र मोदी का लगातार ट्रंप को खुश करना) कर दिया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि ऐसे समय में जब अमेरिका में भारत पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने वाला विधेयक प्रतिनिधि सभा में विचार के लिए आने वाला है और भारतीय आव्रजकों तथा एच-1बी वीजा धारकों को लेकर अमेरिकी प्रशासन कड़े कदम उठा रहा है, केंद्र सरकार ने यूपीआई पर शुल्क लगाने का फैसला किया है। उन्होंने सवाल किया कि यूपीआई पर 0.4 प्रतिशत 'मर्चेंट डिस्काउंट रेट' (एमडीआर) क्यों लगाया जा रहा है? इतिहासकिताबें खोजें रमेश ने पूछा कि क्या इसकी वजह यह है कि डेबिट कार्ड पर भी एमडीआर 0.4 प्रतिशत है और क्या इस कदम से अमेरिकी कार्ड कंपनियों को यूपीआई के साथ प्रतिस्पर्धा करने में मदद मिलेगी। कांग्रेस महासचिव ने सरकार के इस तर्क पर भी सवाल उठाया कि शुल्क लगाने से यूपीआई व्यवस्था वित्तीय रूप से टिकाऊ बनेगी। उन्होंने कहा कि यह देश व जनहित का फैसला है।

अरब सागर में भारतीय युद्धपोत को पाक जहाज ने मारी टक्कर, भारत ने जताया सख्त एतराज

पाक राजनयिक को तलब किया, 35 साल पुराना समझौता तोड़ा, फिर से तनाव

नई दिल्ली, 16 सितम्बर (निस) भारत ने समुद्र में अपनी नौसेना के एक पोत से पाकिस्तानी नौसैनिक इकाई की टक्कर पर पाकिस्तान को जबरदस्त लताड़ लगाकर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। नई दिल्ली में पाकिस्तान के उच्चायोग के कार्यवाहक प्रमुख को विदेश मंत्रालय में तलब कर घटना को अस्वीकार्य और गैर-पेशेवर आचरण करार दिया। भारत ने दो टूक कहा कि यह मामला केवल एक सामान्य समुद्री दुर्घटना मानकर नजरअंदाज करने वाला नहीं है।

यह घटना अंतरराष्ट्रीय समुद्री क्षेत्र में हुई, हालांकि इससे किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। फिर भी, भारत ने स्पष्ट कर दिया हैं कि पाकिस्तानी नौसैनिक पोत का आचरण वर्ष 1991 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य अभ्यास, युद्धाभ्यास और सैनिक गतिविधियों की अग्रिम सूचना संबंधी समझौते के अनुच्छेद 10 के सीधे विपरीत था। भारत की आपत्ति का सबसे अहम पहलू यही है कि सैन्य गतिविधियों में शामिल इकाइयों से केवल पेशेवर दक्षता ही नहीं, बल्कि स्थापित समझौतों और सुरक्षा संबंधी प्रावधानों के कठोर पालन की अपेक्षा होती है। समुद्र में दो देशों की सैन्य इकाइयों की मौजूदगी अपने आप में संवेदनशील होती है, और इसतरह की मामूली चूक भी गंभीर सुरक्षा संकट का कारण बनती है। नई दिल्ली में पाकिस्तानी राजनयिक प्रतिनिधि को स्पष्ट संदेश दिया गया कि वह इस मामले को संबंधित पाकिस्तानी अधिकारियों तक पहुंचाएं और यह सुनिश्चित करें कि भविष्य में इसतरह की घटनाएं फिर नहीं हो। भारत ने सैन्य इकाइयों को समुद्र में आवश्यक सावधानी बरतने और दोनों देशों के बीच लागू समझौतों का सम्मान करने की जरूरत पर जोर दिया है। इसके साथ, इस्लामाबाद स्थित भारतीय राजनयिक प्रतिनिधि को भी पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के समक्ष इसी मुद्दे पर औपचारिक विरोध दर्ज कराने का निर्देश दिया है। यह घटनाक्रम तब आया है जब अरब सागर और आसपास के समुद्री क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां लगातार महत्वपूर्ण बनी हुई हैं। पाकिस्तान नौसेना ने सितंबर की शुरुआत में एक समुद्री युद्धाभ्यास शुरू किया था, जिसका उद्देश्य उसकी युद्धक तैयारी को परखना बताया गया था। यह पहला मौका नहीं है जब भारत ने ऐसी लापरवाही पर आपत्ति जाहिर की हो। वर्ष 2011 में भारतीय पोत गोदावरी के आसपास पाकिस्तानी नौसैनिक पोत बाबर द्वारा जोखिमपूर्ण गतिविधियों को लेकर पाकिस्तान के समक्ष विरोध दर्ज कराया गया था, तब भी 1991 के इसी समझौते के अनुच्छेद 10 का हवाला दिया गया था।

ताजा टक्कर में भले ही बड़ा नुकसान न हुआ हो, लेकिन भारत का संदेश बेहद स्पष्ट है कि समुद्र में सैन्य गतिविधियों के दौरान किसी भी तरह की गैर-पेशेवर हरकत को हल्के में नहीं लिया जाएगा। नई दिल्ली ने कूटनीतिक माध्यम से इस्लामाबाद को याद दिला दिया है कि दोनों देशों के बीच मौजूद समझौतों का पालन कोई औपचारिकता नहीं, बल्कि समुद्री सुरक्षा और अनावश्यक तनाव रोकने की बुनियादी शर्त है।

मणिपुर में अशांति जारी- दो कुकी महिलाओं की गोली मारकर हत्या

इंफाल, 16 सितम्बर (निस) मणिपुर में जातीय हिंसा का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा है। तामेंगलोंग जिले के लीसांगफाई गांव में दो कुकी महिलाओं की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जिसके बाद कई फार्महाउसों में भी आग लगा दी गई। यह घटना राज्य में 3 मई 2023 को शुरू हुई जातीय हिंसा की भयावहता को दिखाता है, जिसमें अब तक (अगस्त तक के आंकड़ों के अनुसार) 306 लोगों की जान जा चुकी है और 49 लोग अभी भी लापता हैं। मृतकों की पहचान किमजा लहाई सिंगसोंग और फलनैचोंग सितल्हो के रूप में हुई है, जो इसी गांव की निवासी थीं। फलनैचोंग खेत में लकड़ियां बटोर रही थीं, तभी उन्हें निशाना बनाया गया, जबकि नर्सिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद हाल ही में गांव लौटी किमजालहाई अपने माता-पिता की खेती में मदद कर रही थीं। यह घटना 13 सितंबर को तामेंगलोंग के टोलेन और नोनी के लोंगपी गांव में हुई अलग-अलग वारदातों के तीन दिन बाद हुई है, जहां एक दंपति सहित 4 कुकी लोगों की हत्या कर दी गई थी।

इस साल फरवरी से नागा और कुकी समुदायों के बीच शुरू हुए नए संघर्ष में अब तक कम से कम 40 लोगों की मौत हो चुकी है। इसी बीच, कांगपोकपी जिले के चावांगकिनिंग नागा गांव में मंगलवार रात संदिग्ध उग्रवादियों ने हमला कर दो घरों को जला दिया।

अमितशाह के ऐलान के बाद बिहार में जदयू में बढ़ी सरगर्मी

यूसीसी को लेकर नीतिश ने 18 को बुलाई बैठक

पटना, 16 सितम्बर (निस) केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) पर किए गए ऐलान के बाद बिहार में नई राजनीतिक सरगर्मी शुरू हो गई है। पूर्व सीएम और जेडीयू प्रमुख नीतीश कुमार ने पार्टी के सांसदों, विधायकों और विधान परिषद के सदस्यों की बैठक बुलाई है। यह बैठक 18 सितंबर को पटना में होगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बैठक में यूसीसी पर चर्चा होने की उम्मीद है और एजेंडे में फरक्का जल संधि भी शामिल हो सकती है। यह घटनाक्रम अमित शाह के उस बयान के कुछ दिनों बाद हुआ है जिसमें

उन्होंने कहा था कि 2029 के लोकसभा चुनावों से पहले बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए की सरकार वाले सभी 21 राज्यों में यूसीसी लागू किया जाएगा। इस घोषणा ने नई राजनीतिक बहस छेड़ दी है। खासकर जेडीयू जैसे एनडीए सहयोगियों के बीच। यह बैठक इसलिए अहम है क्योंकि जेडीयू ने अब तक यूसीसी पर सावधानी भरा रुख अपनाया है। बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी ने कहा है कि पार्टी अपना रुख तय करने से पहले प्रस्तावित कानून की जांच करेगी। रिपोर्ट के मुताबिक चौधरी ने कहा कि पार्टी को अभी यूसीसी कानून की डिटेल्स के बारे में जानकारी नहीं है और वह अपनी कोई भी चिंता केंद्रीय गृह मंत्री तक पहुंचाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले में जल्दबाजी करने की कोई वजह नहीं है। चौधरी ने कहा कि अगर हमें इसमें कुछ भी आपत्तिजनक नहीं लगता है, तो हम बिना किसी वजह के इसका विरोध क्यों करेंगे? और अगर चिंता की कोई बात होगी, तो उसे केंद्रीय गृह मंत्री को बताया जाएगा।

जेडीयू के नेशनल वर्किंग प्रेसिडेंट संजय कुमार झा ने संकेत दिया है कि पार्टी यूसीसी के मुद्दे पर अमित शाह से बातचीत करेगी। जेडीयू के 12 लोकसभा सांसद हैं, बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए का एक अहम हिस्सा है और बिहार में बीजेपी के साथ मिलकर सरकार चला रही है।

यूपीआई मामलाः मोदी सरकार ने ट्रम्प के सामने घुटने टेके-राहुल गांधी

नई दिल्ली 16 सितम्बर(निस) लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने यूपीआई पर केंद्र सरकार द्वारा लगाए टैक्स को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला है। उन्होंने टैक्स को तत्काल वापस लेने की मांग कर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का जिक्र कर पीएम मोदी पर अमेरिका के सामने घुटने टेकने का आरोप लगाया है।वीडियो पोस्ट साझा कर राहुल गांधी ने कहा कि एक बार इंदिरा गांधी से पूछा गया था कि उनका झुकाव किस तरफ ज्यादा है- वाम या दक्षिण पंथ की ओर। इस पर उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया देकर कहा था कि

उनकी सोच बिल्कुल सीधी है, किसी एक ओर झुकी हुई नहीं। राहुल गांधी ने मोदी सरकार की नीतियों पर कटाक्ष कर कहा, लेकिन मोदी जी का कॉन्सेप्ट ही अलग है। न बाईं तरफ हैं, न दाईं तरफ। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप के सामने सीधे लेटकर आत्मसमर्पण कर देने का फैसला किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि यूपीआई पर टैक्स लगाकर और अमेरिका को एक बड़ी रकम देकर पीएम मोदी ने भारत के हर नागरिक पर एक तरह का कर थोप दिया है। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी से हिम्मत कर खड़े होकर यूपीआई टैक्स को वापस लेने का आह्वान किया।कांग्रेस की सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की चेयरपर्सन ने कहा कि 2,000 से ऊपर के मर्चेंट यूपीआई पेमेंट पर लगाए गए चार्ज से सबसे ज्यादा फायदा फोन-पे और गूगल पे को होगा।

राहुल गांधी मानहानि केस- बहस का अंतिम मौका

सुल्तानपुर 16 सितम्बर (निस) केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ दायर मानहानि केस में बुधवार को सुनवाई टल गई। राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और रायबरेली से सांसद हैं। शिकायतकर्ता भाजपा नेता विजय मिश्रा के वकील संतोष पांडेय ने कोर्ट से बहस के लिए और समय मांगा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के वकील काशी शुक्ला ने बताया कि एमपी-एमएलए की विशेष कोर्ट के मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने संतोष पांडेय को चेतावनी के साथ अंतिम मौका दिया है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 21 सितंबर को होगी। इससे पहले, भाजपा नेता विजय मिश्र ने राहुल गांधी के वॉइस सैंपल का मिलान विधि विज्ञान प्रयोगशाला से कराने की अर्जी दी थी। यह अर्जी ट्रायल कोर्ट और सेशन कोर्ट दोनों से खारिज हो गई थी।

टीएमसी के दस बागी विधायकों को नोटिस जारी, चुनाव चिन्ह पर भी संकट बढ़ा

नई दिल्ली 16 सितम्बर (निस):। पश्चिम बंगाल में आगामी उपचुनावों और नगर निकाय चुनावों से पहले एक बड़ा सियासी घटनाक्रम सामने आया है। राज्य विधानसभा सचिवालय ने तृणमूल कांग्रेस के कम से कम 10 बागी विधायकों को नोटिस जारी किया है। इन विधायकों को अपनी सदस्यता गंवाने का खतरा है, क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट ने उन्हें अयोग्य ठहराने की मांग की थी। यह मामला अब सर्वोच्च न्यायालय तक भी पहुंच गया है। नोटिस पाने वाले विधायकों में ऋतब्रत बनर्जी, अरूप रॉय, फिरहाद हकीम, संदीपन साहा, अखरुजमान अंसारी, शिउली साहा, सबीना यास्मीन, बिप्लब मित्रा, जावेद खान और रथिन घोष शामिल हैं। इन्हें 10 दिनों के भीतर अपना जवाब दाखिल करना होगा। विधायक अखरुजमान अंसारी ने कहा है कि वे इस मुद्दे पर पार्टी के भीतर चर्चा करेंगे और समय पर उचित प्रतिक्रिया देंगे। इस संबंध में तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने 7 जुलाई को विधानसभा अध्यक्ष रथिन बोस को पत्र लिखकर इन विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग की थी। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है।

हरियाणा में आज से सेवा संकल्प अभियान जन भागीदारी मजबूत की जाएगी-सीएम सैनी

चंडीगढ़, 16 सितंबर (अमृतपाल सिंह) प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन की सेवा-यात्रा तथा विकसित भारत के संकल्प को जनभागीदारी से आगे बढ़ाने के उद्देश्य से हरियाणा में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले सेवा संकल्प अभियान का आगाज आज प्रदेशभर में 'आर्शीवाद का दीया' कार्यक्रम से होगा, जिसमें नागरिक उत्साहपूर्वक भाग लेकर सेवा, समर्पण और सामाजिक सरोकारों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करेंगे। 'आर्शीवाद का दीया' कार्यक्रम के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों को सेवा कार्यों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर चिन्हित

स्थानों, प्रमुख परियोजनाओं पर तथा लाभार्थी अपने परिवारों के साथ दीप प्रज्वलित करेंगे। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी बुधवार को चंडीगढ़ में 'सेवा संकल्प अभियान' की तैयारियों को लेकर आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में उन्होंने अभियान के तहत प्रस्तावित विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर , मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे, तथा सभी जिलों के उपायुक्त वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक से जुड़े।मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जिलों में कार्यक्रमों की तिथियां और कार्ययोजना को समय रहते अंतिम रूप दिया जाए। जिला स्तर पर नोडल अधिकारी निर्धारित किए जाएं तथा प्रत्येक कार्यक्रम की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिला स्तर से कार्यक्रमों की प्रगति की नियमित रिपोर्ट ली जाए।उन्होंने कहा कि 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत ब्लॉक स्तर पर, नगर निगम, नगर परिषद, नगर पालिका और महाग्रामों में भी सेवा शिविर लगाए जाएं। इन सेवा शिविरों में विभिन्न विभागों द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के लाभार्थियों की विवरण संबंधी शिकायतों का निपटान, नए लाभार्थी जोड़ने जैसे कार्य मौके पर ही किए जाएं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि इन सेवाओं का लाभ मौके पर ही दिया जाए, किसी भी नागरिक को शिविर में आने के बाद कार्यालय **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

ब्रिक्स शिखर सम्मेलनः उमर अब्दुल्ला एवं मीरवाइज ने की मोदी सरकार की विदेश नीति की तारीफ

श्रीनगर, 16 सितम्बर (निस) जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और पूर्व अलगाववादी नेता मीरवाइज उमर फारूक ने हाल ही में संपन्न ब्रिक्स शिखर सम्मेलन और मोदी सरकार की विदेश नीति की खुलकर तारीफ की है। दोनों नेताओं ने नई दिल्ली में भारत की कूटनीतिक पहल को एक बड़ी सफलता बताया है।सीएम उमर अब्दुल्ला ने विशेष रूप से ब्रिक्स के नई दिल्ली घोषणापत्र में अप्रैल 2025 के पहलगाम आतंकवादी हमले की स्पष्ट निंदा को भारत की विदेश नीति की उल्लेखनीय सफलता बताया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के कई सहयोगी देशों की उपस्थिति के बावजूद हमले का नाम लेकर उल्लेख किया जाना महत्वपूर्ण कूटनीतिक उपलब्धि है। ब्रिक्स नेताओं ने घोषणापत्र में

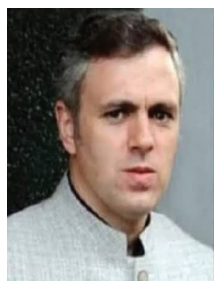

आतंकवाद के सभी रूपों से मुकाबले, आतंकवादियों की सीमा पार आवाजाही रोकने और उनके वित्तपोषण वाले नेटवर्क को बाधित करने की प्रतिबद्धता जाहिर की थी। हालांकि, अब्दुल्ला ने भारत की विदेश नीति को लेकर किसी अन्य देश की प्रशंसा को अत्यधिक महत्व देने के प्रति भी आगाह किया। उन्होंने कहा कि भारत की विदेश नीति स्वतंत्र है और उसे किसी से प्रमाण पत्र की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि सकारात्मक टिप्पणी स्वीकार करने पर भविष्य में नकारात्मक टिप्पणी भी स्वीकार करनी होगी। वहीं, मीरवाइज उमर फारूक ने ब्रिक्स सम्मेलन को शांति और कूटनीति का एक महत्वपूर्ण वैश्विक संदेश बताया। उन्होंने उम्मीद जाहिर की कि इस तरह के प्रयासों से तनाव कम होगा और पश्चिम एशिया में शांति बहाल होगी। हालांकि, मीरवाइज ने दुनिया में बढ़ते संघर्षों, विशेषकर दक्षिण एशिया, यूरोप, यूक्रेन और सूडान में बिगड़ती स्थिति पर चिंता व्यक्त की। अपनी ईरान यात्रा का जिक्र कर उन्होंने जम्मू-कश्मीर के लोगों की ओर से एकजुटता व्यक्त की और महात्मा गांधी की अहिंसा की विरासत का हवाला देकर पश्चिम एशिया के संघर्ष को बढ़ने से रोकने में भारत की रचनात्मक भूमिका पर जोर दिया।

यूसीसी पर सियासी बवालः सपा ने जाहिर की चिंता, भाजपा ने समर्थन किया

मुरादाबाद 16 सितम्बर (निस)

उत्तरप्रदेश के मुरादाबाद में समाजवादी पार्टी के नेता एसटी हसन ने 16 सितंबर को प्रस्तावित यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) की तीखी आलोचना की है। उन्होंने चेतावनी दी कि चुनावों से पहले इसतरह के विवादित मुद्दों को उठाने से सांप्रदायिक सद्भाव को नुकसान पहुँच सकता है। सपा नेता हसन ने भारत की धार्मिक विविधता का हवाला देकर कहा कि एक समान यूसीसी लागू करना व्यावहारिक नहीं

है। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि किसी भी कानूनी बदलाव के बावजूद उनका समुदाय अपने धार्मिक पर्सनल लॉ का पालन करता रहेगा।

सपा नेता हसन ने जोर दिया कि अलग-अलग धर्मों के लिए कई कानून हैं।इसलिए, एक समान आचार संहिता आसानी से लागू नहीं की जा सकती। चाहे वे यूसीसी लाएँ या कुछ और, हम अपनी धार्मिक प्रथाओं का पालन करने वाले है। उन्होंने हिंदू-मुस्लिम एकता प्रभावित होने की **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

पंजाब सरकार ने चंडीगढ़ हेल्थ सर्विस नियम के मसौदे पर कड़ा विरोध जताया

चंडीगढ़ 16 सितम्बर (निस)आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब के मीडिया इंचार्ज बलतेज पन्नू ने बुधवार को चंडीगढ़ हेल्थ सर्विस रूल्स 2026 के ड्राफ्ट का कड़ा विरोध करते हुए कहा कि प्रस्तावित बदलावों से चंडीगढ़ की मेडिकल सेवाओं में पंजाब का तय हिस्सा कम हो जाएगा और यह पंजाब और हरियाणा के बीच हुए समझौते का उल्लंघन होगा।एक बयान में, आप पंजाब के मीडिया इंचार्ज बलतेज पन्नू ने कहा, पहले 60:40 का प्रबंध था, जिसमें 60त्न पंजाब और 40त्न हरियाणा के लिए था। अब,

प्रस्तावित बदलावों के तहत, 40त्न मेडिकल ऑफिसर सीधे यूटी कैडर के तहत भर्ती किए जाएंगे, जबकि बाकी 60त्न दोनों राज्यों के बीच बंट जाएगा। नतीजतन, पंजाब का हिस्सा घटकर केवल 36 प्रतिशत के आसपास रह जाएगा।आप पंजाब के मीडिया इंचार्ज ने कहा, यह सिर्फ़ भर्ती नियमों में बदलाव नहीं है। यह सीधे तौर पर चंडीगढ़ में पंजाब के हक से जुड़ा मुद्दा है। चंडीगढ़ पंजाब की राजधानी है, और चंडीगढ़ पंजाब के गांवों को उखाड़कर बनाया गया था। पंजाब के पुनर्गठन के समय किए गए प्रबंध को इस तरह नहीं बदला जा सकता कि पंजाब का हिस्सा कम होता रहे। बलतेज पन्नू ने कहा कि प्रस्तावित बदलाव एक बड़े प्रोसेस का हिस्सा हैं, जिसके ज़रिए पंजाब के हक एक-एक करके कमज़ोर किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

सम्पादकीय

रियल एस्टेट पर मंदी की दस्तक, मकान हैं, खरीदार गायब

भारत का रियल एस्टेट बाजार ऐसे दौर में पहुंच रहा है, जहां मांग, कीमत और आपूर्ति के बीच असंतुलन बढ़ता चला जा रहा है। जो आने वाले महीनों में एक बड़ी चुनौती बन सकता है। 2026 की दूसरी तिमाही में देश के सात प्रमुख शहरों में आवासीय बिक्री घटकर 90,715 इकाई रह गई। यह पिछली तिमाही से 11 फीसदी और एक साल पहले की समान अवधि से 6 फीसदी कम है। 2023 की शुरुआत के बाद का इसे सबसे कमजोर तिमाही प्रदर्शन बताया जा रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 में कुल बिक्री करीब 4.04 लाख इकाई की रही, जो वित्त वर्ष 2022-23 के बाद से सबसे कम है। जिसके कारण अब रियल स्टेट को लेकर एक नई चिंता पैदा हो गई है। दूसरी तरफ तैयार और निर्माणाधीन मकानों का स्टॉक बढ़ता जा रहा है। शीर्ष सात शहरों में उपलब्ध आवासीय भवन और फ्लैट 2026 की दूसरी तिमाही के अंत तक करीब 10 फीसदी बढ़कर 6.16 लाख से अधिक इकाई हो गई है। समस्या केवल यह नहीं है, लोग मकान नहीं खरीद रहे हैं, बल्कि बिल्डरों ने जिस गति से नई परियोजनाएं शुरू की हैं, उस अनुपात में बिक्री नहीं हो रही है। बेंगलुरु इसका बड़ा उदाहरण है। 2026 की पहली तिमाही में वहां 26,297 नई आवास योजना इकाइयां लॉन्च हुईं, बिक्री केवल 16,745 इकाइयों की हुई। परिणामस्वरूप पूर्व और वर्तमान के बिना बिके आवासों की संख्या करीब 87,796 इकाइयों तक पहुंच गई है। हैदराबाद में भी पहली छमाही में बिक्री 13 फीसदी घटकर 26,068 इकाई रह गई है। बिना बिके मकानों का आंकड़ा 1.4 लाख से अधिक हो गया है। यह स्थिति इसलिए गंभीर है, रियल एस्टेट केवल बिल्डरों का कारोबार नहीं है, इसके पीछे बैंक, हाउसिंग फाइनेंस कंपनियां, एनबीएफसी, निवेशक, ठेकेदार और करोडों लोग इस रोजगार से जुड़े हैं। परियोजनाओं के लिए लिया गया कर्ज तब दबाव बन जाता है, जब बिक्री की रफ्तार धीमी हो। ऐसी स्थिति में बिल्डरों के ऊपर ब्याज लगातार बढ़ता जाता है। आवास की लागत बढ़ जाती है। मार्केट में डिमांड नहीं होने से कम मूल्य पर भी आवास नहीं बिक रहे हैं। बिल्डर वित्तीय संस्थानों और जिन लोगों ने आवास लेने के लिए ऋण लेकर पैसा निवेश किया है। सभी इससे प्रभावित हो रहे हैं। हालिया जानकारी के अनुसार प्रमुख डेवलपर्स पर कर्ज का बोझ बढ़ता चला जा रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 में 21बड़ी कंपनियों में केवल तीन के पास परियोजना में खर्च करने के लिए पूंजी थी। बाकी बिल्डरों के पास परियोजना पूरी करने के लिए पैसा नहीं था। बैंकिंग क्षेत्र मे इस स्थिति को लेकर चिंता देखने को मिल रही है। आरबीआई के जून 2026 वित्तीय स्थिरता आकलन के अनुसार मार्च 2026 में बैंकों का सकल एनपपीए अनुपात 1.8 प्रतिशत था। सामान्य परिस्थितियों में बैंकों का मानना है, मार्च 2028 तक इसका 1.9 प्रतिशत के आसपास रहने का अनुमान है, लेकिन जिस तरह की स्थिति तेजी के साथ बन रही है, उसके अनुसार आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है, आर्थिक दबाव की स्थिति में यह अनुपात 3.8 से 4.1 फीसदी तक पहुंच सकता है। यही सबसे बड़ा खतरा है। जिस तरह से बेरोजगारी बढ़ी है, कॉरपोरेट कंपनियां छटनी कर रही हैं। यदि वह अपना मकान अथवा फ्लैट बेचना चाहते हैं, ऐसी स्थिति में उन्हें वह कीमत भी नहीं मिल पा रही है, जो उन्हें बैंक में चुकाना है। जिसके कारण अब लोगों का रियल एस्टेट से जो भरोसा था हमेशा कीमतें बढ़ेगी। लोन चुकाने के लिए यदि वह अपने फ्लैट या मकान को बेचेंगे तो उन्हें अलग से कोई आर्थिक इंतजाम नहीं करना पड़ेगा। पिछले वर्षों में इसी कारण रियल स्टेट की मांग घटती चली जा रही है। मकानों की बिक्री लंबे समय तक कमजोर रहती है, तो बिल्डरों का नकदी प्रवाह, प्रभावित होगा। कर्ज चुकाने की क्षमता नहीं रहेगी। यह दबाव बैंकिंग क्षेत्र तक पहुंचने लगा है। इसलिए सरकार और आरबीआई को नई परियोजनाओं को ऋण देने के स्थान पर जो संपत्तियां अभी नहीं बिकी हैं, उन पर प्रोत्साहन देने की जरूरत है। डेवलपर के कर्ज, वास्तविक आवासीय मांग, पर भी नजर रखनी होगी। चीन के रियल सेक्टर में भारी मंदी देखने को मिल रही है। यहां पर 20 से लेकर 40 फ़ीसदी तक की गिरावट है। मकान के लिए लोगों ने भारी कर्ज लिया था, लेकिन वह अपने वेतन से कर्ज नहीं चुका पा रहे हैं। अचानक नौकरियां जा रही हैं, जिसके कारण उन्हें मकान बेचना पड़ता है। जितने में उन्होंने मकान खरीदा था, उससे आधी कीमत भी नहीं मिल पा रही है। इस स्थिति के कारण अब आवास के लिए कर्ज लेने वालों की संख्या तेजी के साथ घट रही है। वहीं निवेश करने वालों ने भी अपने हाथ खींच लिए हैं। संपत्ति का जितना मूल्य है उसके हिसाब से किराया बहुत कम मिल रहा है। पिछले दो दशक में रियल स्टेट का जो बूम आया था, अब वह मंदी की चपेट में आ गया है। रियल एस्टेट में असली सुधार तभी माना जाएगा, जब आवास की कीमतें आम लोगों की आय के अनुरूप हों। नौकरी जाने पर वह अपना मकान होल्ड कर सकें। रियल एस्टेट की परियोजनाओं में बिक्री और आपूर्ति में संतुलन बने। तैयार मकानों की बिक्री हो, ताकि उनमें रख-रखाव का खर्च खत्म हो। चमकदार टावरों और मीडिया के विज्ञापनों के पीछे खड़ी लाखों खाली संपत्तियां भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी वित्तीय चुनौती बन गई है। भारत को चीन और दुनिया के अन्य देशों से सबक लेने की जरूरत है। जिस तरह से बेरोजगारी और महंगाई बढ़ रही है, उसके बाद रियल स्टेट का कारोबार बढ़ेगा, यह केवल कपोल कल्पना है। भारत का रियल एस्टेट और भारत की आर्थिक स्थिति में जो गिरावट देखने को मिल रही है, वह पूरी अर्थव्यवस्था के लिए आने वाले दिनों में एक बहुत बड़ा खतरे के रूप में देखने को मिलेगी। इसको लेकर भारत के आर्थिक विशेषज्ञ भी चिंतित हैं। इसका बड़ा व्यापक असर सभी सेक्टर में पड़ने की संभावना है।

सेवा से संकल्प तकः बदलते भारत की मोदी यात्रा एवं भावी पीढ़ी

डॉ. प्रवीण दाताराम गुगनानी

17 सितंबर की तिथि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिवस मात्र नहीं है। यह उस राजनीतिक यात्रा को देखने का अवसर भी है, जिसने पिछले बारह वर्षों में भारत के शासन-विमर्श, विकास-दृष्टि और वैश्विक भूमिका को अनेक स्तरों पर प्रभावित किया है। 2014 में प्रारंभ हुई यह यात्रा अब उस पड़ाव पर है, जहाँ उपलब्धियों का उत्सव मनाने के साथ-साथ उनके दीर्घकालीन प्रभावों का मूल्यांकन भी आवश्यक है। मोदी सरकार के बारह वर्षों को किसी एक योजना, एक निर्णय या एक राजनीतिक नारे से नहीं समझा जा सकता। इसका व्यापक स्वरूप जनकल्याण, जनभागीदारी, आत्मनिर्भरता, डिजिटल सशक्तीकरण, आधारभूत संरचना, सांस्कृतिक आत्मविश्वास और वैश्विक सक्रियता के सम्मिलित प्रयास के रूप में दिखाई देता है। सबसे पहले शासन की उस शैली को देखना होगा, जिसने भारत के करोड़ों नागरिकों को औपचारिक अर्थव्यवस्था से जोड़ने का काम किया। जन-धन खाते, आधार और मोबाइल, इस छ्रूकी त्रिमूर्ति ने कल्याणकारी योजनाओं के वितरण की संरचना को बदला। मार्च 2026 तक जन-धन खातों की संख्या 57.71 करोड़ और आधार की संख्या 144 करोड़ से अधिक हो चुकी थी। इसी डिजिटल आधार पर प्रत्यक्ष लाभ अंतरण और डिजिटल भुगतान का व्यापक विस्तार हुआ। मार्च 2026 में अकेले पर लगभग 2,264 करोड़ लेन-देन हुए, जिनका मूल्य ?29.53 लाख करोड़ से अधिक था। आज भारतीय डिजिटल भुगतान प्रणाली देश की सीमाओं से बाहर भी पहुँच रही है। उज्ज्वला से स्वच्छ ईंधन, स्वच्छ भारत से शौचालय, जल जीवन मिशन से नल का जल, प्रधानमंत्री आवास से पक्का घर और आयुष्मान भारत से स्वास्थ्य सुरक्षा, इन योजनाओं ने करोड़ों परिवारों को लक्षित किया। सरकारी आकलनों के अनुसार 2014 के बाद शहरी कचरा प्रसंस्करण 16 प्रतिशत से बढ़कर 2026 में 82 प्रतिशत हुआ और डोर-टू-डोर कचरा संग्रह 43 प्रतिशत से बढ़कर 98 प्रतिशत हुआ।राष्ट्र निर्माण कार्य को विचारवान नेतृत्व के साथ-साथ सड़क, रेल, बिजली, जल और संचार चाहिए। मोदी सरकार ने पूंजीगत व्यय को विकास की केंद्रीय धुरी बनाया। इस धुरी का परिणाम रहा कि केंद्र का पूंजीगत व्यय 2014-15 के लगभग ?2 लाख

करोड़ से बढ़कर 2026-27 में 12.2 लाख करोड़ हो गया।

रेलवे में विद्युतीकरण विकास का प्रमुख उदाहरण है। मार्च 2026 तक ब्रॉड गेज नेटवर्क का 99.6 प्रतिशत विद्युतीकरण हो चुका था। वंदे भारत जैसी रेल सेवाओं ने आधुनिक भारतीय रेल की नई आकांक्षा को प्रतीकात्मक रूप भी दिया है।

ऊर्जा के क्षेत्र में मार्च 2026 तक भारत की कुल स्थापित विद्युत क्षमता 532 जीडब्ल्यू से अधिक हो चुकी थी, जबकि नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 274.69 जीडब्ल्यू तक पहुँच गई। सौर ऊर्जा क्षमता 2014 के 2.82 से बढ़कर 150.26 जीडब्ल्यू हो गई है। नरेंद्र मोदी जी की प्रथम अवधारणा रही है - 'आत्मनिर्भर भारत'। इस ओर देखें तो हमें चित्र दिखता है कि भारत का रक्षा उत्पादन 2014-15 के 46,429 करोड़ से बढ़कर 2025-26 में 1.78 लाख करोड़ हो गया। रक्षा निर्यात 686 करोड़ से बढ़कर 38,424 करोड़ हो गया और भारतीय रक्षा उत्पाद 80 से अधिक देशों तक पहुँच रहे हैं। 'सक्षम भारत' का यह सर्वाधिक ज्वलंत उदाहरण है।

इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल निर्माण, सेमीकंडक्टर, स्टार्टअप और अंतरिक्ष क्षेत्र में भी इसी दृष्टि का विस्तार हुआ है। प्रधानमंत्री जी ने अगस्त 2026 में अपने संबोधन में पिछले बारह वर्षों में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में लगभग सात गुना और मोबाइल फोन उत्पादन में 35 गुना वृद्धि का उल्लेख किया। 1 जुलाई 2017 को तस्ज्ञ का लागू होना भारतीय कर-व्यवस्था के इतिहास का बड़ा परिवर्तन था। इस काल में सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय प्रतीकों को सार्वजनिक विमर्श में नई प्रमुखता मिली। अयोध्या में श्रीराम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा, काशी विश्वनाथ धाम का पुनर्विकास, केदारनाथ सहित अनेक तीर्थस्थलों का विकास और भारत से बाहर गई पुरावस्तुओं की वापसी इसी व्यापक सांस्कृतिक विमर्श का हिस्सा है। यह सब औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति के विमर्श का मूर्तिरूप स्वरूप है। 7 रेसकोर्स से लोककल्याण का और राजपथ से कर्तव्य पथ का नामकरण एक बड़ा प्रतीक है। 2014 के बाद भारतीय विदेश नीति में सक्रियता और बहुपक्षीय मंचों पर भारत की भूमिका बढ़ी। 2023 की त्र20 अध्यक्षता इसका महत्वपूर्ण उदाहरण बनी। नई दिल्ली घोषणा पर सहमति और अफ्रीकी संघ को त्र20 का स्थायी सदस्य बनाए जाने की पहल ने भारत को 'ग्लोबल साउथ' के प्रश्नों को प्रमुखता से उठाने का अवसर दिया।चंद्रयान-3 की सफलता ने भारत की वैज्ञानिक क्षमता को विश्व के सामने नए स्तर पर स्थापित किया। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र के निकट सफल सॉफ्ट लैंडिंग ने भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए नया अध्याय खोला। अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी उद्यमों के लिए खोलने और स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के प्रयासों ने विज्ञान को नई आर्थिक संभावनाओं से जोड़ने की दिशा में भी कदम बढ़ाया है। किसी भी लोकतांत्रिक सरकार का मूल्यांकन केवल उसके समर्थकों के उत्साह या विरोधियों की आलोचना से नहीं हो सकता। रोजगार की गुणवत्ता, कृषि की आय, शिक्षा और स्वास्थ्य की गुणवत्ता, सामाजिक समरसता, शहरी जीवन, छोटे उद्यमों की चुनौतियाँ और आर्थिक असमानता जैसे प्रश्न अभी भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। मोदी सरकार की बारह वर्ष की यात्रा को समझने का सबसे उचित तरीका न तो केवल प्रशस्ति है और न केवल आलोचना। यह उस परिवर्तन को पहचानने का प्रयास है, जिसमें राज्य की क्षमता, डिजिटल प्रौद्योगिकी, आधारभूत संरचना, सामाजिक सुरक्षा, राष्ट्रीय सुरक्षा और सांस्कृतिक आत्मविश्वास को एक व्यापक राष्ट्रीय परियोजना से जोड़ने का प्रयास हुआ है। 17 सितंबर को नरेंद्र मोदी का जन्मदिवस है। एक व्यक्ति का जन्मदिवस समय के साथ बीत जाता है, किंतु उसके नेतृत्व में लिए गए निर्णय संस्थाओं, नीतियों और सामाजिक मानस में दीर्घकालीन प्रभाव छोड़ सकते हैं।बारह वर्षों की सबसे बड़ी कथा शायद यही है कि भारत ने अपने बारे में बोलने की भाषा बदली है, याचक से सहभागी, आयातक से निर्माता, डिजिटल उपभोक्ता से डिजिटल शक्ति और वैश्विक व्यवस्था के दर्शक से सक्रिय भागीदार बनने की आकांक्षा तक।

विश्व ओजोन दिवसः पृथ्वी के सुरक्षा कवच का संरक्षण

- सुनील कुमार महला

ओजोन परत नीले ग्रह यानी कि हमारी पृथ्वी के लिए एक प्राकृतिक सुरक्षा कवच है। यह वह परत है जो, सूर्य से आने वाली हानिकारक पराबैंगनी (यूवी) किरणों के बड़े हिस्से को अवशोषित कर उन्हें पृथ्वी की सतह तक सीधे पहुंचने से रोकती है। वास्तव में, विशेष रूप से यूवी-बी और यूवी-सी किरणों का अधिकांश भाग ओजोन परत द्वारा अवशोषित कर लिया जाता है। इससे मनुष्यों, पशु-पक्षियों, वनस्पतियों और समस्त जीव-जगत की रक्षा होती है। यदि ये किरणें अधिक मात्रा में पृथ्वी तक पहुंचें तो त्वचा कैंसर, आंखों को नुकसान, कोशिकाओं पर प्रतिकूल प्रभाव, फसलों को क्षति तथा समुद्री खाद्य श्रृंखला पर गंभीर असर पड़ सकता है। इसलिए ओजोन परत का संरक्षण पृथ्वी पर जीवन की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि हर वर्ष 16 सितंबर को विश्व ओजोन दिवस मनाया जाता है। वर्ष 2026 की थीम है- 'शीतित ग्रह के लिए वैश्विक कार्रवाई = मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के किगाली संशोधन के तहत सतत शीतलन के 10 वर्ष पूरे होने का जश्न।' इस थीम का उद्देश्य ओजोन परत के संरक्षण के साथ-साथ पर्यावरण के अनुकूल और ऊर्जा-कुशल शीतलन तकनीकों को बढ़ावा देना है। बहरहाल, यहां पाठकों को जानकारी देता चलूं कि मानव की अनियंत्रित और स्वार्थी गतिविधियों ने कभी जीवनदायिनी ओजोन परत को गंभीर संकट में डाल दिया था। दरअसल, 1980 के दशक में एयर कंडीशनर, रेफ्रिजरेटर और एरोसोल स्प्रे में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होने वाले क्लोरोफ्लोरो कार्बन (सीएफसी) और हैलोन जैसी गैसें समताप मंडल (स्ट्रैटोस्फियर) में पहुंचकर ओजोन अणुओं को तेजी से नष्ट करने लगीं। इसके परिणामस्वरूप, अंटार्कटिका के ऊपर एक विशाल 'ओजोन छिद्र' विकसित हुआ। समय रहते कदम नहीं उठाए जाते तो सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी (यूवी-बी) किरणों का बढ़ा हुआ प्रभाव त्वचा कैंसर, मोतियाबिंद, फसलों को नुकसान और समुद्री खाद्य श्रृंखला के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता था। ओजोन परत को नुकसान पहुंचाने वाले प्रमुख रसायनों में क्लोरोफ्लोरोकार्बन (सीएफसी), हैलोन, कार्बन टेट्राक्लोराइड और मिथाइल क्लोरोफॉर्म आदि शामिल हैं। इनका उपयोग पहले रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर, अग्निशामक यंत्र और एरोसोल जैसे उत्पादों में होता था। इन रसायनों को नियंत्रित करने के लिए वर्ष 1987 में मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल अपनाया गया, जिसे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में दुनिया के सबसे सफल अंतरराष्ट्रीय समझौतों में माना जाता है। सरल शब्दों में कहें तो मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल का मुख्य उद्देश्य ओजोन परत को नुकसान पहुंचाने वाले रसायनों, जैसे क्लोरोफ्लोरोकार्बन (सीएफसीज), के उत्पादन और उपयोग को चरणबद्ध तरीके से कम करना और समाप्त करना है।भारत भी मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के कार्यान्वयन में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। फिर भी ओजोन परत की सुरक्षा के लिए निरंतर प्रयास जरूरी हैं। यह केवल पर्यावरण का विषय नहीं, बल्कि मानव स्वास्थ्य और पृथ्वी पर जीवन की सुरक्षा से जुड़ा प्रश्न है। इसलिए पर्यावरण के अनुकूल शीतलन तकनीकों को अपनाना और ओजोन-क्षयकारी पदार्थों के उपयोग को कम करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।इसके बाद, वर्ष 2016 में किगाली संशोधन अपनाया गया, जिसके तहत हाइड्रोफ्लोरोकार्बन (एचएफसी) के उपयोग को धीरे-धीरे कम करने का लक्ष्य रखा गया। उल्लेखनीय है कि मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के कड़े अनुपालन से ओजोन-क्षयकारी गैसों के वैश्विक उत्सर्जन में लगभग 99 प्रतिशत तक की कमी आई है। इसके सकारात्मक परिणाम अब आंकड़ों में भी दिखाई दे रहे हैं। नासा और विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) के वैज्ञानिक आकलनों के अनुसार, अंटार्कटिक ओजोन छिद्र का अधिकतम आकार अब लगभग 22.8 मिलियन वर्ग किलोमीटर के दायरे में रह गया है, जो वर्ष 2000 के 28.4 मिलियन वर्ग किलोमीटर के रिकॉर्ड स्तर से काफी कम है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यदि मौजूदा नियमों का सख्ती से पालन जारी रहा तो दुनिया के अधिकांश हिस्सों में ओजोन परत 2040 तक, आर्कटिक में 2045 तक और अंटार्कटिका के ऊपर 2066 तक वर्ष 1980 के ऐतिहासिक स्तर पर लौट सकती है।हालांकि, पर्यावरण को लेकर पूरी तरह निश्चिंत होने का समय अभी नहीं आया है। जंगलों की भीषण आग, अनियंत्रित रॉकेट प्रक्षेपण, अप्रतिबंधित औद्योगिक रसायनों, जैसे डाइक्लोरोमीथेन, और लगातार बढ़ता कार्बन उत्सर्जन नई चुनौतियां पैदा कर रहे हैं। जंगलों की आग से उठने वाला रासायनिक धुआं तथा अंतरिक्ष मलबे के ऊपरी वायुमंडल में जलने से उत्पन्न एरोसोल ओजोन की रिकवरी की गति को प्रभावित कर सकते हैं। इसके अलावा, तेजी से बढ़ते अंतरिक्ष अभियानों, रॉकेट प्रक्षेपणों और समताप मंडल में उड़ने वाले विमानों से निकलने वाले ब्लैक कार्बन और कालिख को लेकर भी गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। यह स्पष्ट संकेत है कि प्रकृति के साथ किया गया कोई भी असंतुलन हमारे इस अदृश्य सुरक्षा कवच को प्रभावित कर सकता है। वास्तव में,ओजोन परत की हिफाजत केवल अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों या सरकारी संधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारी दैनिक जीवनशैली और उपभोक्ता प्राथमिकताओं से भी जुड़ी है। व्यक्तिगत स्तर पर घर और कार्यालय में इस्तेमाल होने वाले कूलिंग उपकरणों के प्रति सजग रहना जरूरी है। उनमें ओजोन-क्षयकारी सीएफसी और एचसीएफसी का उपयोग न हो। पुराने उपकरणों की समय पर मरम्मत और सुरक्षित पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) भी आवश्यक है, क्योंकि उपकरणों से गैसों का रिसाव पर्यावरण के लिए नुकसानदेह हो सकता है। एरोसोल स्प्रे, फोम पैकेजिंग, कीटनाशकों और रासायनिक विलायकों के मामले में भी पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

नरेन्द्र मोदीः एक शख्सियत, एक दौर एवं विकसित भारत का सपना

डा. कृष्ण कुमार रत्तु
प्रसिद्ध लेखक एवं मीडिया विश्लेषक

विशेष लेख

17 सितंबर प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर विशेष

आज 17 सितंबर भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र दामोदरदास मोदी का जन्मदिन है। 17 सितंबर 1950 को गुजरात के वडनगर में जन्मे नरेन्द्र मोदी की राजनीतिक यात्रा आज भारत की समकालीन राजनीति के सबसे चर्चित बिंदुओं में से एक है। एक साधारण परिवार से उठकर देश के सबसे ऊंचे राजनीतिक पद तक पहुंचने की यह यात्रा सिर्फ एक व्यक्ति की कहानी नहीं, बल्कि पिछले कई दशकों में भारतीय राजनीति, चुनावी संचार, संगठन और शासन के बदलते रूप की भी कहानी है। आज नरेन्द्र मोदी केवल भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख चेहरे के रूप में नहीं देखे जाते। भारत की घरेलू राजनीति से लेकर विश्व कूटनीति तक उनकी मौजूदगी लगातार चर्चा में रहती है। 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद भारतीय राजनीति में नेतृत्व की शैली, सरकारी संचार और चुनावी अभियान का ढंग काफी बदला है। उनकी सरकार ने एक ओर कल्याणकारी योजनाओं, डिजिटल अर्थव्यवस्था, बुनियादी ढांचे और निर्माण पर जोर दिया, दूसरी ओर कई ऐसे फैसले किए जिन्होंने देश में तीखी राजनीतिक और सामाजिक बहस को जन्म दिया।आज मोदी की यात्रा को समझने के लिए इसे न तो सिर्फ प्रशंसा के चश्मे से देखा जा सकता है और न ही सिर्फ आलोचना के। लोकतंत्र में किसी भी सरकार का मूल्यांकन उसकी नीतियों, उनके नतीजों, लोगों के अनुभव और उनसे पैदा हुए सवालों के आधार पर होता है। इसी दृष्टि से नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन को उनकी इस राजनीतिक यात्रा और भारत के भविष्य की दिशा के बारे में विचार करने का मौका बनाया जा सकता है।यह सफर वडनगर से दिल्ली तक है और नरेन्द्र मोदी की शख्सियत का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि वे पारंपरिक राजनीतिक परिवार से नहीं आए। वडनगर से शुरू हुई उनकी जन यात्रा धीरे-धीरे संगठनात्मक राजनीति से जुड़ी और भारतीय जनता पार्टी के संगठन में

लंबे अनुभव के बाद वे गुजरात के मुख्यमंत्री बने। 2001 से 2014 तक गुजरात की सियासत में उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई और फिर राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश किया। 2014 के लोकसभा चुनाव भारतीय राजनीति के लिए एक बड़ा मोड़ साबित हुए। भाजपा ने अपने दम पर लोकसभा में बहुमत हासिल किया और नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने। 2019 में भाजपा ने अपनी सीटें बढ़ाकर 303 कर लीं। 2024 में भाजपा 240 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी रही और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के जरिए सरकार बनी। ये तीन चुनाव नतीजे मोदी के राजनीतिक सफर के अलग-अलग पड़ाव दर्शाते हैं और यह भी बताते हैं कि भारतीय वोटर का फैसला समय के साथ कैसे बदलता है।मोदी की राजनीति का एक और महत्वपूर्ण पक्ष उनकी संचार शैली है। उन्होंने पारंपरिक जन सभाओं के साथ टेलीविजन, रेडियो और सोशल मीडिया को भी अपने सीधे संचार का साधन बनाया। 'मन की बात' जैसे कार्यक्रम ने प्रधानमंत्री और आम नागरिक के बीच सीधे संवाद की एक नई शैली पैदा की। डिजिटल युग में राजनीतिक नेता की जन उपस्थिति कैसे बनाई जा सकती है, इस मामले में मोदी का दौर भारतीय राजनीतिक संचार का एक अलग अध्याय है। आज नए भारत की भाषा मोदी के नाम है। मोदी सरकार के वर्षों में 'नया भारत', 'सबका साथ, सबका विकास', 'मेक इन इंडिया', 'डिजिटल इंडिया', 'आत्मनिर्भर भारत' और 'विकसित भारत 2047' जैसे शब्द भारतीय राजनीतिक शब्दावली का हिस्सा बने हैं। आज इन धारणाओं के पीछे एक ऐसा भारत पेश किया गया है जो आर्थिक तौर पर मजबूत हो, प्रौद्योगिकी में आगे हो, अपने निर्माण को बढ़ाए, बुनियादी ढांचे में आधुनिक हो और विश्व मंच पर अपनी भूमिका और मजबूत करे। आज 'विकसित भारत 2047' इस पूरी कल्पना का सबसे बड़ा लक्ष्य है। 2047 वह साल है जब भारत अपनी आजादी की सौवीं वर्षगांठ मनाएगा। मोदी सरकार इस लक्ष्य को सिर्फ जीडीपी बढ़ाने से नहीं जोड़ती, बल्कि बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, रक्षा, ऊर्जा, कृषि और नौजवानों की भूमिका से जोड़ती है। पर विकसित भारत का असली अर्थ इससे कहीं बड़ा है। किसी देश की तरक्की का माप केवल उसकी कुल अर्थव्यवस्था नहीं होता। प्रति व्यक्ति आय, रोजगार, शिक्षा की गुणवत्ता, स्वास्थ्य सुविधाएं, सामाजिक सुरक्षा, पर्यावरण और नागरिकों का जीवन स्तर भी विकास की कसौटी हैं। आज डिजिटल क्रांति और बदलता भारत मोदी सरकार के दौर की सबसे बड़ी तब्दीलियों में डिजिटल भारत का विस्तार शामिल है। यूपीआई ने भारत में पैसे के लेन-देन की तस्वीर बदल दी है। छोटी दुकान से लेकर बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठान तक डिजिटल भुगतान अब आम जीवन का हिस्सा बन चुका है। अगस्त 2026 में यूपीआई के जरिए लगभग 24.5 बिलियन लेन-देन होना और उनकी कुल कीमत करीब 29.8 लाख करोड़ रुपये रहना इस डिजिटल तब्दीली का पैमाना बताता है। डिजिटल भुगतान के अलावा आधार, जन-धन खातों और मोबाइल कनेक्टिविटी को सरकारी सेवाओं से जोड़ने ने राज्य और नागरिक के बीच संचार का एक नया ढांचा तैयार किया है। आज यह तब्दीली सिर्फ प्रौद्योगिकी की कहानी नहीं। यह भारतीय समाज में राज्य और नागरिक के रिश्ते की भी कहानी है। जब सरकारी सहायता सीधे खाते में पहुंचती है या कोई छोटा व्यापारी मोबाइल के जरिए भुगतान ले लेता है तो डिजिटल ढांचा आम नागरिक की रोजमर्रा की जिंदगी में दाखिल हो जाता है। लोकतंत्र में कल्याणकारी राज्य की नई तस्वीर मोदी सरकार के दौर में जन-धन योजना, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना और जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं ने सरकारी कल्याण **शेष पृष्ठ सात पर**

बीजेपी विधायक पर अपनी ही पार्टी के दलित नेता ने लगाए मारपीट के आरोप

नई दिल्ली 16 सितम्बर (निस) दिल्ली बीजेपी विधायक गजेंद्र दराल और कंझावला मंडल अध्यक्ष सुनील कुमार का विवाद अनुशासन समिति पहुंचा। सुनील ने मारपीट और जातिसूचक शब्दों के आरोप लगाए। दोनों को 16 सितंबर को स्पष्टीकरण देना है। दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के मुंडका विधायक गजेंद्र दराल और कंझावला मंडल अध्यक्ष सुनील कुमार के बीच विवाद अब पार्टी की अनुशासन समिति तक पहुंच गया है। मीडिया और सोशल मीडिया के जरिए सामने आई घटना का संज्ञान लेते हुए दिल्ली प्रदेश भाजपा ने दोनों नेताओं से स्पष्टीकरण मांगा है। प्रदेश भाजपा की ओर से दोनों को 16 सितंबर को दोपहर 3 बजे प्रदेश अनुशासन समिति के सामने अपना पक्ष रखने के निर्देश दिए गए हैं। दरअसल, कंझावला मंडल अध्यक्ष सुनील कुमार ने मुंडका से बीजेपी विधायक गजेंद्र दराल पर उनके साथ मारपीट करने का आरोप लगाया है। सुनील कुमार का आरोप है कि विधायक ने उनके साथ जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल भी किया। घटना से जुड़े आरोप सामने आने के बाद मामला सोशल मीडिया और मीडिया में चर्चा में आया। इसके बाद प्रदेश भाजपा ने मामले का संज्ञान लेते हुए दोनों पक्षों से जवाब तलब किया है। दिल्ली प्रदेश भाजपा ने विधायक गजेंद्र दराल और मंडल अध्यक्ष सुनील कुमार, दोनों को अपना पक्ष रखने का मौका दिया है। अब दोनों नेताओं को 16 सितंबर को प्रदेश अनुशासन समिति के समक्ष उपस्थित होकर घटना के संबंध में स्पष्टीकरण देना होगा। अनुशासन समिति के सामने दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद ही पार्टी आगे की कार्रवाई को लेकर फैसला कर सकती है।

दिल्ली में जिम ट्रेनर विजय की क्यों हुई हत्या अतीत के पन्नों में छिपी है गैंगवार की कहानी

नई दिल्ली 16 सितम्बर (निस) विजय कुमार हत्याकांड की जांच में पुलिस पुरानी दुश्मनी की कड़ियों को जोड़ रही है। इस खूनी विवाद में प्रॉपर्टी कारोबार और निवेश की रकम से शुरू हुआ विवाद अहम कड़ी बताया जा रहा है। दिल्ली में जिम ट्रेनर विजय कुमार की हत्या ने हिलाकर रख दिया है। बीते सोमवार सुबह फतेहपुरबेरी थाना क्षेत्र के आया नगर में विजय की ताबड़तोड़ गोलियां मारकर हत्या कर दी गई। अब इस मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। विजय की हत्या उस गैंगवार से जुड़ी बताई जा रही है, जिसकी शुरुआत पिछले साल नवंबर में अरुण की हत्या से हुई थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक, वारदात को अपराधियों ने परफेक्ट जिम के बाहर सुबह करीब 10:30 बजे अंजाम दिया। मौके से 18 खोखे और एक कारतूस बरामद हुए हैं। सूचना मिलते ही दक्षिणी जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। विजय कुमार, हत्या के एक मामले में जेल में बंद योगेश का बड़ा भाई था। पुलिस इस हत्या को पुरानी रंजिश और गैंगवार के एंगल से भी जांच रही है।

दिल्ली की महिला से गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के नाम पर मांगी गई रंगदारी

नई दिल्ली 16 सितम्बर (निस) दिल्ली के सिविल लाइंस इलाके में रहने वाली करीब 50 वर्षीय महिला को विदेशी नंबर से वाट्सऐप कॉल कर 200 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार, कॉल करने वाले ने खुद को गैंगस्टर गोल्डी बराड़ बताया था। पुलिस अभी यह पता लगा रही है कि धमकी वास्तव में बराड़ की ओर से दी गई थी या किसी ने निजी अथवा संपत्ति विवाद में उसके नाम का इस्तेमाल किया।

दिवाली-छठ पर दिल्ली से रांची जाने वालों को राहत आनंद विहार-रांची स्पेशल ट्रेन के बढ़े फेरे टिकट बुकिंग शुरू

नई दिल्ली 16 सितम्बर (निस) त्योहार के दिनों में ट्रेनों में जगह नहीं है। सबसे अधिक भीड़ पूर्व दिशा की ट्रेनों में है। इसे देखते हुए विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। पहले से चलने वाली कई विशेष ट्रेनों के फेरे बढ़ाए जा रहे हैं जिससे कि यात्रियों को कंफर्म टिकट मिल सके। इसी कड़ी में रेलवे प्रशासन ने आनंद विहार टर्मिनल से रांची के बीच चलने वाली 02877/02878 नंबर की ट्रेन की अवधि बढ़ाने का निर्णय लिया है। रांची से यह विशेष ट्रेन तीन अक्टूबर से 28 नवंबर तक प्रत्येक शनिवार को चलेगी। आनंद विहार टर्मिनल से यह चार अक्टूबर से 29 नवंबर तक प्रत्येक रविवार को चलेगी। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि इस ट्रेन में सभी श्रेणी के कोच लगाए जाएंगे और इसकी बुकिंग शुरू हो गई है।

प्रिंटर देखने के बहाने घर में घुसे हमलावरों ने महिला पर बरसाईं गोलियां

नई दिल्ली 16 सितम्बर (निस) नंगली एक्सटेंशन की गली नंबर-1 में रविवार सुबह एक सरकारी स्कूल के शिक्षक ने पत्नी की हत्या की साजिश रचकर अपने बचपन के दोस्त को साढ़े तीन लाख रुपये की सुपारी दी। सुपारी मिलने के बाद दोस्त ने अपने भाई और उसके साथी को वारदात के लिए भेजा। दोनों हमलावर प्रिंटर देखने के बहाने घर में दाखिल हुए और करीब 40 मिनट तक अंदर रहने के बाद संध्या पर छह गोलियां चला दीं। इनमें से तीन गोलियां संध्या को लगीं। गंभीर रूप से घायल संध्या को पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया, जहां समय पर उपचार मिलने से उसकी जान बच गई। पुलिस ने मंगलवार को वारदात में शामिल दोनों हमलावरों दीपक और आकाश को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, संध्या के पति संदीप को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार, साजिश में शामिल संदीप का बचपन का दोस्त अरविंद फरार है और उसकी तलाश की जा रही है। पुलिस हत्या की साजिश के पीछे की वजह और सुपारी की रकम के लेनदेन समेत अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे की एक लेन अगले आदेश तक बंद

नई दिल्ली 16 सितम्बर (निस) दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर जैतपुर पुश्ता रोड से महारानी बाग डीएनडी की ओर जाने वाली एक लेन सोमवार को एक बार फिर अगले आदेश तक बंद कर दी गई है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने एडवाइजरी जारी कर वाहन चालकों को प्रभावित हिस्से से बचने और वैकल्पिक मार्ग अपनाने की सलाह दी है। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर एनएचएआइ हाईवे का मदनपुर खादर में एक हिस्सा अस्थायी रूप से बंद किया गया है। इसके चलते जैतपुर से सराय काले खां और आश्रम की ओर जाने वाले हाईवे के हिस्से पर वाहनों की आवाजाही अगले आदेश तक बंद रहेगी। आश्रम और सराय काले खां की ओर जाने वाले वाहन चालकों को प्रभावित हिस्से से नहीं गुजरने की सलाह दी गई है।

25 सितंबर को एक स्वर में गूंजेगा वंदे मातरम, बनेगा नया विश्व कीर्तिमान, देशभर में एक करोड़ से अधिक लोगों को जोड़ने का लक्ष्य

बिलासपुर 16 सितम्बर (निस) राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' की रचना के 150 वर्ष पूर्ण होने के ऐतिहासिक अवसर पर 25 सितंबर को देशभर में राष्ट्रभक्ति का अद्भुत स्वर गूंजेगा। विद्या भारती ने सुबह ठीक 11 बजे पूर्ण 'वंदे मातरम' के सामूहिक गान का राष्ट्रव्यापी आयोजन करने का निर्णय लिया है। अभियान के जरिए देशभर में एक करोड़ से अधिक लोगों को जोडने और सामूहिक गान का नया विश्व कीर्तिमान स्थापित करने की तैयारी है। आयोजन को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराने के लिए प्रतिभागियों की संख्या का व्यवस्थित रिकॉर्ड रखने से लेकर कार्यक्रमों की वीडियो रिकॉर्डिंग तक व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। विद्या भारती (मध्य क्षेत्र) के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष-विद्या एवं सामूहिक वंदे मातरम् आयोजन के छत्तीसगढ़ प्रांत संयोजक जुड़ावन सिंह ठाकुर ने रविवार को बिलासपुर प्रेस क्लब में पत्रकारों से बातचीत में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि देशभर में विद्या भारती से जुड़े करीब 20 हजार औपचारिक एवं अनौपचारिक विद्यालय इस अभियान में सहभागी बनेंगे। इनमें करीब एक लाख से अधिक आचार्य-शिक्षक और लगभग 36 लाख विद्यार्थी सीधे तौर पर शामिल होंगे। इसके साथ ही पूर्व छात्र, पूर्व आचार्य, अभिभावक, शिक्षाविद और समाज के प्रबुद्ध नागरिकों को भी अभियान से जोडने का प्रयास किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में करीब 1200 सरस्वती शिशु मंदिरों में सामूहिक गान की तैयारियां चल रही हैं। इन विद्यालयों में लगभग 11 हजार आचार्य-शिक्षक और तीन लाख से अधिक विद्यार्थी हैं। विद्या भारती ने निजी एवं शासकीय विद्यालयों से भी इस राष्ट्रव्यापी अभियान में सहभागी बनने की अपील की है, ताकि अधिक से अधिक लोग ऐतिहासिक आयोजन का हिस्सा बन सकें।

गैर-सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालयों के लिए कम से कम 100 प्रतिभागियों की संख्या निर्धारित की गई है। छोटे विद्यालयों में निर्धारित संख्या पूरी नहीं होने की स्थिति में विद्यार्थियों और अन्य प्रतिभागियों को आसपास के बड़े विद्यालयों में होने वाले आयोजन से जोडने की योजना है। सामूहिक गान में चौथी कक्षा एवं उससे ऊपर के विद्यार्थी शामिल होंगे। प्रतिभागियों को पूर्ण 'वंदे मातरम' का पूर्वाभ्यास कर आयोजन में पहुंचने के लिए कहा गया है।

जिन विद्यालयों में दो से तीन हजार तक विद्यार्थी हैं, वहां बड़े स्तर पर सामूहिक गान आयोजित किया जाएगा। ऐसे आयोजनों की ड्रोन सहित अन्य माध्यमों से वीडियो रिकॉर्डिंग की जाएगी।

न्यायिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए 19 सितम्बर को लगेगा निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

ग्वालियर 16 सितम्बर (निस) जिला न्यायालय परिसर में 'उल्लास एक अभिनव प्रयास' के तहत न्यायिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए 19 सितम्बर को निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर की तैयारियों के क्रम में 15 सितम्बर से न्यायिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों का रक्त परीक्षण शुरू किया गया है। रक्त परीक्षण के पहले दिन 112 न्यायिक अधिकारियों एवं न्यायालयीन कर्मचारियों का रक्त परीक्षण किया गया। रक्त परीक्षण की रिपोर्ट के आधार पर शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श दिया जाएगा।

उच्च न्यायालय जबलपुर के दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ग्वालियर ललित किशोर के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय परिसर में यह विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित होने जा रहा है। शिविर का आयोजन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के सहयोग से किया जा रहा है।

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर के सुचारु आयोजन के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय द्वारा रक्त नमूना संग्रहण तथा आभा आईडी जनरेट करने के लिए तीन-तीन टीमें गठित की गई हैं। इन टीमों द्वारा 15 सितम्बर से न्यायिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों का प्रारंभिक रक्त परीक्षण किया जा रहा है। रक्त परीक्षण की प्रक्रिया 17 सितम्बर तक जारी रहेगी।रक्त परीक्षण की रिपोर्ट के आधार पर 19 सितम्बर को आयोजित होने वाले विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा तथा आवश्यकतानुसार उचित स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया जाएगा।रक्त परीक्षण के अवसर पर विशेष न्यायाधीश (एट्रोसिटीज) नवीन शर्मा, जिला न्यायालय ग्वालियर के समस्त न्यायाधीशगण एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पुष्पेन्द्र सिंह सहित न्यायालयीन अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जमीन विवाद सुलझाने बैठी पंचायत में खूनी जंग

जिले के मृगवास थाना क्षेत्र की सानई चौकी अंतर्गत ग्राम जोगीपुरा में 25 साल पुराने जमीन विवाद के निराकरण के लिए जुटी पंचायत अचानक जंग के मैदान में तब्दील हो गई। पंचों और गवाहों की मौजूदगी में ही दोनों पक्ष आपस में भिड़ गए। देखते ही देखते दोनों ओर से जमकर लाठी-डंडे, पत्थर और कुल्हाड़ी चले। इस हिंसक वारदात में दोनों पक्षों के बुजुर्ग और महिलाओं समेत करीब 11 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मृगवास थाना पुलिस ने दोनों पक्षों की परस्पर विरोधी शिकायतों पर क्रास कायमी कर जांच शुरू कर दी है।

गवाही के दौरान भडक़ा विवाद-प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम जोगीपुरा में 3 बीघा जमीन के पुराने लेन-देन को लेकर विवाद सुलझाने के लिए कड्डा वाली वडली और खेत की मेढ़ पर पंचायत बुलाई गई थी। पंचायत में दोनों पक्षों के लोग, ग्रामीण और मध्यस्थता के लिए गवाह भी मौजूद थे। बातचीत के दौरान जैसे ही 25 साल पूर्व हुए पैसों के लेन-देन को लेकर गवाहों ने अपनी बात रखी, वैसे ही बात बिगड़ गई और दोनों पक्षों में तीखी बहस होने लगी।

दोनों तरफ से हुआ हमला, लहूलुहान हुए लोग-बहस के बाद पहला पक्ष आक्रोशित हो उठा। रामचंद्र गुर्जर पक्ष का आरोप है कि मन्ना बंजारा, घासी, सोजी और उनके साथियों ने गाली-गलौज करते हुए पत्थरों से हमला बोल दिया। इस हमले में रामचंद्र, उनके भाई रामप्रसाद, अंतरसिंह, पिता फूलसिंह और रिश्तेदार देवलाल के सिर, चेहरे व शरीर पर गंभीर चोटें आईं। वहीं दूसरे पक्ष से प्रताप बंजारा ने आरोप लगाया कि पंचायत में बात न बनने पर गुर्जर पक्ष के लोग आपा खो बैठे। रामचंद्र, रामप्रसाद, फूलसिंह और उनके साथियों ने कुल्हाड़ी की मुदाल और पत्थरों से हमला कर दिया। इस हमले में प्रताप बंजारा, बापूलाल, सोजीराम के अलावा बीच-बचाव करने आई परिवार की महिलाएं ममता बाई और साबू बाई भी घायल हो गईं।

पुलिस ने दर्ज किया क्रास मामला-घटना की सूचना मिलते ही सानई चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को चिकित्सीय परीक्षण के लिए अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने रामचंद्र गुर्जर की रिपोर्ट पर मन्ना बंजारा समेत 7 लोगों और प्रताप बंजारा की रिपोर्ट पर फूलसिंह गुर्जर व उनके साथियों के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं में क्रास अपराध पंजीकृत कर लिया है।

जमीन विवाद सुलझाने बैठी पंचायत में खूनी जंग, गुर्जर और बंजारा पक्ष के बीच चले पत्थर-कुल्हाड़ी दोनों ओर से महिलाएं-बुजुर्ग समेत एक दर्जन घायल

गुना 16 सितम्बर (निस) जिले के मृगवास थाना क्षेत्र की सानई चौकी अंतर्गत ग्राम जोगीपुरा में 25 साल पुराने जमीन विवाद के निराकरण के लिए जुटी पंचायत अचानक जंग के मैदान में तब्दील हो गई। पंचों और गवाहों की मौजूदगी में ही दोनों पक्ष आपस में भिड़ गए। देखते ही देखते दोनों ओर से जमकर लाठी-डंडे, पत्थर और कुल्हाड़ी चले। इस हिंसक वारदात में दोनों पक्षों के बुजुर्ग और महिलाओं समेत करीब 11 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मृगवास थाना पुलिस ने दोनों पक्षों की परस्पर विरोधी शिकायतों पर क्रास कायमी कर जांच शुरू कर दी है। गवाही के दौरान भडक़ा विवाद-प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम जोगीपुरा में 3 बीघा जमीन के पुराने लेन-देन को लेकर विवाद सुलझाने के लिए कड्डा वाली वडली और खेत की मेढ़ पर पंचायत बुलाई गई थी। पंचायत में दोनों पक्षों के लोग, ग्रामीण और मध्यस्थता के लिए गवाह भी मौजूद थे। बातचीत के दौरान जैसे ही 25 साल पूर्व हुए पैसों के लेन-देन को लेकर गवाहों ने अपनी बात रखी, वैसे ही बात बिगड़ गई और दोनों पक्षों में तीखी बहस होने लगी। दोनों तरफ से हुआ हमला, लहूलुहान हुए लोग-बहस के बाद पहला पक्ष आक्रोशित हो उठा। रामचंद्र गुर्जर पक्ष का आरोप है कि मन्ना बंजारा, घासी, सोजी और उनके साथियों ने गाली-गलौज करते हुए पत्थरों से हमला बोल दिया। इस हमले में रामचंद्र, उनके भाई रामप्रसाद, अंतरसिंह, पिता फूलसिंह और रिश्तेदार देवलाल के सिर, चेहरे व शरीर पर गंभीर चोटें आईं। वहीं दूसरे पक्ष से प्रताप बंजारा ने आरोप लगाया कि पंचायत में बात न बनने पर गुर्जर पक्ष के लोग आपा खो बैठे। रामचंद्र, रामप्रसाद, फूलसिंह और उनके साथियों ने कुल्हाड़ी की मुदाल और पत्थरों से हमला कर दिया। इस हमले में प्रताप बंजारा, बापूलाल, सोजीराम के अलावा बीच-बचाव करने आई परिवार की महिलाएं ममता बाई और साबू बाई भी घायल हो गईं। पुलिस ने दर्ज किया क्रास मामला-घटना की सूचना मिलते ही सानई चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को चिकित्सीय परीक्षण के लिए अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने रामचंद्र गुर्जर की रिपोर्ट पर मन्ना बंजारा समेत 7 लोगों और प्रताप बंजारा की रिपोर्ट पर फूलसिंह गुर्जर व उनके साथियों के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं में क्रास अपराध पंजीकृत कर लिया है।

कौन हैं सिद्धार्थ बाबू, जो बनते हैं प्रधानमंत्री मोदी के दुभाषिया? कॉरपोरेट नौकरी छोड़ ऐसे बने विदेश सेवा अधिकारी

नई दिल्ली 16 सितम्बर (निस) ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेशी नेताओं के बीच बातचीत में एक चेहरा लगातार नजर आया—सिद्धार्थ बाबू। वह प्रधानमंत्री मोदी के दुभाषिये के तौर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। विदेशी नेताओं के साथ उच्चस्तरीय बैठकों में उनकी जिम्मेदारी सिर्फ भाषा का अनुवाद करना नहीं, बल्कि बातचीत के दौरान शब्दों और भावनाओं को सटीक तरीके से दूसरी भाषा में पहुंचाना भी है। सिद्धार्थ बाबू की कहानी इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने पारंपरिक तरीके से विदेश सेवा में आने के बजाय पहले कॉरपोरेट क्षेत्र में काम किया। इसके बाद उन्होंने संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में सफलता हासिल की और भारतीय विदेश सेवा को अपना करियर चुना। बताया जाता है कि संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में सिद्धार्थ बाबू ने 15वीं रैंक हासिल की थी। इस सफलता के बाद उनके पास भारतीय प्रशासनिक सेवा चुनने का विकल्प भी था, लेकिन उन्होंने भारतीय विदेश सेवा को प्राथमिकता दी। विदेश सेवा में आने के बाद भाषा और कूटनीति से जुड़ी उनकी विशेषज्ञता ने उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों तक पहुंचाया। प्रधानमंत्री मोदी की विदेशी नेताओं के साथ बैठकों में दुभाषिये की भूमिका बेहद संवेदनशील होती है। बातचीत के दौरान किसी एक शब्द या वाक्य के गलत अर्थ निकलने से कूटनीतिक संदेश प्रभावित हो सकता है। ऐसे में दुभाषिये को भाषा के साथ-साथ दोनों देशों के राजनीतिक और कूटनीतिक संदर्भ की भी गहरी समझ होना जरूरी है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग समेत कई विदेशी नेताओं के साथ बातचीत के दौरान सिद्धार्थ बाबू की भूमिका खास तौर पर चर्चा में आई। कैमरों में उन्हें नेताओं के बीच बातचीत को सहज बनाने में मदद करते हुए देखा गया।

देश का सबसे बड़ा कोकेन तस्कर वीरेंद्र बसोया के बाद बेटा ऋषभ भी गिरफ्तार

नई दिल्ली 16 सितम्बर (निस) देश के सबसे बड़े और अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्कर वीरेंद्र सिंह बसोया के बेटे ऋषभ बसोया को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने आईजीआई एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया है। सेल की सूचना पर उसे अबुधाबी में पकड़ा गया जिसके बाद उसे आज सुबह आईजीआई एयरपोर्ट पर लाया गया। यहां पर सेल की टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। आज दोपहर बाद उसे पटियाला हाउस कोर्ट में पेश कर पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया जाएगा। करीब एक महीना पहले वीरेंद्र बसोया को अबू धाबी में हिरासत में लिया गया था उसके बाद दिल्ली भेजने पर एनसीबी की मुंबई जोन ने उसे गिरफ्तार कर लिया था। मुंबई एनसीबी से दस दिन पहले स्पेशल सेल ने भी अपने केस में पूछताछ के लिए दिल्ली लाया था। पूछताछ के बाद चार दिन पहले उसे तिहाड़ जेल भेज दिया गया।

डूसू चुनावों में राजनीतिक दखलंदाजी के खिलाफ छात्रा ने खटखटाया दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा

नई दिल्ली 16 सितम्बर (निस) दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनावों में लिंगदोह कमेटी के नियमों का उल्लंघन कर राजनीतिक पार्टियों के दखल देने के खिलाफ एक छात्रा ने दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। मंगलवार को इस मामले का उल्लेख मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय व न्यायमूर्ति तेजस कारिया की पीठ के समक्ष किया गया। अदालत ने याचिका को स्वीकार करते हुए मामले को बुधवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का आदेश दिया। याचिका में कहा गया है कि लिंगदोह कमेटी के नियमों में राजनीतिक पार्टियों के शामिल न होने की बात कही गई है। याचिकाकर्ता छात्रा विजेता ने आरोप लगाया गया है कि डीयू, छात्र चुनावों को राजनीतिक पार्टियों के असर से मुक्त रखने के सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों को लागू करने में नाकाम रही है।

दिल्ली से पटना सिर्फ 5 घंटे में, पहले बुलेट ट्रेन कॉरिडोर की डीपीआर तैयार

नई दिल्ली 16 सितम्बर (निस) दिल्ली-वाराणसी-पटना-सिलीगुड़ी हाई स्पीड रेल कॉरिडोर की तैयारी तेज हो गई है। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने दिल्ली-वाराणसी हाई स्पीड रेल कॉरिडोर की डीपीआर तैयार कर रेल मंत्रालय को सौंप दी है। करीब 1,557 किलोमीटर लंबे प्रस्तावित कॉरिडोर को दो चरणों में विकसित करने की तैयारी है, जिसमें पहले दिल्ली से वाराणसी तक बुलेट ट्रेन चलेगी और बाद में इसे पटना होते हुए सिलीगुड़ी तक बढ़ाया जाएगा। दिल्ली-वाराणसी-पटना-सिलीगुड़ी हाई स्पीड रेल के ग्राउंड सर्वे की तैयारी भी तेज कर दी गई है। एनएचएसआरसीएल ने वरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों की तैनाती के लिए 7 सितंबर को नोटिफिकेशन जारी किया है। इसके तहत तीन विशेष कार्य अधिकारी और तीन अपर महाप्रबंधक तैनात होंगे। अगले 30 दिनों में यह प्रक्रिया पूरी होने की बात कही गई है। दिल्ली, नोएडा, नई दिल्ली, आगरा, लखनऊ, वाराणसी और पटना में नियुक्त अधिकारियों को परियोजना के ग्राउंड ऑपरेशन की जिम्मेदारी दी जाएगी। दिल्ली-वाराणसी हाई स्पीड रेल कॉरिडोर की लंबाई 813 किलोमीटर बताई गई है। यह दिल्ली के सराय काले खां से शुरू होकर नोएडा, जेवर, मथुरा, आगरा, इटावा, कानपुर, लखनऊ, रायबरेली, प्रयागराज और भदोही होते हुए वाराणसी तक जाएगा।

दिल्ली के तीन स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी ईमेल मिलते ही मचा हड़कंप

नई दिल्ली 16 सितम्बर (निस) दिल्ली के तीन स्कूलों को मंगलवार सुबह बम की धमकी मिलने से एक बार फिर हड़कंप मच गया। यह धमकी स्कूलों को ईमेल पर मिली थी। धमकी मिलने के बाद सभी स्कूलों को खाली कराया गया। दमकल विभाग के अनुसार उसे सुबह धौला कुआं स्थित आर्मी पब्लिक स्कूल से धमकी को लेकर कॉल मिली थी। सूचने मिलने पर पुलिस और इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम अलर्ट की गईं और स्कूल खाली करा लिया गया। सुरक्षाकर्मियों ने पूरे स्कूल कैंपस की गहनता से जांच की लेकिन उन्हें कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। इसके साथ ही पुलिस ने बम की धमकी को अफवाह करार दिया है। पुलिस ईमेल के स्रोत का पता लगाने की भी कोशिश कर रही है। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने बताया कि सरदार पटेल विद्यालय की जांच के दौरान भी कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली और यह धमकी फर्जी है। उन्होंने बताया कि सरदार पटेल स्कूल भी धमकी मिलने के बाद समय से खाली करा लिया गया था।

जंतर-मंतर मारपीट केस में स्वतंत्र भारद्वाज को बेल मिलेगी या जेल

नई दिल्ली 16 सितम्बर (निस) पटियाला हाउस स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने सीजेपी के नाबालिग प्रदर्शनकारी के पिता से जंतर-मंतर पर जुलाई में मारपीट के मामले में आरोपित स्वतंत्र भारद्वाज की जमानत याचिका पर सोमवार को सुनवाई पूरी कर फैसला मंगलवार के लिए टाल दिया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सौरभ प्रताप सिंह लालेर मंगलवार को फैसला सुनाएंगे। सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि स्वतंत्र भारद्वाज के खिलाफ दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज हैं। इनमें एक अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत और दूसरी पाक्सो अधिनियम के तहत दर्ज की गई है। इसके बाद अदालत ने मामले की कार्यवाही बंद कमरे में करने का निर्णय लिया। अदालत को यह भी बताया गया कि भारद्वाज की गिरफ्तारी एससी-एसटी अधिनियम के तहत दर्ज प्राथमिकी में हुई है, पाक्सो मामले में नहीं। वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में है। दिल्ली हाई कोर्ट भी हाल ही में उसकी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका खारिज कर चुका है। स्वतंत्र भारद्वाज को शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में हिरासत में लिया गया था। यह कार्रवाई उस समय हुई जब सीजेपी ने भारद्वाज की गिरफ्तारी की मांग को लेकर संसद मार्ग थाने के बाहर प्रदर्शन किया था।

बिल पास कराने के नाम पर दो क्लर्क गिरफ्तार, जांच के दायरे में पूर्व असिस्टेंट कमिश्नर

नई दिल्ली 16 सितम्बर (निस) एमसीडी के पूर्वी जोन में सेवानिवृत्त कर्मचारी के लंबित बिल पास कराने के नाम पर रिश्वत लेने के मामले की जांच अब तत्कालीन असिस्टेंट कमिश्नर तक पहुंच सकती है। भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) इस मामले में तत्कालीन असिस्टेंट कमिश्नर और एक अन्य कर्मचारी से पूछताछ करने की तैयारी में है। सोमवार को एसीबी ने कार्रवाई करते हुए डेम्स विभाग में तैनात दो बिलिंग क्लर्क संजय और हरीश को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया था। दोनों को पूर्व कर्मचारी के लंबित बिल पास कराने के नाम पर रकम लेने के दौरान पकड़ा गया था।

नवप्रवेशित छात्राओं को बताए सफलता के रास्ते

सफीदों, 16 सितंबर (एस. के. मित्तल) : नगर के सरला मेमोरियल राजकीय कन्या महाविद्यालय में मंगलवार को प्रथम वर्ष में नवप्रवेशित छात्राओं के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. बलवान सिंह ने की। ओरिएंटेशन कार्यक्रम के दौरान नवप्रवेशित छात्राओं को महाविद्यालय के विभिन्न विभागों, शैक्षणिक संसाधनों और परिसर में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। छात्राओं को महाविद्यालय में होने वाली विभिन्न गतिविधियों और उनके लिए उपलब्ध अवसरों से भी अवगत करवाया गया।

अपने संबोधन में प्राचार्य बलवान सिंह ने नवप्रवेशित छात्राओं का स्वागत करते हुए कहा कि उच्च शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में अच्छे अंक हासिल करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के संपूर्ण व्यक्तित्व का विकास करना है। उन्होंने कहा कि महाविद्यालयीन शिक्षा के दौरान छात्राओं में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, रचनात्मक सोच और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित होना बेहद जरूरी है। कक्षा में प्राप्त ज्ञान के साथ विभिन्न गतिविधियों में सहभागिता छात्राओं के व्यक्तित्व को निखारने और भविष्य की चुनौतियों का सामना करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

प्राचार्य ने छात्राओं का आह्वान किया कि वे नियमित अध्ययन को प्राथमिकता देने के साथ-साथ महाविद्यालय में आयोजित सह-पाठ्यक्रम, सांस्कृतिक, साहित्यिक, खेल एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों में भी बढ़ चढ़कर भाग लें।

महिला कांग्रेस स्थापना दिवस पर छात्राओं को बांटे सैनिटरी पैड, परमजीत कौर ग्रोहा ने किया जागरूक

रतिया, 16 सितंबर (अमन सेठी) : महिला कांग्रेस स्थापना दिवस के अवसर पर प्रियदर्शिनी उड़ान अभियान के तहत महिला कांग्रेस जिला फतेहाबाद की ओर से महिलाओं एवं छात्राओं को सैनिटरी पैड वितरित किए गए। कार्यक्रम में छात्राओं को मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता एवं स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती अलका लांबा एवं हरियाणा प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती पर्ल चौधरी के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इस दौरान छात्राओं को मासिक धर्म से संबंधित जरूरी जानकारी देते हुए स्वच्छता के महत्व के बारे में बताया गया। कांग्रेस महिला जिला अध्यक्ष फतेहाबाद श्रीमती परमजीत कौर ग्रोहा ने कहा कि बेटियों और महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं पर खुलकर बात करना जरूरी है। मासिक धर्म को लेकर समाज में व्याप्त झिझक और भ्रांतियों को दूर करने के लिए

जागरूकता बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बेटी को बेहतर स्वास्थ्य, सम्मान और सुरक्षित वातावरण मिलना चाहिए। उन्होंने छात्राओं का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि जीवन में परिस्थितियां कैसी भी हों, हिम्मत नहीं हारनी चाहिए और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ते रहना चाहिए। महिला कांग्रेस महिलाओं और बेटियों से जुड़े मुद्दों को लेकर लगातार जागरूकता अभियान चलाती रहेगी। इस अवसर पर महिलाओं एवं छात्राओं को सैनिटरी पैड वितरित किए गए तथा उन्हें मासिक धर्म के दौरान व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में महिला कांग्रेस की पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सहित बड़ी संख्या में महिलाएं और छात्राएं उपस्थित रहीं।

बाबैन में आयोजित सम्मेलन में बढ़-चढ़कर पहुंचेंगे कांग्रेस कार्यकर्ता : जयपाल पांचाल

बाबैन, 16 सितंबर (राजेश कुमार) : कांग्रेस के बाबैन ब्लॉक प्रधान जयपाल पांचाल ने कहा कि 20 सितंबर को बाबैन शाहाबाद रोड पर स्थित रोज प्लाजा में कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन को लेकर बाबैन ब्लॉक के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है और क्षेत्र के प्रत्येक गांव से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता सम्मेलन में पहुंचेंगे। जयपाल पांचाल बुधवार को बाबैन स्थित अपने कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता सम्मेलन को सफल बनाने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा गांव-गांव जाकर लोगों को सम्मेलन में पहुंचने का न्योता दिया जा रहा है।

इसके अलावा कार्यकर्ताओं की अलग-अलग जिम्मेदारियां भी तय की गई हैं, ताकि सम्मेलन में अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि 20 सितंबर को बाबैन के रोज प्लाजा में होने वाले कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और इलाके के लोग पहुंचेंगे। बाबैन ब्लॉक के प्रत्येक गांव से कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल होकर संगठन को मजबूती प्रदान करेंगे। जयपाल पांचाल ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए कहा कि युवाओं को स्थायी एवं सम्मानजनक रोजगार देने के बजाय उन्हें अलग-अलग योजनाओं के नाम पर गुमराह किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से रोजगार देने की बात कही गई, लेकिन युवाओं को स्थायी रोजगार के साथ भविष्य की सुरक्षा नहीं मिल पा रही है। रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं मिलने के कारण प्रदेश के हजारों युवा विदेशों की ओर पलायन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा युवाओं, किसानों, मजदूरों और आम जनता के हितों की आवाज उठाती रही है। कार्यकर्ता सम्मेलन के माध्यम से पार्टी कार्यकर्ताओं को संगठन को मजबूत करने तथा जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाने के लिए एकजुट किया जाएगा। इस अवसर पर पूर्व ब्लॉक प्रधान राकेश अग्रवाल, मंडल प्रधान रामपाल सैनी, राजेश कुमार इशरहेड़ी, प्रिंस घिसरपड़ी, प्रवीन सिंगला सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वैदिक मंत्रों की गूंज के बीच शुरू हुआ नया सत्र, हवन में छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना

यमुनानगर, 16 सितंबर (दिनेश कुमार) : डीएवी गर्ल्स कॉलेज में नए शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ के उपलक्ष्य में हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। कार्यवाहक प्राचार्या डॉ. सुरिंद्र कौर मुख्य यजमान रहीं। यज्ञ आचार्य धर्मेंद्र शास्त्री ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ यज्ञ संपन्न करवाया और छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य व सफलता की कामना की। आचार्य धर्मेंद्र शास्त्री ने कहा कि यज्ञ सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने के साथ जीवन में अनुशासन,

शुद्ध विचार और अच्छे कर्मों की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि माता-पिता की तरह प्राध्यापक भी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। छात्राएं जीवन की प्रत्येक परीक्षा में सफलता हासिल कर अपने माता-पिता, प्राध्यापकों और संस्थान का नाम रोशन करें। उन्होंने छात्राओं का आह्वान किया कि यज्ञ में आहुति देते समय मन, वाणी और कर्म की शुद्धता का भाव रखें। जिस प्रकार हवन की पवित्र अग्नि निरंतर ऊपर की ओर बढ़ती है, उसी प्रकार विद्यार्थियों का जीवन भी सफलता की ऊंचाइयों की ओर अग्रसर होना चाहिए। कार्यवाहक प्राचार्या डॉ. सुरिंद्र कौर ने छात्राओं को आशीर्वाद देते हुए कहा कि वैदिक मंत्रोच्चारण, हवन की पावन अग्नि और वातावरण में फैली सुगंध की तरह सभी छात्राओं का भविष्य भी सुखद, पावन और उज्ज्वल बने। उन्होंने छात्राओं के स्वस्थ, सफल और अनुशासित जीवन की कामना की। इस अवसर पर संगीत विभागाध्यक्ष डॉ. नीता द्विवेदी ने ओम ही है जीवन हमारा, ओम ही आधार है। भजन प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में डॉ. परमेश कुमार, डॉ. रंजना, डॉ. विभाति और नैना सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

गौ सेवा से बड़ा कोई पुण्य नहीं, हर व्यक्ति करे सहयोग सहयोग : रमेश गर्ग

तरावड़ी, 16 सितंबर (छाया शर्मा) : गर्ग फाइन फूड्स के सीएमडी रमेश गर्ग, निलेश गर्ग, राहुल गर्ग एवं उद्योगपति तथा मनोकामना सिद्ध श्री वृंदावन धाम गौशाला साम्भली के उप प्रधान रजत गर्ग ने गौ सेवा को समाज की सबसे बड़ी और पुण्यदायी सेवा बताते हुए कहा कि गायों की सेवा करना हमारी धार्मिक और सामाजिक जिम्मेदारी है। गौ सेवा से बढ़कर पुण्य का कार्य कोई नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति में गाय को विशेष स्थान प्राप्त है और गौ सेवा को सदैव पुण्य एवं धर्म के कार्य के रूप में माना गया है। आज आवश्यकता है कि समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपनी सामर्थ्य के अनुसार गौ सेवा में योगदान दे और गौशालाओं को अधिक से अधिक सहयोग प्रदान करे।

उद्योगपति रमेश गर्ग, निलेश गर्ग, राहुल गर्ग एवं रजत गर्ग ने कहा कि गौ सेवा के लिए केवल आर्थिक सहयोग करना ही जरूरी नहीं है, बल्कि समय निकालकर गौशालाओं में जाकर सेवा करना, गायों के लिए चारा-पानी की व्यवस्था करना और जरूरतमंद गौवंश की मदद करना भी अपने आप में बड़ा पुण्य कार्य है। उन्होंने कहा कि समाज के संपन्न लोगों के साथ-साथ प्रत्येक नागरिक को गौ सेवा के लिए आगे आना चाहिए। यदि हम सभी मिलकर गौ सेवा को अपनी जिम्मेदारी समझें तो गौशालाओं में पल रहे गौवंश की बेहतर देखभाल सुनिश्चित की जा सकती है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि गौ सेवा को केवल धार्मिक अवसरों तक सीमित न रखते हुए इसे जीवन का हिस्सा बनाएं और अपनी सामर्थ्य के अनुसार नियमित रूप से गौशालाओं का सहयोग करें। उनके अनुसार गौ सेवा में लगाया गया प्रत्येक सहयोग न केवल गौवंश के संरक्षण में सहायक है, बल्कि मानवता और सेवा की भावना को भी मजबूत करता है।

गर्ग फाइन फूड्स की तरफ से की गई गौवंश की बेहतर देखभाल की अपील

बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट व बिना नंबर प्लेट वाहनों के खिलाफ विशेष चैंकिंग अभियान जारी

यमुनानगर, 16 सितंबर (दिनेश कुमार) : जिला पुलिस द्वारा बिना हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट तथा बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित करना, अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाना तथा वाहन चालकों में कानून के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने बताया कि जिले भर में विभिन्न स्थानों पर विशेष नाकाबंदी एवं वाहन जांच अभियान चलाए जा रहे हैं। इस दौरान मुहं पर कपडा बांधकर, बिना नंबर प्लेट, बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के चालान किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट प्रत्येक वाहन के लिए आवश्यक है और इससे वाहन की पहचान आसान होने के साथ-साथ अपराधों की जांच में भी पुलिस को महत्वपूर्ण सहायता मिलती है। उन्होंने वाहन मालिकों से अपील करते हुए कहा कि जिन वाहनों पर अभी तक हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं लगी है, वे शीघ्र निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार इसे लगवाएं तथा बिना नंबर प्लेट वाहन चलाने से बचें। यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि यह अभियान केवल चालान करने के उद्देश्य से नहीं, बल्कि सड़क सुरक्षा और कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए चलाया जा रहा है। उन्होंने नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने तथा अपने वाहन के सभी दस्तावेज और नंबर प्लेट नियमानुसार रखने की अपील की। जिला पुलिस ने स्पष्ट किया कि विशेष अभियान के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही या नियमों के उल्लंघन को गंभीरता से लिया जाएगा और दोषी वाहन चालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि दिनांक 13 सितम्बर से 15 सितम्बर 26 तक तीन दिनों में जिला पुलिस की विभिन्न टीमों ने बिना नंबर प्लेट व बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के 369 वाहनों के चालान किये। इस दौरान 281 वाहनों को इम्पाउंड किया गया। प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस की अलग-अलग टीमों ने तीन दिनों में कुल 910 चालान किए गए।

लक्ष्य जनहित सोसायटी ने दिव्यांग राकेश देवी को भेंट की ट्राई साइकिल

मानव सेवा ही सच्ची सेवा : दिनेश बक्शी

करनाल, 16 सितंबर (सोनी दुआ) : लक्ष्य जनहित सोसायटी ओर से गांव सिद्धपुर निवासी राकेश देवी को ट्राई साइकिल भेंट कर उन्हें सहयोग प्रदान किया गया। बीमारी के कारण राकेश देवी के दोनों पैर कट चुके हैं, जिसके चलते उन्हें रोजमर्रा के कार्यों के लिए आवागमन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। इस अवसर पर निशांत शानू ने लक्ष्य जनहित सोसायटी के कार्यों की प्रशंसा की ओर कहा कि में पहले भी कह चुका हू कि समाज ऐसी संस्थाओं से प्रेरणा ले ओर सहयोग करे लक्ष्य जनहित सोसायटी को दिया एक एक पैसा

सेवा में लगेगा ये मेरी गारंटी है। लक्ष्य जनहित सोसायटी के फाउंडर दिनेश बक्शी ने कहा इससे पहले लक्ष्य जनहित सोसायटी द्वारा दिव्यांगों को हाथ रिक्शा लोगो दान से दी जा चुकी है इस हाथ रिक्शा में चावल व्यापारी संदीप गर्ग जी का सहयोग रहा। लक्ष्य जनहित सोसायटी की इस पहल का उद्देश्य राकेश देवी को आवागमन में सुविधा उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें अधिक आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करना है। ट्राई साइकिल मिलने के बाद अब वह अपने परिवार से जुड़े कई जरूरी कार्य स्वयं करने में सक्षम हो सकेंगी। इस अवसर पर भाजपा नेता निशांत शानू, प्रसिद्ध समाजसेवी दिनेश बक्शी, हितेश गुप्ता और सचिन सहित अन्य लोग मौजूद रहे। उपस्थित लोगों ने लक्ष्य चैरिटेबल ब्लड सेंटर की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए किए जाने वाले ऐसे प्रयास मानवता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करते हैं। लक्ष्य चैरिटेबल ब्लड सेंटर द्वारा रक्तदान शिविरों के आयोजन के साथ-साथ समय-समय पर विभिन्न सामाजिक एवं सेवा गतिविधियों में भी भागीदारी की जाती है। संस्था की ओर से जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए आगे भी सामाजिक कार्य जारी रखने की बात कही गई।

राजकीय बहुतकनीकी संस्थान में विधिक एवं पर्यावरण जागरूकता शिविर आयोजित

सोनीपत, 16 सितंबर (ब्यूरो) : राजकीय बहुतकनीकी संस्थान, में जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण एवं हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में विद्यार्थियों के लिए विधिक एवं पर्यावरण जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, कानूनी अधिकारों एवं समाज के विभिन्न वर्गों के लिए उपलब्ध विधिक सेवाओं के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम के दौरान अधिवक्ता अनिल कुमार तथा हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों को विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी प्रदान की। विद्यार्थियों को विश्व ओजोन दिवस के संदर्भ में ओजोन परत के महत्व, उसके संरक्षण तथा पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने में प्रत्येक नागरिक की भूमिका के बारे में जागरूक किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ उत्पीड़न की रोकथाम, प्रतिषेध एवं निवारण अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी दी गई। वक्ताओं ने सुरक्षित एवं सम्मानजनक कार्यस्थल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को कानून के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम में नालसा 2025 के अंतर्गत नशे के दुष्प्रभावों,

नशे से बचाव तथा नशामुक्त समाज के निर्माण में युवाओं की भूमिका के बारे में जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। वक्ताओं ने बताया कि पात्र व्यक्तियों को कानूनी मामलों में निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध करवाई जाती है। इस अवसर पर नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 की जानकारी भी साझा की गई।

अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने का किया आह्वान

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने तथा आवश्यकता पड़ने पर उपलब्ध विधिक सेवाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि कानून की जानकारी नागरिकों को अपने अधिकारों की रक्षा करने के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारियों को बेहतर ढंग से निभाने में भी सक्षम बनाती है। अधिवक्ताओं ने कहा कि अन्य किसी भी प्रकार की कानूनी सहायता के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से संपर्क करें।

अचार बनाने का हुनर सीख 80 ग्रामीण महिलाएं बनेंगी आत्मनिर्भर

नरवाना, 16 सितंबर (नरेन्द्र कुमार) : पंजाब नैशनल बैंक किसान प्रशिक्षण केंद्र, नरवाना के गांव सच्चा खेड़ा की ओर से गांव सातरौड़ कलां में आयोजित तीन दिवसीय अचार बनाने एवं उसके संरक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ। प्रशिक्षण में गांव की करीब 80 महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अचार निर्माण और उसके संरक्षण की आधुनिक एवं व्यावहारिक तकनीकें सीखीं। समापन समारोह में मुख्य अतिथि मुख्य अग्रणी जिला प्रबंधक, हांसी राजेश जिंदल ने प्रशिक्षणार्थी महिलाओं को प्रमाण-पत्र वितरित किए। उन्होंने महिलाओं को बधाई देते हुए कहा कि प्रशिक्षण के दौरान सीखे गए हुनर को स्वरोजगार का माध्यम बनाकर महिलाएं अपनी आमदनी

बढ़ाने के साथ आत्मनिर्भर बन सकती हैं। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को विभिन्न प्रकार के अचार तैयार करने, कच्चे माल का चयन, स्वच्छता एवं गुणवत्ता का ध्यान रखने, मसालों का सही अनुपात, अचार को लंबे समय तक सुरक्षित रखने, आकर्षक पैकिंग तथा बाजार में बिक्री की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में महिलाओं को विशेष रूप से व्यावहारिक तरीके से अचार तैयार करना सिखाया गया।केंद्र निदेशक हितेश कालरा ने बताया कि किसान प्रशिक्षण केंद्र की ओर से ग्रामीण महिलाओं को लगातार विभिन्न स्वरोजगारपरक प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं ताकि वे अपने हुनर को रोजगार में बदलकर आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से सीखी गई तकनीकों का अधिक से अधिक उपयोग करने का आह्वान किया।कार्यक्रम के अंत में सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

महिलाओं ने प्रशिक्षण को उपयोगी बताते हुए खुशी एवं संतोष व्यक्त किया और कहा कि उन्हें अचार निर्माण एवं संरक्षण की ऐसी व्यावहारिक जानकारी मिली है, जिसका उपयोग वे भविष्य में स्वरोजगार शुरू करने के लिए कर सकती हैं।

जनता की समस्याओं का समाधान सर्वोच्च प्राथमिकता : रेणु बाला गुप्ता

करनाल, 16 सितंबर (संदीप रोहिला) : महापौर रेणु बाला गुप्ता ने बुधवार को नगर निगम स्थित अपने कार्यालय में नागरिकों से सीधा संवाद कर उनकी विभिन्न समस्याओं और सुझावों को ध्यानपूर्वक सुना। इस दौरान नागरिकों ने सड़क, सफाई, जल निकासी, स्ट्रीट लाइट तथा अन्य नागरिक सुविधाओं से संबंधित समस्याएं महापौर के समक्ष रखीं। महापौर ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कई समस्याओं का मौके पर ही समाधान करवाया, जबकि अन्य मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। महापौर

रेणु बाला गुप्ता ने कहा कि जनसेवा का वास्तविक अर्थ जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को समझना और उनके समाधान को सुनिश्चित करना है। नगर निगम का प्रयास है कि करनाल के प्रत्येक नागरिक को बेहतर और सुगम नागरिक सुविधाएं उपलब्ध हों। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि नागरिकों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर लेते हुए निर्धारित समय में उनका समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शहर की स्वच्छता और सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के साथ-साथ सड़कों, जल निकासी, स्ट्रीट लाइट और अन्य मूलभूत नागरिक सुविधाओं को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। नागरिकों से प्राप्त सुझावों को भी शहर की व्यवस्थाओं में सुधार के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। महापौर ने कहा कि करनाल के विकास की यात्रा में जनता की सहभागिता और उनके सुझाव सबसे बड़ी ताकत हैं। नागरिकों की उचित समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने नागरिकों से भी शहर को स्वच्छ, सुंदर और सुव्यवस्थित बनाए रखने में नगर निगम का सहयोग करने की अपील की। उन्होंने नागरिकों से संवाद में कहा कि आपकी समस्या का समाधान नगर निगम प्रशासन की जिम्मेदारी है और आपका विश्वास ही वास्तविक शक्ति है। आइए, जनभागीदारी के साथ मिलकर स्वच्छ, सुंदर, सुव्यवस्थित और विकसित करनाल के निर्माण को और गति दें।

विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग क्विज-2027 को लेकर जिला सलाहकार समिति की बैठक आयोजित

यमुनानगर, 16 सितंबर (दिनेश कुमार) : विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग क्विज-2027 में जिले के अधिक से अधिक युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने तथा निर्धारित लक्ष्य को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के उद्देश्य से जिला सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय में अतिरिक्त उपायुक्त नवीन आहूजा की अध्यक्षता में किया गया। बैठक का आयोजन मेरा युवा भारत, यमुनानगर द्वारा किया गया, जिसमें जिला सलाहकार समिति के सभी सम्मानित सदस्यों एवं विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों ने भाग लिया।

बैठक के दौरान विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग क्विज-2027 की वर्तमान प्रगति की समीक्षा की गई तथा जिले के लिए निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु विभिन्न विभागों को विभागवार लक्ष्य आवंटित किए गए। अतिरिक्त उपायुक्त नवीन आहूजा ने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए अधिक से अधिक पात्र युवाओं को इस क्विज में शामिल करवाने के निर्देश दिए। बैठक में क्विज के व्यापक प्रचार-प्रसार, विद्यालयों, महाविद्यालयों, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों, पॉलिटेक्निक संस्थानों तथा अन्य ज्ञान संस्थानों में युवाओं तक पहुंच बनाने पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही, संबंधित विभागों द्वारा अपने-अपने स्तर पर जागरूकता गतिविधियां संचालित करने, संस्थानों के साथ समन्वय स्थापित करने तथा युवाओं को माई भारत पोर्टल के माध्यम से क्विज में भाग लेने के लिए प्रेरित करने संबंधी कार्ययोजना पर विचार-विमर्श किया गया। अतिरिक्त उपायुक्त ने बताया कि विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग

क्विज युवाओं को विकसित भारत के निर्माण से जुड़े विभिन्न विषयों के बारे में जानकारी प्राप्त करने तथा राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है। बैठक में विभागों को आवंटित लक्ष्यों की नियमित निगरानी एवं प्रगति की समीक्षा करने पर भी जोर दिया गया, ताकि निर्धारित समयावधि में जिले के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। अतिरिक्त उपायुक्त नवीन आहूजा द्वारा विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग क्विज-2027 के प्रचार-प्रसार हेतु तैयार किए गए पोस्टर का विमोचन भी किया गया। पोस्टर विमोचन के दौरान विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष एवं जिला सलाहकार समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

अधिकारियों ने युवाओं तक क्विज की जानकारी व्यापक स्तर पर पहुंचाने तथा सोशल मीडिया, शैक्षणिक संस्थानों और विभागीय माध्यमों के जरिए इसका प्रचार-प्रसार करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी संबंधित विभाग अपने अधीन आने वाले विद्यालयों, महाविद्यालयों, आईटीआई, पॉलिटेक्निक एवं अन्य संस्थानों के साथ समन्वय कर अधिकतम युवा सहभागिता सुनिश्चित करेंगे। माई भारत यमुनानगर द्वारा विभागों के साथ निरंतर समन्वय करते हुए क्विज की प्रगति की निगरानी की जाएगी तथा आवश्यक तकनीकी एवं प्रचार-प्रसार संबंधी सहयोग उपलब्ध करवाया जाएगा। अतिरिक्त उपायुक्त नवीन आहूजा ने सभी विभागों से आह्वान किया कि वे विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग क्विज-2027 को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं तथा जिले के अधिक से अधिक पात्र युवाओं को इस अभियान से जोड़ें।

बैठक में उपस्थित सभी विभागाध्यक्षों ने निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए पूर्ण सहयोग एवं समन्वित प्रयास करने का आश्वासन दिया। माई भारत यमुनानगर द्वारा युवाओं से अपील की गई कि वे अधिक से अधिक संख्या में विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग क्विज-2027 में भाग लें और विकसित भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। इस अवसर पर एसोसिएट एनसीसी अधिकारी कैप्टन निर्मल कुमार, जिला रोजगार अधिकारी डॉ. अरूण कुमार, जिला राजकीय कॉलेज प्रतापनगर के प्रधानाचार्य डॉ. संजीव कुमार, जिला संगठन आयुक्त स्काउट संदीप गुप्ता, सेठ जय प्रकाश पोलटैक्निक के प्रधानाचार्य संजीव सहगल, रेडक्रॉस समिति के कार्यवाहक सचिव संजीव धीमान, एनएसएस जिला कार्यक्रम समन्वयक योगेश कुमार, डी आई पी आर ओ डॉ. मनोज कुमार, जिला खेल अधिकारी शिल्पा गुप्ता, वाईस प्रिंसिपल राजकीय आईटीआई यमुनानगर दीपेश कुमार सहित अन्य विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

उच्च न्यायालय चंडीगढ़ के आदेशों की अनुपाला में जिला में पेड़ काटने पर रहेगा प्रतिबंध

कुरुक्षेत्र, 16 सितंबर (सुदेश कुमार) : उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि उच्च न्यायालय चंडीगढ़ द्वारा सुनील कुमार शर्मा व अन्य बनाम यूनियन ऑफ इंडिया केस के अंतर्गत आदेश पारित किए गए है। उच्च न्यायालय चंडीगढ़ द्वारा जारी आदेश हरियाणाा राज्य में किसी भी उम्र/प्रजाति के किसी भी पेड़ को काटने पर रोक लगाता है, जिसमें जीरकपुर-पंचकूला बाईपास के निर्माण के लिए काटे जाने वाले लगभग 5 हजार पेड़ों को काटना भी शामिल है। इन आदेशों में उच्च न्यायालय चंडीगढ़ की अनुमति के बिना सुनवाई की आगामी तारीख हरियाणाा राज्य में किसी भी उम्र/प्रजाति के किसी भी पेड़ को काटने पर रोक लगा दी गई है। इसलिए आमजन से अपील की जाति है कि इन उच्च न्यायालय के आदेशों की अनुपालना में जिला का कोई भी नागरिक किसी भी उम्र/प्रजाति के पेड़ का ना काटे।

जिला रोजगार विभाग द्वारा आज किया जाएगा जॉब फेयर का आयोजन

कुरुक्षेत्र, 16 सितंबर (सुदेश कुमार) : जिला रोजगार अधिकारी सीमा सैनी ने कहा कि जिला रोजगार कार्यालय कुरुक्षेत्र व विश्वविद्यालय रोजगार सूचना एवं मार्गदर्शन ब्यूरो कुरुक्षेत्र द्वारा युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर दिलवाने के लिए 18 सितंबर को प्रात: 10 बजे से विश्वविद्यालय रोजगार सूचना एवं मार्गदर्शन ब्यूरो कुरुक्षेत्र के प्रांगण में जॉब फेयर का आयोजन करवाया जा रहा है। इस जॉब फेयर में 10वीं, 12वीं, ग्रेजुएट, आईटीआई और अन्य डिप्लोमा धारक भाग ले सकते है। इस जॉब फेयर में आईसीआईसीआई बैंक, रमाया हेल्थ केयर लिमिटेड, एसबीआई लाइफ बीमा, एनएसटीयू इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, एचसीएल टेक आईटी मुख्य कंपनियां योग्य प्रार्थियों का चयन करेंगी। इस जॉब फेयर में भाग लेने के लिए प्रार्थी का विभाग के पोर्टल एचआरईएक्स.जीओवी.इन पर पंजीकरण करना अनिवार्य है। सभी प्रार्थी अपनी योग्यता के सभी मूल प्रमाण पत्र साथ लेकर ही इस जॉब फेयर में भाग लेंगे।

ओजोन परत की सुरक्षा ही सुरक्षित भविष्य की आधारशिला : डॉ. ऋषि पाल

महाविद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम, स्वयंसेवकों ने घर-घर पहुंचाया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

निसिंग, 16 सितंबर (जोगिंद्र सिंह) : विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर बाबू अनन्त राम जनता महाविद्यालय, कौल में रसायन विज्ञान विभाग, युवा रेड क्रॉस एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में ओजोन परत के महत्व और उसके संरक्षण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. ऋषि पाल ने की। प्राचार्य डॉ. ऋषि पाल ने कहा कि ओजोन परत पृथ्वी के जीवन का सुरक्षा-कवच है। इसका संरक्षण केवल वैज्ञानिक आवश्यकता नहीं,

बल्कि वर्तमान और भावी पीढ़ियों के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने विद्यार्थियों से पर्यावरण संरक्षण को केवल कार्यक्रमों तक सीमित न रखकर अपनी दिनचर्या और जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। रसायन विज्ञान विभाग एवं युवा रेड क्रॉस की परामर्शदाता डॉ. राधिका खन्ना ने विद्यार्थियों को ओजोन परत के निर्माण, महत्व, क्षरण के कारणों तथा मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभावों की वैज्ञानिक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जागरूकता से ही जिम्मेदारी की भावना पैदा होती है और युवा इस संदेश को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नैन्सी गुलाटी ने स्वयंसेवकों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति सजग रहने तथा समाज में सकारात्मक पर्यावरणीय चेतना विकसित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को ओजोन परत एवं उसके संरक्षण पर आधारित ज्ञानवर्धक वृत्तचित्र भी दिखाया गया। इसके माध्यम से ओजोन क्षरण की वैज्ञानिक प्रक्रिया, उसके दुष्प्रभावों और संरक्षण के उपायों को सरल तरीके से समझाया गया। इसके बाद युवा रेड क्रॉस और राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने घर-घर जाकर लोगों को ओजोन परत के महत्व, उसके संरक्षण तथा पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली के प्रति जागरूक किया। स्वयंसेवकों ने लोगों से ओजोन संरक्षण का संदेश अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों एवं स्वयंसेवकों ने ओजोन परत की रक्षा, पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ भविष्य के निर्माण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया। महाविद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष चौ. तेजवीर सिंह एवं समस्त प्रबंध समिति ने कार्यक्रम के सफल आयोजन पर रसायन विज्ञान विभाग, युवा रेडक्रॉस, राष्ट्रीय सेवा योजना तथा स्वयंसेवकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को शैक्षणिक ज्ञान के साथ सामाजिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारियों के प्रति संवेदनशील बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

डीएलएसए ने पॉक्सो अधिनियम व नालसा योजनाओं के बारे किया जागरूक

कुरुक्षेत्र, 16 सितंबर (सुदेश कुमार) : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार मित्तल के मार्गदर्शन में डीएलएसए द्वारा उपमंडलीय विधिक सेवा समिति पिहोवा के सहयोग से राजकीय माध्यमिक विद्यालय गौ चरांद पिहोवा में बच्चों एवं दिव्यांगजनों के लिए पॉक्सो अधिनियम तथा नालसा योजनाओं के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अधिवक्ता चरनजीत शर्मा ने स्रोत व्यक्ति के रूप में उपस्थित होकर प्रतिभागियों को जानकारी प्रदान की। उन्होंने बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण अधिनियम, 2012 (पॉक्सो अधिनियम), बच्चों के अधिकारों, यौन अपराधों से सुरक्षा तथा बाल पीड़ितों को उपलब्ध कानूनी उपचारों के बारे में विस्तार से बताया। सीजेएम नीतिका भारद्वाज ने कहा कि इस अवसर पर प्रतिभागियों को नालसा की बच्चों के लिए बाल-मित्र विधिक सेवाएं योजना 2024 तथा दिव्यांगजनों को विधिक सेवाएं योजना 2024 के संबंध में भी जागरूक किया गया। बच्चों एवं दिव्यांगजनों के अधिकारों, नि:शुल्क कानूनी सहायता की उपलब्धता तथा विधिक सेवा प्राधिकरणों द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न कानूनी सेवाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में कुल 60 लाभार्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों में पॉक्सो अधिनियम, बच्चों एवं दिव्यांगजनों के लिए नालसा योजनाओं तथा नि:शुल्क कानूनी सेवाओं के संबंध में जागरूकता बढ़ी और न्याय तक पहुंच को प्रोत्साहन मिला।

सेवा संकल्प अभियान के तहत जनभागीदारी से होंगे जनसेवा के कार्यक्रम

करनाल, 16 सितंबर (परमजीत कौर) : डीसी डॉ आनंद कुमार शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन तथा जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्तूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जाएगा। अभियान के तहत 17 सितंबर को सायं 6 बजे कर्णताल से आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके साथ ही जिला की सभी गौशालाओं में गांव में सुबह हवन यज्ञ तथा शाम को 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। गौशालाओं में पशु स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएंगे, जिनमें गोवंश के स्वास्थ्य जांच की जाएगी। इसके अलावा जिला में 12 वर्ष के कार्यकाल में हुए विकास कार्यों पर दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। डीसी डॉ. आनंद कुमार शर्मा बुधवार को लघु सचिवालय के सभागार में सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों को लेकर अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने चंडीगढ़ से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अभियान के तहत प्रस्तावित विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सेवा संकल्प अभियान के तहत ब्लॉक स्तर के साथ-साथ नगर निगम, नगर परिषद, नगर पालिका तथा महाग्रामों में भी सेवा शिविर आयोजित किए जाएं। इन शिविरों में विभिन्न विभागों की योजनाओं के लाभार्थियों से संबंधित समस्याओं का समाधान, लंबित मामलों का निपटान तथा पात्र नए लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया मौके पर ही पूरी की जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि पात्र लोगों को सेवाओं और योजनाओं का लाभ यथासंभव मौके पर ही उपलब्ध करवाया जाए।

बैठक में एडीसी डॉ राहुल रईया, करनाल के एसडीएम देवेंद्र शर्मा, घरौंडा के एसडीएम अनुभव मेहता, इन्द्री एसडीएम डॉ रमन गुप्ता, नीलोखेड़ी के एसडीएम अशोक कुमार,असंध एसडीएम सुमित सिहाग,सीईओ जिला परिषद अमित कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

स्कूल-कॉलेजों में होंगी रचनात्मक गतिविधियां : डीसी ने कहा कि शिक्षा विभाग द्वारा स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में सेवा, राष्ट्र निर्माण और रचनात्मकता से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जाएं। विद्यार्थियों के लिए चित्रकला, रंगोली तथा अन्य रचनात्मक प्रतियोगिताएं आयोजित

की जाएं। जिला एवं स्कूल स्तर पर बेहतर गतिविधियों और नवाचारों की पहचान कर उन्हें व्यापक स्तर पर प्रदर्शित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान में विद्यार्थियों और युवाओं की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

प्रत्येक कार्यक्रम की हो नियमित निगरानी : डीसी ने कहा कि सभी संबंधित विभाग अभियान के तहत अपनी कार्ययोजना को समय रहते अंतिम रूप दें और सभी तैयारियां निर्धारित समय पर पूरी करना सुनिश्चित करें। प्रत्येक कार्यक्रम की नियमित निगरानी की जाए।

जिला में आयोजित कार्यक्रमों की प्रगति रिपोर्ट उपायुक्त कार्यालय को उपलब्ध करवाने के साथ-साथ सभी कार्यक्रमों की हाई डेफिनेशन फोटो एवं वीडियो तैयार करवाना सुनिश्चित किया जाए। अभियान के उपरांत जिला में आयोजित गतिविधियों एवं नवाचारों पर आधारित कॉफी टेबल बुक भी तैयार की जाएगी।

लाडो लक्ष्मी योजना के दूसरे चरण का होगा शुभारंभ : बैठक में डीसी ने बताया गया कि अभियान के दौरान दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के दूसरे चरण का शुभारंभ किया जाएगा, जिससे योजना का लाभ अधिक पात्र महिलाओं तक पहुंचाने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा। इसके साथ ही श्रमिकों के कल्याण के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं के तहत पात्र श्रमिकों को भी लाभ प्रदान किया जाएगा। डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ सुगमता, पारदर्शिता और समयबद्ध तरीके से पहुंचे।,

कार्यक्रमों के दौरान पात्र लोगों को योजनाओं से जोड़ने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित की जाएं।

234 दिव्यांग जनों को सेवा संकल्प अभियान पर कल बांटे जाएंगे सहायक उपकरण : रमेश चौधरी

कुरुक्षेत्र, 16 सितंबर (सुदेश कुमार) : सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितंबर को जिला रेडक्रॉस समिति की ओर से पंचायत भवन कुरुक्षेत्र में एक शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में 234 व्यक्तियों द्वारा उपकरण वितरित किए जाएंगे। जिला रेडक्रॉस समिति के सचिव रमेश चौधरी ने कहा कि भारतीय रेडक्रॉस समिति हरियाणा राज्य शाखा चंडीगढ़ के वाइस चेयरमैन अंकुश मिगलानी व महासचिव डॉ. सुनील कुमार के मार्गदर्शन तथा जिला रेडक्रॉस समिति के प्रधान एवं उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा के दिशा निर्देशन में कार्य कर रही जिला शाखा कुरुक्षेत्र द्वारा अलिम्को भारत सरकार उपक्रम के सहयोग से 22 जून से 26 जून 2026 तक नापतोल शिविरों का आयोजन जुलाई माह में किया गया था। इसमें 234 व्यक्तियों को आईडेंटिफाई किया गया। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर 2026 को 52 बैटरी से संचालित तिपहिया साइकिल और 20 ट्राई साइकिल, 180 कान की मशीन, 40 व्हील चेयर, 2 व्हील चेयर कमबोर्ड के साथ, 5 चेयर कमबोर्ड के साथ, 1 सुगम्य केन,1 विजिवल किट, 5 कॉलर, 3 स्पाइनल स्पोर्ट, 1 रोलेटर, 90 छड़ी, 20 वाकर, 170 निब्रेश, 87 एलएस बेल्ट, 19 कुशन, 5 टीएलम्म किट, 24 कृत्रिम अंग कैलीपर्स को पंचायत भवन, कुरुक्षेत्र के सभागार में प्रदान किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि जिन व्यक्तियों ने इन नापतोल शिविर में अपना पंजीकरण कराया था वह अपने साथ रजिस्ट्रेशन स्लिप लेकर प्रात: 9 बजे तक पंचायत भवन आकर अपना सहायक उपकरण प्राप्त कर सकते है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिक को सर्वांगीण विकास और सुलभ जीवन व्यापक उपलब्ध करने के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही है। इस शिविर के माध्यम से आम जनता तक इन सुविधाओं की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री के निर्णय से हिसार को मिली बड़ी सौगात, 300 बेड के नए सिविल अस्पताल का रास्ता हुआ साफ : डॉ. कमल गुप्ता

हिसार, 16 सितंबर (ब्यूरो) : पूर्व स्वास्थ्य एवं नागरिक उड्डयन मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने हिसार शहर को 300 बेड के आधुनिक सिविल अस्पताल की सौगात मिलने पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त करते हुए इसे शहर के स्वास्थ्य ढांचे को सशक्त बनाने की दिशा में ऐतिहासिक निर्णय बताया है।

डॉ. कमल गुप्ता ने कहा कि कुछ दिन पूर्व उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से भेंट कर हिसार के समग्र विकास से संबंधित 13 महत्वपूर्ण मांगें रखी थीं। मुख्यमंत्री ने सभी मांगों को गंभीरता से सुनते हुए उन पर सकारात्मक निर्णय लेने का आश्वासन दिया था। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि प्रदेश सरकार ने उन मांगों में से

एक महत्वपूर्ण मांग को स्वीकृति प्रदान करते हुए एयरपोर्ट चौक के निकट 21 एकड़ 3 कनाल 16 मरला भूमि स्वास्थ्य विभाग को हस्तांतरित कर दी है, जहां 300 बेड का अत्याधुनिक सिविल अस्पताल बनाया जाएगा। पूर्व मंत्री ने कहा कि यह परियोजना केवल हिसार शहर ही नहीं, बल्कि आदमपुर, बरवाला, हांसी, अग्रोहा तथा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लाखों लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। नए अस्पताल के बनने से आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार होगा और मरीजों को बेहतर उपचार के लिए अन्य शहरों की ओर नहीं जाना पड़ेगा। डॉ. कमल गुप्ता ने कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हिसार के विकास से जुड़ी शेष 12 मांगों पर भी शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेकर उन्हें धरातल पर उतारेंगे।

उन्होंने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर मुख्यमंत्री का पुन: आभार व्यक्त करते हुए हिसार की जनता को हार्दिक बधाई दी और कहा कि प्रदेश सरकार विकास के संकल्प को निरंतर गति दे रही है।

दिगंबर जैन मंदिर में दस दिन 24 घंटे के अखंड णमोकार मंत्र जाप की स्थापना

करनाल, 16 सितंबर (संदीप रोहिला) : श्री दिगंबर जैन मंदिर करनाल में दशलक्षण पर्व के शुभारंभ अवसर पर 10 दिनों तक लगातार 24 घंटे चलने वाले अखंड णमोकार मंत्र जाप की स्थापना की गई। दशलक्षण पर्व के प्रथम दिन मंदिर परिसर में धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन श्रद्धा एवं उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 6 बजे जिनेंद्र भगवान के अभिषेक एवं शांतिधारा

से हुई। इसके पश्चात सुबह 7 बजे अखंड णमोकार मंत्र जाप की विधिवत स्थापना की गई। इस अवसर पर मंगल कलश की स्थापना एवं दीप प्रज्वलन मंदिर समिति के अध्यक्ष वीरेश जैन द्वारा किया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव एवं हर्षोल्लास के साथ दशलक्षण विधान में भाग लिया। मंदिर परिसर में पूरे दिन धार्मिक वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं ने भगवान जिनेंद्र की आराधना करते हुए पर्व का शुभारंभ किया। संध्याकाल 7 बजे विद्वान ब्रह्मचारिणी अनीता दीदी जी, टीकमगढ़ द्वारा श्रद्धालुओं को दशलक्षण पर्व के प्रथम धर्म उत्तम क्षमा धर्म के बारे में विस्तार से बताया गया। उन्होंने क्षमा के महत्व को समझाते हुए कहा कि क्षमा मनुष्य के जीवन को सरल और शांत बनाती है तथा आपसी वैमनस्य को समाप्त करने का मार्ग दिखाती है। जैन धर्म में कहा गया है कि क्षमा वीरस्य भूषणम्, अर्थात क्षमा वीरों का आभूषण है। दशलक्षण पर्व के दौरान श्रद्धालु प्रतिदिन धर्म के विभिन्न स्वरूपों को समझते हुए आत्मशुद्धि एवं संयम की साधना करेंगे। श्री दिगंबर जैन मंदिर में स्थापित अखंड णमोकार मंत्र जाप आगामी 10 दिनों तक 24 घंटे निरंतर जारी रहेगा। जिसमें श्रद्धालु अपनी सुविधानुसार शामिल होकर णमोकार मंत्र का जाप करेंगे। इस दौरान अध्यक्ष वीरेश जैन, प्रो. एस सी जैन, मुनिश जैन, पवन जैन, प्रियांग सुंदरी जैन, सुषमा जैन, आयुषी जैन, रेखा जैन, सरिता जैन और अंजू जैन सहित सैकड़ों भक्त उपस्थित रहे।

एक्सपायर हुए महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट इस्तेमाल न करें

---शहनाज़ हुसैन

अगर आपका महंगा मेकअप प्रॉडक्ट एक्सपायर हो जाए तो उस पर खर्च किए पैसे जरूर खलते हैं।महंगे ब्यूटी प्रॉडक्ट्स जब एक्सपायर हो जाएँ तो टेंशन हो जाती है क्योंकि यह बेकार हो जाते हैं / लिपस्टिक से लेकर काजल, मस्कारा और आईशैडो जैसी सभी चीजों की एक्सपायरी डेट के बाद बाद उन्हें इस्तेमाल करने की सलाह बिल्कुल भी नहीं दी जाती क्योंकि यह आपके बालों , त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं जिससे उल्टा इलाज पर भारी भरकम खर्च करना पड़ सकता है / ज्यादातर महिलाएं दिल पर पत्थर रख कर इन उत्पादों को सीधे डस्टबिन में फेंक देना ही बेहतर समझती हैं लेकिन उनका दोबारा इस्तेमाल भी किया जा सकता है जिससे थोड़ा पैसा भी बसूल हो जाता है /

1 --- मस्कारा -----

आमतौर पर मस्कारा 6 महीने के अंदर इस्तेमाल कर लेना चाहिए / लेकिन अगर मस्कारा एक्सपायर हो जाए तो आइब्रो को कलर करने के लिए उपयोग में लाया जा सकता / इसकी स्पूली को आप अपनी बोहों को या फिर अपनी हेयरलाइन के छोटे बालों को कंघी करने के लिए इस्तेमाल कर सकती हैं। इसे साफ़ करके लिप स्क्रबिंग के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है/ इसके लिए पहले मस्कारे में एक बूंद नैचुरल ऑयल मिक्स कर लें और फिर स्क्रब करें। इससे स्किन स्मूद रहेगी/ अगर आपको अपने बालों के बीच छोटा सा सफेद बाल दिखाई देता है, तो क्रिक फिक्स के लिए उस पर मस्कारा लगाया जा सकता है/

2 ----आई शैडो -----

आंख का मामला होने के कारण आई शैडो को एक साल में बदल लेना चाहिए / अगर आपका आई शैडो पुराना हो जाए तो इसे नेलपॉलिश में डालकर नया शेड बना सकती हैं/ इसके फिर से उपयोग में लाने से पहले इन्हें क्रश कर पाउडर बना लें और फिर इसके पिगमेंट्स को क्लियर नेल पॉलिश में मिक्स कर लें। लीजिए आपका कस्टमाइज्ड नेल पेंट तैयार है/ आई शैडो को एक साल में बदल लेने की सलाह देते हैं। आंख का मामला होने के कारण वे इस प्रॉडक्ट को लेकर ज्यादा सावधानी बरतने की सलाह देते हैं। ऐसे में क्या किया जाए अगर आपका आईशैडो पुराना हो जाए? इसे फिर से यूज करने के लिए सबसे पहले तो इन्हें क्रश कर पाउडर का फॉर्म दें और फिर इसके पिगमेंट्स को क्लियर नेल पॉलिश में डालकर अच?छी तरह से मिला लें। लीजिए, आपका कस्टमाइज्ड नेल पेंट तैयार है। आप इसका इस्तेमाल कभी भी करें./3 ---स्किन टोनर---स्किन टोनर का इस्तेमाल त्वचा के पी एच स्तर को संतुलित करने के लिए उपयोग में लाया जाता है / ज्यादातर स्किन टोनर अल्कोहल / केमिकल आधारित होते हैं इसलिए एक्सपायर होने के बाद इसका इस्तेमाल कतई नहीं करना चाहिए / लेकिन एक्सपायर होने के बाद इसे आप बाथरूम या ड्रेसिंग टेबल के शीशे, गिलास ,मोबाइल स्क्रीन , लैप टॉप स्क्रीन को साफ़ करने के काम में उपयोग कर सकते हैं / आप एक्सपायर टोनर का इस्तेमाल सफाई एजेंट की तरह कर सकती हैं।

4 ---लिपस्टिक

एक्सपायर हो चुकी लिपस्टिक का चेहरे या होंठों पर सीधे तौर पर उपयोग करने से त्वचा में एलर्जी, रैशेज या इंफेक्शन हो सकता है। जबकि , इसे नॉन-मेकअप या क्राफ्ट के कामों में आसानी से दुबारा उपयोग में लाया जा सकता है /इसे फिर से इस्तेमाल करने के लिए आप इसका प्यारा सा टिंटेड लिप बाम बना सकती हैं।

इसके लिए आप अपनी एक्सपायर हो चुकी लिपस्टिक को कांच की छोटी कटोरी में निकालें / इस कटोरी को कुछ देर तक गर्म पानी में रखें ताकि लिपस्टिक पिघल जाये / इसके पिघलने से इसके सारे बैक्टीरिया खत्म हो जायेंगे /अब इसे अपनी वैसलीन या पेट्रोलियम जेली के साथ मिला लें और इस मिश्रण को ठण्डा होने के बाद एक छोटी सी डिबिया में डालकर फ्रिज में रखें. आपके फेवरेट कलर का लिप बाम तैयार है/ आप इसका पैच टेस्ट जरूर करें ताकि ये सुनिश्चित हो सके कि ये आपको सूट भी कर रहा है या नहीं/

यदि लिपस्टिक का रंग ऑरेंज या लाल है, तो आप इसे चेहरे के काले घेरे / डार्क सर्कल छुपाने के लिए कलर करेक्टर की तरह इस्तेमाल कर सकती हैं। इसे गालों पर क्रीम ब्लश या आंखों पर आईशैडो बेस के रूप में लगाया जा सकता है, लेकिन यह ध्यान दें की यह सीधे संवेदनशील त्वचा या आंख के अंदर न जाए। पुरानी और खराब हो चुकी लिपस्टिक को पिघलाकर नए तरीके के आर्ट या क्राफ्ट आइटम्स बनाने में काम में लिया जा सकता है **।लेखिका अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सौन्दर्य विशेष्ज्ञ है और हर्बल क्वीन के रूप में लोक प्रिय है**

घरेलू उपायों से पुराने लोहे की अल्मारियों को ऐसे चमकाएं

अगर आप भी अपनी पुरानी अलमारियों को फिर से पहले की तरफ चमकाना चाहती हैं तो इसके लिए आपको महंगे पेंट और क्लीनिंग प्रोडक्ट्स की जरुरत नहीं है। आप कुछ घरेलू उपायों से ही इन्हें नये जैसा बना सकती है। इसके लिए जरुरी सामान भी रसोई में ही उपलब्ध रहता है।

आज भी कई घरों में लोहे की पुरानी अलमारियां देखने को मिलती हैं। भले ही ये अलमारियां अपनी मजबूती के लिए जानी जाती हैं, लेकिन समय के साथ इन पर जंग, धूल और जिद्दी दाग लगाना आम समस्या है। अक्सर इनकी चमक खो जाती है, जिससे ये पुरानी और बेजान दिखने लगती हैं। लेकिन आपको अपनी पुरानी अलमारी को बदलने या महंगे पेंट और क्लीनिंग प्रोडक्ट्स पर पैसे खर्च करने की जरूरत नहीं है। कुछ आसान घरेलू उपायों की मदद से आप बिना ज्यादा मेहनत और खर्च के अपनी लोहे की अलमारी को फिर से नई जैसी चमकदार बना सकती हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि नमी की वजह से लोहे पर जंग और दाग लग जाते हैं, लेकिन रसोई में मौजूद कुछ चीजें ही इसका बेहतरीन समाधान हैं। अगर आपकी अलमारी पर पुराने और गहरे दाग जम गए हैं, तब बेकिंग सोडा एक प्रभावी विकल्प है। दो-तीन चम्मच बेकिंग सोडा में थोड़ा पानी मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बनाएं और दाग वाली जगह पर लगाएं। 15-20 मिनट बाद हल्के हाथों से मुलायम स्पंज या कपड़े से रगड़ें, फिर साफ गीले कपड़े से पोंछकर सुखा लें। जिद्दी निशानों और हल्की जंग के लिए सफेद सिरका किसी जादू से कम नहीं है। एक साफ कपड़े को सिरके में भिगोकर दाग पर अच्छी तरह रगड़ें। जरूरत हो तो कुछ देर लगे रहने दें और फिर सूखे कपड़े से साफ करें। ध्यान रखें कि अलमारी को पूरी तरह सुखाना बेहद ज़रूरी है। यदि दाग के साथ हल्का जंग भी दिखाई दे, तो नींबू और नमक का मिश्रण कमाल का साबित हो सकता है। दाग वाले हिस्से पर पहले थोड़ा नमक छिड़कें, फिर ऊपर से नींबू का रस डालें। इस 20-30 मिनट तक छोड़ दें और फिर मुलायम ब्रश या स्पंज से धीरे-धीरे साफ करें। आखिर में, अलमारी को साफ कपड़े से पोंछकर अच्छी तरह सुखा लें।

इन उपायों को अपनाते समय कुछ बातों का ध्यान रखना ज़रूरी है। अलमारी साफ करते वक्त किसी भी खुरदरे स्क्रबर का इस्तेमाल न करें, क्योंकि इससे पेंट खराब हो सकता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हर बार सफाई के बाद अलमारी को अच्छी तरह से सुखाया जाए ताकि नमी के कारण दोबारा जंग न लगे। नियमित रूप से सूखे कपड़े से धूल साफ करते रहने से भी दाग और जंग लगने की संभावना कम हो जाती है। इन आसान और किफायती तरीकों को अपनाकर आप अपनी पुरानी लोहे की अलमारियों को फिर से नया जीवन दे सकती हैं और उनकी चमक बरकरार रख सकती हैं।

चुप्पी भरी नाराजगी खतरनाक जो कहना है खुल कर कहें, रिश्ते बेहतर होंगे

रिश्तों में नाराजगी होना सामान्य है। नाराज होकर चुप हो जाना, कई बार रिश्ते के लिए ज्यादा नुकसानदायक साबित होता है। मन में बात दबाकर रखने से समस्या खत्म नहीं होती,गलत फहमियां धीरे-धीरे बढ़ती जाती हैं। सामने वाला व्यक्ति यह समझ ही नहीं पाता,आखिर गलती कहां हुई। नाराज व्यक्ति के मन में क्या चल रहा है।मनोवैज्ञानिक विशेषज्ञ रेचल नीडल के अनुसार स्वस्थ रिश्ते की सबसे मजबूत नींव संवाद है। पति-पत्नी, माता-पिता और बच्चों, दोस्तों या सहकर्मियों के बीच असहमति हो, उसे सम्मानपूर्वक व्यक्त करना बेहतर है। अपनी बात रखते समय आरोप लगाने के बजाय अपनी भावनाओं को स्पष्ट करना चाहिए। मसलन, तुम हमेशा ऐसा करते हो कहने के बजाय आपकी इस बात से मुझे दुख हुआ कहना बातचीत को टकराव के बजाय समाधान की ओर ले जाता है।चुप्पी कई बार सामने वाले को सजा देने का माध्यम बन जाती है। लगातार बातचीत बंद रखना भावनात्मक दूरी बढ़ाता है। सोशल मीडिया और मोबाइल के दौर में यह स्थिति और गंभीर हो गई है। लोग आमने-सामने बात करने के बजाय संदेशों, स्टेटस और संकेतों के जरिए नाराजगी जताने लगे हैं।रिश्ते तभी मजबूत होते हैं, जब दोनों पक्ष अपनी बात खुलकर कहने और दूसरे की बात सुनने के लिए तैयार हों। हर बात पर सहमत होना जरूरी नहीं है। असहमति को सम्मान के साथ व्यक्त करना जरूरी है। मन की गांठ समय रहते खोल देना अक्सर रिश्ते को टूटने से बचा लेता है। रिश्ते जन्म और भाग्य से मिलते हैं। इन रिश्तों को आसानी से तोड़ा नहीं जा सकता है। इसलिए नाराजगी को चुप्पी न बनाएं, जो कहना है, खुलकर कहें। रिश्तो के कारण बड़ी से बड़ी समस्या का हाल आसानी से निकल जाता है।

ज्यादा देर बालों को बांधना नुकसानदेह हो सकता है

आजकल अधिकतर महिलाएं है काम में आसानी के लिए अपने बालों का जूड़ा बना लेती हैं। इसके साथ ही आजकल हेयर बन बनाना काफी प्रचलन में है। कुछ महिलाएं तो फैशन के तौर पर कभी-कभी जूड़ा बनाती है लेकिन कई महिलाएं हमेशा बालों को बांध कर रखती हैं। इस हेयर स्टाइल से चेहरे को तो बढ़िया लुक मिलती है लेकिन इससे बालों को नुकसान पहुंचता है।

हमेशा बालों को बांध कर रखने से वे ऑयली हो जाते हैं जिस वजह से बालों में डैंड्रफ की समस्या हो जाती है। इसके अलावा ऑयली बालों की वजह से बालों में खुजली और जूओं पड़ जाती हैं। बालों का जूड़ा बनाने की वजह से वे पीछे की तरफ खिंच जाते हैं और बालों की जड़ें कमजोर हो जाती हैं। ऐसे में बाल टूटने लगते हैं। वहीं कुछ महिलाएं बालों को धोने के बाद उन्हें ठीक से सूखने भी नहीं देती और उन्हें बांध लेती है। इससे बालों को हवा नहीं लगती जिससे उनमें से बदबू आने लगती

मोटापे के कारण महिलाओं के प्रजनन स्तर पर भी पड़ता है विपरीत प्रभाव

मां बनना हर महिला का सपना होता है पर गर्भधारण करने से पहले अगर कुछ सावधानी रखें तो मां और बच्चा दोनो ही स्वस्थ रहते हैं। इसलिए गर्भधारण करने से पूर्व पूरी तरह से स्वस्थ रहना बहुत जरूरी होता है। इस दौरान आपको अपने वजन का भी खास ध्यान रखना पड़ता है। अगर आप गर्भधारण करने के बारे में सोच रहीं हैं तो आपको सबसे पहले अपने बढ़ते वजन को नियंत्रित करना चाहिए। अगर आप गर्भावस्था से पहले मोटी हैं तो इसके कारण आपको गर्भावस्था के दौरान कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कुछ किलो वजन घटाकर आप गर्भावस्था से जुड़ी कई तरह की समस्या को दूर कर सकती हैं। तो चलिए हम आपको इसके कुछ और कारण बताते हैं कि क्यों गर्भावस्था से पहले आपको अपना वजन कम कर लेना चाहिए। इन कारणों को जानने के बाद आप वजन घटाने के लिए तैयार हो जाएंगीं।

कई शोधों में ये दावा किया जा चुका है कि गर्भपात, बच्चे में कोई कमी और जन्म के दौरान किसी भी तरह की परेशानी का कारण मोटापा हो सकता है।

प्रजनन में आती हैं दिक्कतें

मोटापे के कारण आपकी प्रजनन क्षमता भी कम हो सकती है। मोटापे का असर महिलाओं के प्रजनन स्तर पर भी पड़ता है। जी हां, ये बात सच है कि मोटापे के कारण कई महिलाएं शुरुआती स्तर में ही गर्भधारण नहीं कर पाती हैं। गर्भावस्था के दौरान मोटापे की वजह से उच्च रक्तचाप, मधुमेह और अन्य कई तरह की समस्यासओं का खतरा बढ़ जाता है। जन्म से ही मधुमेह इन सामान्य खतरों के अलावा आपके बच्चे को कोई घातक परेशानी या रोग भी हो सकता है। अगर गर्भावस्था के दौरान मोटापे के कारण बच्चे को जन्म से ही मधुमेह की शिकायत हो सकती है। इसके अलावा बच्चे को और भी कई रोग होने का खतरा बना रहता है।

वहीं अगर आपका वजन सामान्य है या सामान्य से थोड़ा ज्यादा है तो आपको बहुत ज्यादा चिंता करने की जरूरत बिलकुल नहीं है पर इसका मतलब ये नहीं है कि आप लापरवाह हो जाएं और जो कुछ भी मन करे वो खाएं। इस समय आपके शरीर को कई ज्यादा पोषण और देखभाल की जरूरत होती है। इसलिए गर्भावस्था से पहले, गर्भावस्था के दौरान और प्रसव के बाद अपने खानपान और वजन का खास ख्याल रखें

अगर आपका वजन सामान्य है या सामान्य से थोड़ा ज्यादा है तो आपको बहुत ज्यादा चिंता करने की जरूरत बिलकुल नहीं है। लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि आप लापरवाह हो जाएं और जो कुछ भी मन करे वो खाएं। इस समय आपके शरीर को कई ज्यादा पोषण और देखभाल की जरूरत होती है इसलिए गर्भावस्था से पहले, गर्भावस्था के दौरान और प्रसव के बाद अपने खानपान और वजन का खास ख्याल रखें।

बेटियों के सपनों की राह में सुरक्षा एवं सम्मान का भरोसा

महिलाओं की सुरक्षा किसी भी सभ्य और विकसित समाज की पहली पहचान होती है। जिस समाज में बेटी बिना भय के विद्यालय जा सके, युवती अपने सपनों को पूरा करने के लिए घर से बाहर निकल सके और कामकाजी महिला देर तक अपने कार्यस्थल पर रहकर भी सुरक्षित घर लौट सके, वही समाज वास्तविक अर्थों में प्रगति की ओर बढ़ता है। वाराणसी के पिंडरा में आयोजित कामकाजी महिला सम्मान समारोह में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा को लेकर दिया गया संदेश इसी व्यापक सोच को सामने रखता है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि बेटियों की सुरक्षा में सेंध लगाने वालों के लिए जेल या जहन्नुम, दो ही जगह हैं। यह केवल राजनीतिक भाषण का हिस्सा नहीं, बल्कि महिलाओं के प्रति अपराध के विरुद्ध सरकार की कठोर नीति का संकेत भी है।

उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में महिलाओं की सुरक्षा हमेशा बड़ी चुनौती रही है। आबादी का बड़ा हिस्सा गांवों और कस्बों में रहता है, जहां बेटियों की शिक्षा, रोजगार और सार्वजनिक जीवन में भागीदारी कई बार सामाजिक सोच और सुरक्षा की चिंता से प्रभावित होती है। लंबे समय तक परिवारों के सामने यह प्रश्न रहा कि बेटी को पढ़ने के लिए दूर भेजें या नहीं, उसे प्रशिक्षण दिलाएं या नहीं, नौकरी करने दें या नहीं। योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में इसी मनोवैज्ञानिक भय को रेखांकित किया। उनका कहना था कि जब परिवार को बेटी की सुरक्षा का भरोसा नहीं होता तो सबसे पहले उसके सपनों पर रोक लगती है।

महिला सुरक्षा का अर्थ केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई करना नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ ऐसा वातावरण बनाना है, जिसमें अपराध करने की मानसिकता पैदा होने से पहले ही कानून का भय दिखाई दे। छेड़छाड़, पीछा करना, महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार, घरेलू हिंसा, दुष्कर्म और अन्य अपराधों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई तभी सार्थक होती है, जब पीड़िता को शिकायत करने में संकोच न हो और उसे यह विश्वास हो कि व्यवस्था उसके साथ खड़ी है। कठोर कानून के साथ संवेदनशील पुलिस व्यवस्था, त्वरित सुनवाई और पीड़ित महिला को सामाजिक तथा कानूनी सहायता भी सुरक्षा के इसी तंत्र का हिस्सा हैं।

उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था को लेकर पिछले वर्षों में जिस बदलाव की चर्चा होती रही है, उसका एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अपराध और अपराधी के बीच फर्क करते हुए संगठित अपराध तथा माफिया तंत्र के खिलाफ कठोर कार्रवाई को शासन की प्राथमिकता बनाया गया। मुख्यमंत्री ने वाराणसी में कहा कि सरकार वोट बैंक के लिए किसी माफिया के सामने नहीं झुकती। राजनीति से अलग हटकर देखा जाए तो कानून का शासन तभी मजबूत होता है जब अपराधी की पहचान उसके प्रभाव, धन या राजनीतिक पहुंच से नहीं, बल्कि उसके कृत्य से तय हो। महिलाओं के मामले में यह और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि प्रभावशाली अपराधी के खिलाफ कार्रवाई का अभाव समाज में भय और अपराधी के मन में दुस्साहस पैदा करता है। महिलाओं की सुरक्षा को केवल पुलिस और कानून व्यवस्था का विषय मानना भी अधूरा दृष्टिकोण होगा। सुरक्षा का संबंध महिला के पूरे जीवन से जुड़ा है। घर में शौचालय की सुविधा से लेकर विद्यालय तक सुरक्षित पहुंच, सार्वजनिक परिवहन से लेकर कार्यस्थल तक सुरक्षित वातावरण और आर्थिक आत्मनिर्भरता से लेकर सरकारी योजनाओं तक आसान पहुंच, ये सभी महिला सशक्तीकरण के आधार हैं। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2017 से पहले की परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए बताया कि परिवारों को बेटी की सुरक्षा, घर में शौचालय, इलाज के खर्च और आमदनी जैसी अनेक चिंताएं परेशान करती थीं। आज महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए ऐसी मूलभूत समस्याओं को दूर करना भी सुरक्षा के व्यापक अर्थ में शामिल किया जाना चाहिए। बेटी की सुरक्षा का सबसे बड़ा परिणाम उसके सपनों की स्वतंत्रता में दिखाई देता है। यदि एक लड़की को यह भरोसा हो कि विद्यालय, महाविद्यालय, प्रशिक्षण केंद्र या नौकरी तक जाने के रास्ते में उसके साथ कानून खड़ा है तो उसके आत्मविश्वास में स्वाभाविक वृद्धि होती है। यही आत्मविश्वास आगे चलकर शिक्षा, रोजगार और उद्यमिता में भागीदारी बढ़ाता है। इसलिए महिला सुरक्षा को केवल अपराध के आंकड़ों से नहीं, बल्कि इस बात से भी मापा जाना चाहिए कि कितनी बेटियां बिना भय के अपनी पसंद की शिक्षा और रोजगार चुन पा रही हैं। कामकाजी महिलाओं के सम्मान समारोह का संदेश भी इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण है। महिला जब परिवार की जिम्मेदारियों के साथ आर्थिक गतिविधियों में भाग लेती है तो वह केवल अपनी आय नहीं बढ़ाती, बल्कि परिवार और समाज की आर्थिक क्षमता को मजबूत करती है। ग्रामीण क्षेत्र की महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़कर रोजगार शुरू करे, खेत और पशुपालन से आय बढ़ाए, छोटे व्यवसाय का संचालन करे या शहर में नौकरी करे, प्रत्येक स्थिति में सुरक्षित वातावरण उसकी सफलता की अनिवार्य शर्त है। महिला को अवसर देना और अवसर तक सुरक्षित पहुंच सुनिश्चित करना, दोनों एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। वाराणसी में राष्ट्रीय पोषण माह के शुभारंभ का प्रसंग भी महिला और बेटी के प्रश्न को एक दूसरे आयाम से जोड़ता है। पोषण, स्वास्थ्य और सुरक्षा को अलग-अलग विषय समझना उचित नहीं है। कुपोषण से जूझती किशोरी, स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित गर्भवती महिला या आर्थिक कठिनाइयों से परेशान परिवार की बेटी के सपनों की राह स्वाभाविक रूप से कठिन हो जाती है। इसलिए महिला सशक्तीकरण की नीति में पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता को एक साथ देखना आवश्यक है। उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को देश में अग्रणी राज्यों में पहुंचाने की चर्चा के बीच महिला भागीदारी को भी केंद्र में रखना होगा। किसी प्रदेश की आर्थिक ताकत केवल उद्योगों और निवेश से नहीं बढ़ती, बल्कि तब बढ़ती है जब उसकी आधी आबादी शिक्षा, रोजगार और उद्यम के क्षेत्र में पूरी क्षमता से योगदान देती है। महिला सुरक्षित होगी तो वह घर की चारदीवारी से बाहर निकलेगी, शिक्षा हासिल करेगी, रोजगार चुनेगी और आर्थिक निर्णयों में अपनी भूमिका बढ़ाएगी। इसलिए महिला सुरक्षा वास्तव में आर्थिक विकास की बुनियादी शर्त भी है।

गुरु बिन ज्ञान नहीं और ज्ञान बिन मुक्ति नहीं : स्वामी दिनेशानन्द

श्रीकृष्ण परमात्मा हैं तो राधा उनकी आत्मशक्ति, भागवत कथा में गूंजा अध्यात्म का संदेश

असंध, 16 सितंबर (दलसिंह मान) : नगर के सालवन रोड स्थित श्री सनातन धर्म सेवा समिति धर्मशाला में चल रहे श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ के दूसरे दिन कथा व्यास महामंडलेश्वर योगाचार्य स्वामी दिनेशानन्द जी महाराज ने श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत महापुराण की दिव्य महिमा से अवगत करवाते हुए गुरु, ज्ञान, आत्मा और परमात्मा के गूढ़ रहस्यों का आध्यात्मिक विवेचन किया। कथा के दौरान पूरा वातावरण भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक चेतना से ओत-प्रोत रहा। स्वामी दिनेशानन्द जी महाराज ने कहा कि च्गुरु बिन ज्ञान नहीं और ज्ञान के बिना मुक्ति नहीं। गुरु ही वह प्रकाश पुंज है, जो जीव को अज्ञान के अंधकार से निकालकर आत्मज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता है। उन्होंने कहा कि कोई व्यक्ति ब्रह्मा और शंकर के समान महान क्यों न हो, लेकिन गुरु की कृपा के बिना भवसागर से पार पाना संभव नहीं है। उन्होंने दत्तात्रेय जी के 24 गुरुओं का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि उन्होंने प्रकृति के विभिन्न स्वरूपों से जीवन के अमूल्य सूत्र ग्रहण किए। पृथ्वी से सहनशीलता, जल से मधुरता, अग्नि से तेज एवं पवित्रता, वायु से निरंतर गतिशीलता तथा आकाश से विशालता एवं निर्लिप्तता का संदेश प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि प्रकृति का प्रत्येक कण मनुष्य को कोई न कोई आध्यात्मिक शिक्षा प्रदान करता है, आवश्यकता केवल उसे समझने वाली दृष्टि की है। कथा को आगे बढ़ाते हुए स्वामी जी ने राजा परीक्षित और शुकदेव जी

महाराज के संवाद का मार्मिक वर्णन किया। उन्होंने कहा कि शुकदेव जी ने राजा परीक्षित को ब्रह्मज्ञान प्रदान करते हुए शरीर और आत्मा के बीच का अंतर समझाया। शरीर जन्म लेता है, बढ़ता है, वृद्ध होता है और अंततः नष्ट हो जाता है, लेकिन आत्मा अजर, अमर और अविनाशी है। उन्होंने कहा कि मनुष्य की सबसे बड़ी भूल स्वयं को शरीर मान लेना है। वास्तव में जीव का स्वरूप शरीर, इंद्रियों, मन और बुद्धि से परे है। आत्मा न जन्म लेती है और न उसकी मृत्यु होती है। उन्होंने गीता के आध्यात्मिक सिद्धांत का उल्लेख करते हुए कहा कि आत्मा को न शस्त्र काट सकते हैं, न जल भिगो सकता है और न वायु सुखा सकती है।

आत्मा सनातन, शाश्वत और अविनाशी है। स्वामी जी ने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे देहाभिमान और मोह के बंधनों से ऊपर उठकर अपने वास्तविक स्वरूप को पहचानें तथा परमात्मा के चरणों में मन को एकाग्र करें। उन्होंने कहा कि हे मानव! अपने स्वरूप को पहचान, तू केवल यह नश्वर शरीर नहीं, बल्कि सच्चिदानंद स्वरूप आत्मा है। आत्मज्ञान की प्राप्ति होते ही मनुष्य के भीतर से अज्ञान, भय और मोह का क्षय होने लगता है तथा वह परम शांति और परम पद की ओर अग्रसर होता है। उन्होंने कहा कि राजा परीक्षित को जब गुरु शुकदेव जी से आत्मज्ञान की प्राप्ति हुई तो उनका अज्ञान और मोह नष्ट हो गया तथा उन्होंने परम तत्व का साक्षात्कार किया। भागवत कथा मनुष्य को इसी आत्मबोध, भक्ति और मोक्ष के मार्ग पर अग्रसर करने वाली दिव्य ज्ञानगंगा है। इस अवसर पर पूर्व विधायक बख्शीश सिंह विर्क, बार एसोसिएशन असन्ध के प्रधान एडवोकेट नरेंद्र शर्मा, व्यापार मंडल प्रधान सुशील गर्ग, डॉ. बूटी राम, हरिकृष्ण अरोड़ा, मनोनीत पार्षद सतीश वर्मा, एडवोकेट सतीश कौशिक एवं नपा के पूर्व प्रधान ईश्वर गोयल ने कथा व्यास स्वामी दिनेशानन्द जी महाराज का माल्यार्पण कर स्वागत किया और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।कथा के समापन पर श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से श्रीमद्भागवत महापुराण की आरती की। इसके उपरांत श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजक समाजसेवी प्रदीप गोयल, सुरेश बंसल, संजय सिंगला, बंटी गोयल, नरेश गुप्ता सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पाकिस्तान स्थित पवित्र गुरुद्वारों की यात्रा के लिए 20 सितंबर तक करें आवेदन

यमुनानगर, 16 सितंबर (दिनेश कुमार) : उपायुक्त प्रीति ने बताया कि श्री गुरु नानक देव जी की जयंती, 2026 के अवसर पर सिख तीर्थयात्रियों की पाकिस्तान यात्रा का कार्यक्रम 22 नवंबर 2026 से 1 दिसंबर 2026 तक निर्धारित किया गया है। इस यात्रा के दौरान श्रद्धालु पाकिस्तान स्थित पवित्र गुरुद्वारों के दर्शन कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि जिला यमुनानगर से जो इच्छुक सिख तीर्थयात्री श्री गुरु नानक देव जी के जन्म दिवस के अवसर पर नवंबर 2026 में पाकिस्तान स्थित पवित्र गुरुद्वारों की यात्रा पर जाना चाहते हैं, वे अपना आवेदन पत्र निर्धारित तिथि तक जमा करवा सकते हैं। उपायुक्त ने बताया कि इच्छुक तीर्थयात्री अपने आवेदन पत्र 20 सितंबर 2026 तक व्यक्तिगत रूप से लघु सचिवालय स्थित कमरा नंबर 108 में पीएलए शाखा में जमा करवा सकते हैं। उन्होंने इच्छुक श्रद्धालुओं से निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन जमा करवाने का आह्वान किया है, ताकि यात्रा से संबंधित आगामी प्रक्रिया समय पर पूरी की जा सके।

युवा संसद में छात्रों ने लोकसभा की कार्रवाई प्रस्तुत की

असंध, 16 सितंबर (दलसिंह मान) : राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गर्ल में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान शाहपुर के नेतृत्व में युवा संसद कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रिंसिपल बलजीत सिंह की अध्यक्षता में कक्षा 9 से 12वीं के बच्चों ने लोकसभा की कार्रवाई का जीवंत प्रस्तुतीकरण किया। कार्यक्रम में वास्तविक संसद जैसी बहस का माहौल नजर आया। डाइट शाहपुर से सहायक प्रोफेसर बृजेश वत्स और सुनील कुमार ने निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई। उन्होंने छात्राओं की प्रस्तुति संवाद विषय की समझ और संसदीय तरीके से मुद्दे रखने के आधार पर प्रतियोगिता का मूल्यांकन किया। कार्यक्रम में छात्र बिंदु को प्रथम श्रेष्ठ वक्ता चुना गया, छात्रा मीनाक्षी को द्वितीय श्रेष्ठ वक्ता चुना गया। राजनीति विज्ञान की प्राध्यापिका पूनम रानी और इतिहास प्राध्यापक रणवीर सिंह ने बच्चों की तैयारी और प्रस्तुति में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों में काफी उत्साह देखने को मिला । युवा संसद ने बच्चों को लोकतांत्रिक मूल्य संसदीय मर्यादाओ और समसामायिक विश्व पर अपने विचार रखने का मंच दिया।

एनीमिया मुक्त हरियाणा अभियान छछरौली में उपमंडल समन्वय समिति की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

एसडीएम जसपाल सिंह गिल ने दिए निर्देश, छछरौली के सभी निजी स्कूलों में होगी विद्यार्थियों के हीमोग्लोबिन की जांच

यमुनानगर, 16 सितंबर (दिनेश कुमार) : शारीरिक और मानसिक विकास में सबसे बड़ी बाधा बनकर उभर रही एनीमिया (खून की कमी) की बीमारी को जड़ से उखाड़ने के लिए छछरौली प्रशासन ने कमर कस ली है। एनीमिया मुक्त हरियाणा कार्यक्रम को धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करने के उद्देश्य से आज छछरौली में उपमंडल समन्वय समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता उपमंडल अधिकारी (नागरिक) छछरौली जसपाल सिंह गिल ने की जिसमें स्वास्थ्य, शिक्षा, तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रमुख

अधिकारियों के साथ-साथ निजी स्कूलों के प्रतिनिधियों ने भी विशेष रूप से भाग लिया। बैठक के दौरान एसएमओ छछरौली डॉ. वागीश गुटेन और एसएमओ प्रतापनगर डॉ. जतिंदर सिंह ने अपने-अपने खंड (ब्लॉक) की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसके साथ ही, उन्होंने आगामी 100 दिवसीय एनीमिया नियंत्रण अभियान के लिए एक विस्तृत माइक्रो प्लान भी साझा किया।

आपसी तालमेल से ही एनीमिया पर प्रहार संभव

बैठक की अध्यक्षता करते हुए एसडीएम जसपाल सिंह गिल ने स्पष्ट किया कि एनीमिया महज एक बीमारी नहीं है, बल्कि यह एक गंभीर सामाजिक और जनस्वास्थ्य की चुनौती है। उन्होंने कहा कि इस गंभीर समस्या को किसी एक विभाग के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। इसके प्रभावी नियंत्रण और उन्मूलन के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा और महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ-साथ निजी स्कूलों को एक टीम की तरह आपसी तालमेल और समन्वय के साथ काम करना होगा।

निजी स्कूलों के लिए निर्देश जारी

हरियाणा सरकार द्वारा संचालित एनीमिया मुक्त हरियाणा अभियान के तहत बच्चों एवं किशोर-किशोरियों में एनीमिया की समय पर पहचान, उपचार और रोकथाम सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए छछरौली उपमण्डल के अंतर्गत आने वाले सभी निजी विद्यालयों के प्रधानाचार्यों और मुख्याध्यापकों को निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने निर्देशित किया है कि सभी निजी स्कूल अपने यहाँ अध्ययनरत सभी विद्यार्थियों का हीमोग्लोबिन परीक्षण स्वास्थ्य विभाग की टीम के समन्वय से करवाना सुनिश्चित करें।

कमजोर विद्यार्थियों को मिलेगा त्वरित उपचार

अभियान के तहत केवल जांच ही नहीं, बल्कि उपचार पर भी पूरा जोर दिया जाएगा। निर्देश दिए गए हैं कि जांच के दौरान जिन विद्यार्थियों में हीमोग्लोबिन का स्तर सामान्य से कम पाया जाता है, उन विद्यार्थियों को आवश्यक परामर्श एवं उपचार के लिए तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य संस्थान या चिकित्सकीय टीम से जोड़ा जाए। उपमंडल प्रशासन ने सभी निजी विद्यालयों से अपील की है कि वे इस अभियान को जन-स्वास्थ्य एवं विद्यार्थियों के सुनहरे भविष्य के हित में सर्वोच्च प्राथमिकता दें। इस पुनीत कार्य में स्वास्थ्य विभाग की टीमों के साथ पूर्ण समन्वय स्थापित कर एनीमिया मुक्त हरियाणा के लक्ष्य को साकार करने में अपना योगदान दें।

हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का दूसरा दिन धूमधाम से सम्पन्न

मूनक, 16 सितंबर (जय भगवान) : आर्य कन्या महा विद्यालय, गुरुकुल मोर माजरा में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित प्रतिभा य प्रतियोगिता के दूसरे दिन विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर फ्रेशर पार्टी का भी आयोजन किया गया, जिसमें नवाग विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए विभिन्न मनोरंजक एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ करवाई गईं। प्रतिभा खोज प्रतियोगिता के अंतर्गत भा गीत गायन, नृत्य, मोनो एक्टिंग, कविता पाठ तथा मिमिक्री आयोजित की गई। जिसमें भाषण प्रतियोगिता में रिया, भूमिका, रेनू, गायन में अंजलि, राम भतेरी, श्रुति, नृत्य में तनिषा, अंजू, काजल, मोनो एक्टिंग में अंशिका, दिशा, प्रीति, कविता पाठ में सिमरन, मेघा, मुस्मिमिक्री में निशु, विदुषी, प्रीति ने प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान हासिल किया। इस अवसर पर आयोजित फ्रेशर पार्टी में विद्यार्थिक गीत, नृत्य एवं विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। नवागंतुक विद्यार्थियों का उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया और महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में जे.सी. कॉलेज, अ के निदेशक डॉ. आर एन गुप्ता ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

महाविद्यालय परिवार की ओर सेमुख्य अतिथि को पौधा एवं सम चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ. आर एन गुप्ता ने अपने संक्षिप्त संबोधन में विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते कहा कि विद्यार्थी जीवन केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होना चाहिए। पढ़ाई के साथ सांस्कृतिक, रचनात्मक एवं सह-पाठ्य गतिविधियों में भाग लेना विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा पहचानकर उसे निरंतर निखारने के लिए प्रेरित किया तथा सभी प्रतिभागियों और विजेताओं को शुभकामनाएँ दीं। महाविद्यालय के प्रा. सुखबीर सिंह मान ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच प्रदान करन साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास और रचनात्मकता का विकास करती हैं। उन्होंने हिंदी भाषा के प्रति सम्मान और प्रेम बनाए रखने का स दिया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संदीप कंधवाल ने सभी विजेता विद्यार्थियों एवं प्रतिभागियों को बधाई दी तथा कहा कि हिंदी ह संस्कृति और भावनाओं की सशक्त अभिव्यक्ति है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा को निरंतर निखारने के लिए प्रेरित किया।

कार्य का आयोजन उत्साह एवं उल्लास के वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर गुरुकुल प्रबंधन समिति के प्रधान सुखबीर सिंह मान, उपप्रधान भूपेन्द्र सचिव ओम प्रकाश, सहसचिव बलवान सिंह, कोषाध्यक्ष नरेंद्र बांगड़, भगवान सिंह, रामदास, मेहर सिंह तेज मान, नरेंद्र मान, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ संदीप कंधवाल, कॉलेज ऑफ़ एजूकेशन की प्राचार्या डॉ सुनीता सहरावत, स्कूल प्रधानाचार्या गुरप्रीत कौर, गुरुकुल प्रबंधन समिति के सम्मानित सदस्य गण और प्राध्यापिकाएं मौजूद रही। एन एस स्वयंसेविकाओं ने भी अपनी भागीदारी दिखायी।

प्राचीन अष्टकोणीय शिवालय में पहुंचे मार्केट कमेटी चेयरमैन ने पूजा-अर्चना कर लिया आशीर्वाद

रतिया, 16 सितंबर (अमन सेठी) : मार्केट कमेटी चेयरमैन राज कुमार मेहता ने मंगलवार को पुरानी गौशाला परिसर स्थित सैकड़ों वर्ष पुराने प्राचीन अष्टकोणीय शिवालय में पहुंचकर भगवान शिव की पूजा-अर्चना की और आशीर्वाद लिया। मंदिर पहुंचने पर पुजारी हरीश जोशी ने उनका स्वागत किया तथा प्राचीन शिवालय के स्वरूप की तस्वीर भेंट की। राज कुमार मेहता ने कहा कि उन्होंने इस ऐतिहासिक शिवालय के बारे में काफी समय से सुन रखा था, लेकिन आज यहां पहुंचकर पूजा-अर्चना करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि पुरानी गौशाला परिसर स्थित अष्टकोणीय एवं पंचमुखी शिवालय श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र हैं और इनकी प्राचीनता व धार्मिक स्वरूप विशेष महत्व रखते हैं। उन्होंने पुरानी गौशाला कमेटी द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वर्षों बाद दोबारा गोसेवा का कार्य शुरू करना सराहनीय पहल है। उन्होंने लोगों से अपील की कि अपने पशुओं को सड़क पर न छोड़ें और गोसेवा के लिए गौशाला में अपना थोड़ा-थोड़ा समय अवश्य दें। गौशाला में गायों की देखभाल, चारा-पानी और अन्य व्यवस्थाओं में समाज के लोगों को बढ़-चढ़कर सहयोग करना चाहिए।

नरेन्द्र मोदीः एक शख्सियत, एक दौर एवं विकसित भारत का सपना

पृष्ठ दो का शेष...कारी नीति को नई राजनीतिक भाषा दी। आज इन योजनाओं का केंद्र वह वर्ग है जिसे आम तौर पर सरकारी योजनाओं का अंतिम लाभार्थी कहा जाता है। बैंक खाता, गैस कनेक्शन, घर, शौचालय, पीने का पानी और स्वास्थ्य बीमा जैसी सुविधाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन में बदलाव लाने का सरकारी दावा किया है।

अब इन योजनाओं की असल परख लाभार्थियों की जमीनी स्थिति से होती है। योजना बनाना एक पड़ाव है, उसे आखिरी व्यक्ति तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना दूसरा। भारत जैसे विशाल और विविध देश में यह काम लगातार प्रशासनिक सुधार और निगरानी की मांग करता है। आज अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ा, सवाल भी बढ़े हैं। पिछले दशक में भारत की अर्थव्यवस्था ने विश्व स्तर पर अपना स्थान मजबूत किया है। आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 ने 2023-24 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि 8.2 प्रतिशत दर्ज की थी। विश्व बैंक भी भारत को दुनिया की तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में गिनता है, पर विकास के साथ कुछ बुनियादी सवाल भी खड़े हैं। नौजवानों के लिए काफी संख्या में गुणवत्तापूर्ण रोजगार कैसे पैदा हो? छोटे उद्योगों की मुकाबले की क्षमता कैसे बढ़े? किसान की आय कैसे बढ़े? गांवों और शहरों के बीच आर्थिक अंतर कैसे घटे? ये सवाल 2047 की विकास यात्रा के केंद्र में रहेंगे।इसलिए विकसित भारत की परिभाषा में 'बड़ी अर्थव्यवस्था' के साथ 'बड़ी मानवीय क्षमता' भी शामिल करनी पड़ेगी। आज बड़े फैसलों के दौर में मोदी सरकार के दौर में कई बड़े और ऐतिहासिक फैसले हुए। जीएसटी ने देश के अप्रत्यक्ष कर प्रबंध में बड़ा बदलाव किया। नोटबंदी ने अर्थव्यवस्था और राजनीति दोनों में लंबी बहस पैदा की। धारा 370 से जुड़े संवैधानिक बदलाव ने जम्मू-कश्मीर की राजनीतिक और प्रशासनिक व्यवस्था बदली। तीन तलाक के खिलाफ कानून, नागरिकता संशोधन कानून और नई शिक्षा नीति भी इस दौर के महत्वपूर्ण फैसलों में हैं।खेती कानून इस दौर की एक और बड़ी घटना रहे। सरकार द्वारा लाए गए तीन खेती कानूनों के खिलाफ लंबा किसान आंदोलन हुआ और बाद में सरकार ने ये कानून वापस ले लिए। यह घटना बताती है कि बड़े नीतिगत बदलाव में सरकार और प्रभावित वर्गों के बीच संवाद कितना महत्वपूर्ण है। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण भी भारतीय राजनीति और समाज के लंबे इतिहास से जुड़ी एक महत्वपूर्ण घटना है। इससे जुड़ी धार्मिक और राजनीतिक चर्चाएं भारतीय जनजीवन में लंबे समय से मौजूद रही हैं।विश्व मंच पर भारत मोदी के दौर में भारत की विदेश नीति का एक महत्वपूर्ण पक्ष उच्च स्तरीय कूटनीतिक सक्रियता रहा है। अमेरिका, रूस, यूरोप, मध्य-पूर्व, अफ्रीका और एशिया के विभिन्न देशों के साथ भारत ने रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को आगे बढ़ाया है। जी20 की भारतीय मेजबानी और अफ्रीकन यूनियन को जी20 में शामिल करना भारत की बहुपक्षीय कूटनीति के महत्वपूर्ण पड़ाव रहे। 'ग्लोबल साउथ' की आवाज को अंतरराष्ट्रीय मंच पर उभारने की भारतीय कोशिश भी इस दौर की विदेश नीति का हिस्सा रही है।

आज विश्व राजनीति में भारत को एक ऐसी ताकत के रूप में देखा जाता है जिससे अमेरिका से लेकर रूस और यूरोप से लेकर इंडो-पैसिफिक क्षेत्र तक देश अपने संबंधों को महत्व देते हैं। पर इसके साथ ही भारत को विश्व स्तर पर अपने रणनीतिक हितों, आर्थिक जरूरतों और बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों में संतुलन बनाए रखना पड़ेगा।मीडिया, सोशल मीडिया और मोदी मॉडल आज एक मीडिया विश्लेषक के लिए मोदी युग का एक बहुत महत्वपूर्ण पक्ष राजनीतिक संचार का बदलाव है। आज प्रधानमंत्री की बात लोगों तक सिर्फ अखबार या टेलीविजन के जरिए नहीं पहुंचती। यूट्यूब, फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम और अन्य डिजिटल मंच राजनीतिक संचार का केंद्र बन चुके हैं। मोदी ने इस बदलाव को अपनी राजनीतिक शैली का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया। बड़ी रैलियां, राष्ट्रीय संबोधन, डिजिटल संदेश और विदेशी भारतीय समुदाय से सीधा संपर्क—ये सब उनकी जन संचार शैली का हिस्सा हैं।इससे भारतीय राजनीति में एक नई स्थिति बनी है। अब राजनीतिक नेता की छवि सिर्फ पार्टी के चुनाव चिह्न से नहीं बनती, बल्कि लगातार चल रहे डिजिटल संवाद के जरिए भी बनती है। इसके साथ गलत जानकारी, प्रचार और जानकारी की विश्वसनीयता के सवाल भी उठते हैं। इसलिए मीडिया की जिम्मेदारी पहले से ज्यादा हो गई है।पंजाब और विकसित भारत के लिए विकसित भारत की कल्पना पंजाब के बिना पूरी नहीं हो सकती। पंजाब ने भारत की खाद्य सुरक्षा में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है, पर आज राज्य किसान संकट, पानी के घटते स्तर, नौजवानों के विदेश जाने, औद्योगिक चुनौतियों, नशों और रोजगार जैसे सवालों का सामना कर रहा है।आज 2047 का भारत बनाने के लिए पंजाब को सिर्फ पारंपरिक खेती पर निर्भर राज्य से कृषि-प्रौद्योगिकी, फूड प्रोसेसिंग, शोध, उद्योग, स्टार्टअप और सीमांत व्यापार के नए केंद्र के रूप में विकसित करना पड़ेगा। पंजाब के नौजवान को विदेश जाना ही अपनी तरक्की का अकेला रास्ता न लगे—इसके लिए शिक्षा, हुनर और रोजगार का ऐसा ढांचा बनाना होगा जो यहां ही मौके पैदा करे। यह केंद्र और पंजाब सरकार दोनों के लिए एक साझी चुनौती है।अब असल परख 2047 की है और नरेन्द्र मोदी की राजनीतिक यात्रा का अगला सबसे बड़ा अध्याय 'विकसित भारत 2047' है। यह सपना बड़ा है और इसे हकीकत बनाने के लिए समय भी लंबा है। पर लंबे लक्ष्य हमेशा रोजमर्रा के छोटे-छोटे कामों से ही पूरे होते हैं।आज भारत को अगर 2047 तक विकसित देश बनना है तो स्कूल से विश्वविद्यालय तक शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ानी होगी। शोध और नवाचार में निवेश बढ़ाना होगा। नौजवानों के लिए गुणवत्तापूर्ण रोजगार पैदा करना होगा। खेती को लाभकारी और टिकाऊ बनाना होगा। शहरों के साथ गांवों का बुनियादी ढांचा मजबूत करना होगा। पर्यावरण और विकास के बीच संतुलन बनाना होगा।

सबसे बड़ी बात यह है कि विकसित भारत सिर्फ बड़ी इमारतों, एक्सप्रेसवे, बुलेट ट्रेनों या डिजिटल ऐप्स का नाम नहीं हो सकता। विकसित भारत वह होगा जहां आम नागरिक को अच्छी शिक्षा, इलाज, रोजगार, सुरक्षा और सम्मान मिले। इसके साथ उनके दौर से जुड़े सवाल भी भारतीय लोकतंत्र की चर्चा का हिस्सा हैं। रोजगार, सामाजिक साझेदारी, संस्थाओं की मजबूती, कृषि, महंगाई और नागरिक अधिकारों के बारे में विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक धड़े अपने विचार पेश करते रहे हैं। यह बहस लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है। आज 17 सितंबर को जब देश के प्रधानमंत्री अपना जन्मदिन मना रहे हैं तो यह दिन एक व्यक्ति की जिंदगी की यात्रा को याद करने के साथ-साथ भारत के भविष्य के बारे में सोचने का मौका भी है।

21.13 ग्राम हेरोइन के साथ दो काबू

सफीदों, 16 सितंबर (एस.के.मित्तल) : सीआईए स्टाफ सफीदों ने 21.13 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। सीआईए स्टाफ सफीदों के इंचार्ज उपनिरीक्षक राधेश्याम ने बताया कि सीआईए स्टाफ सफीदों की टीम बाईपास रामपुरा रोड के नजदीक नाकाबंदी कर वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान सफीदों बस अड्डे की ओर से मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक आते दिखाई दिए। पुलिस टीम ने उन्हें रुकने का इशारा किया तो दोनों युवकों ने सड़क किनारे एक सफेद पॉलीथीन फेंककर मौके से भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए दोनों युवकों को तुरंत काबू कर लिया। पूछताछ में आरोपियों की पहचान कृष्ण उर्फ जगीरा निवासी गांव खेड़ा कॉलोनी तथा आकाश निवासी सफीदों के रूप में हुई। पुलिस द्वारा नियमानुसार तलाशी लेने पर सड़क किनारे फेंकी गई सफेद पॉलीथीन से कुल 21.13 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना शहर सफीदों में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

अमित शाह ने परिवार के साथ किए लालबाग के राजा के दर्शन, फडणवीस और शिंदे भी रहे मौजूद

मुंबई, 16 सितम्बर (निस) दो दिवसीय मुंबई दौरे पर आए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने परिवार के साथ प्रसिद्ध लालबाग के राजा के दर्शन किए। गणेशोत्सव के अवसर पर हर वर्ष की तरह इस बार भी अमित शाह ने बप्पा के दरबार में पहुंचकर पूजा-अर्चना की और देशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी मौजूद रहे। मुंबई दौरे के दूसरे दिन यानि सोमवार को अमित शाह लालबाग के राजा के मंडप में पहुंचे। उन्होंने विधि-विधान से गणपति बप्पा की पूजा की और उनके चरणों में शीश झुकाकर देशवासियों की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की। इस दौरान अमित शाह के साथ उनका परिवार और नाती भी मौजूद था। दर्शन के दौरान परिवार के कुछ खास पल कैमरे में कैद हुए। दर्शन के बाद जब अमित शाह मंडप से बाहर निकल रहे थे, उस समय कतार में खड़े श्रद्धालुओं ने हाथ हिलाकर उनका अभिवादन किया। अमित शाह ने भी मुस्कुराते हुए लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। गणेश मंडल की ओर से विशेष सम्मान-लालबाग के राजा के मंडप में पहुंचने पर गणेश मंडल की ओर से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का विशेष सम्मान किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सांस्कृतिक मंत्री आशीष शेलार भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री फडणवीस और उपमुख्यमंत्री शिंदे ने भी लालबाग के राजा के दर्शन कर बप्पा का आशीर्वाद लिया। गणेशोत्सव के मौके पर राज्य और केंद्र सरकार के शीर्ष नेताओं की एक साथ मौजूदगी से कार्यक्रम का महत्व और बढ़ गया।

स्वतंत्र भारद्वाज को बड़ी राहत मिली तीन हफ्ते की अंतरिम बेल

नई दिल्ली 16 सितम्बर (निस) जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान एक कार्यकर्ता के पिता पर कथित हमले के आरोपी स्वतंत्र भारद्वाज को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। स्वतंत्र भारद्वाज को दिल्ली की एक अदालत से बड़ी राहत मिली है। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान एक कार्यकर्ता के पिता पर कथित हमले समेत अन्य आरोपों के संबंध में स्वतंत्र भारद्वाज को तीन हफ्ते की अंतरिम जमानत दे दी है। अदालत ने स्वतंत्र भारद्वाज की जमानत याचिका पर अपना आदेश 15 सितंबर के लिए सुरक्षित रख लिया था। एक दिन पहले सोमवार को हुई सुनवाई के दौरान स्वतंत्र भारद्वाज के वकील की ओर से दलीलें रखी गई थीं। स्वतंत्र भारद्वाज के वकील ने दावा किया कि उनके मुवक्किल को कुछ राजनीतिक घटनाक्रमों के बाद गिरफ्तार किया गया। सच्चाई तो यह है कि मामले में शिकायतकर्ता ने ही जून में सीजेपी के प्रदर्शन के दौरान उनके मुवक्किल स्वतंत्र भारद्वाज पर हमला किया था। स्वतंत्र भारद्वाज के वकील ने कहा कि उनके मुवक्किल पर 23 जून को एफआईआर दर्ज की गई थी।

बाढ़ग्रस्त नेपाल को हर रोज 18 घंटे बिजली देगा भारत, आपदा में मददगार बना पड़ोसी

नई दिल्ली 16 सितम्बर (संजय बांसल) भीषण बाढ़ से जूझ रहे पड़ोसी देश नेपाल को भारत से बड़ी मदद मिली है। भारत अब नेपाल को प्रतिदिन लगभग 18 घंटे बिजली की आपूर्ति करेगा, ताकि देश को इस मुश्किल दौर से उबरने में सहायता मिल सके। यह मदद तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है और 13 सितंबर से शुरू होकर 31 दिसंबर 2026 तक जारी रहेगी। इस व्यवस्था के तहत, नेपाल को हर दिन मध्यरात्रि 12 बजे से लेकर शाम 6 बजे तक बिजली मिलेगी। यह पहल भारत और नेपाल के बीच गहरे और लंबे समय से चले आ रहे ऊर्जा सहयोग को और मजबूती देने वाला कदम बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, मुजफ्फरपुर-ढलकेबार 400 केवी लाइन के जरिए 600 मेगावाट तक और टनकपुर-महेंद्रनगर 132 किलोवाट पारेषण लाइन के जरिए 54 मेगावाट तक बिजली का निर्यात किया जाएगा। अधिकारियों ने इस मंजूरी को नेपाल को इस मुश्किल समय में अपनी बिजली की जरूरतें पूरी करने में मदद करने वाला बताया है। भारत, नेपाल का समर्थन करने और ऊर्जा क्षेत्र में आपसी सहयोग को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो दोनों पड़ोसी देशों के संबंधों को नई ऊर्जा देगा। नेपाल बीते महीने आई भीषण बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हुआ है। 26 अगस्त को भोटेकोशी-त्रिशूली नदी में आई बाढ़ और हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियर टूटने से बनी झीलों के फटने के बाद घाटियों और बस्तियों में भारी पानी और मलबा बह गया था। इस आपदा में अब तक 1,344 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि सैकड़ों बच्चे और नागरिक अभी भी लापता हैं। हजारों लोग बेघर हो गए हैं और पूरा देश अथाह मलबे और टूटी उम्मीदों से जूझ रहा है। इस बाढ़ ने नेपाल की कई चालू पनबिजली परियोजनाओं और पांच सौर संयंत्रों को भारी नुकसान पहुँचाया है, जिससे कुल मिलाकर लगभग 275 मेगावाट बिजली आपूर्ति में रुकावट आई है।

जजों के खिलाफ शिकायतों पर अदालती तंत्र मजबूत, बेहद प्रभावी है- सीजेआई

नई दिल्ली, 16 सितम्बर (निस) सीजेआई सूर्यकांत ने कहा है कि न्यायाधीशों के खिलाफ शिकायतों से निपटने के लिए सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट की ओर से विकसित तंत्र मजबूत, बेहद प्रभावी और समय पर कार्रवाई करने वाला है। दिल्ली में आयोजित व्याख्यान में सूर्यकांत ने कहा कि सुधार ही नियम होना चाहिए और कोई भी संस्था एक ही स्थिति में बने रहकर न तो टिक सकती है और न ही उस पर गर्व कर सकती है। सीजेआई ने कहा कि मैं केवल इतना कहना चाहता हूं कि अन्य प्रशासनिक सुधारों के संबंध में, खासकर शिकायतों से जिस तरह निपटा जा रहा है, भारत के सीजेआई के रूप में मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि सुप्रीम कोर्ट और उच्च न्यायालयों ने जो तंत्र विकसित किया है, वह मजबूत, बेहद प्रभावी और समय पर कार्यवाई करने वाला है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ अधिवक्ता महेश जेठमलानी और हरीश साल्वे, जिन्होंने इस कार्यक्रम में भी अपने विचार रखे, ने प्रशासनिक सुधारों से जुड़े कुछ ऐसे सवाल उठाए हैं, जो सार्वजनिक महत्व के अत्यंत महत्वपूर्ण प्रश्न हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीजेआई ने कहा कि किसी भी संस्था को समय-समय पर प्रशासनिक सुधारों की जरुरत हो सकती है और न्यायपालिका भी इसका अपवाद नहीं है। जेठमलानी ने अपने संबोधन में उस विवाद का जिक्र किया था, जो पिछले साल दिल्ली हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश यशवंत वर्मा के सरकारी आवास पर नकदी मिलने के आरोपों से जुड़ा था। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि हम बिना किसी हिचकिचाहट के स्वीकार करते हैं कि सुधार ही नियम होना चाहिए।

कोई भी संस्था एक ही स्थिति में बने रहकर न तो टिक सकती है और न ही उस पर गर्व कर सकती है, लेकिन कुछ ऐसे मुद्दे भी होते हैं, जिन पर सार्वजनिक मंच से प्रतिक्रिया देना सही नहीं होता। उन्होंने कहा कि कोई न्यायाधीश, चाहे वह अंतरिम आदेश दे रहा हो या अंतिम फैसला, हर चरण पर शिकायत को आमंत्रित करेगा। सूर्यकांत ने कहा कि यह बहुत ही गंभीर और बहस वाला मुद्दा है कि क्या उन सभी शिकायतों को किसी मंच या वेबसाइट पर लाया जाना चाहिए, या फिर कोई बहुत मजबूत आंतरिक तंत्र होना चाहिए, जो पूरी निष्पक्षता, बिना किसी पूर्वाग्रह और बहुत जिम्मेदारी के साथ उन शिकायतों को निपटाए। उन्होंने कहा कि मैं भरोसा दिला सकता हूं कि ऐसा तंत्र अच्छी तरह से स्थापित है, लेकिन इसमें हमेशा सुधार और गुणवत्ता में बेहतरी की गुंजाइश लगातार बनी रहती है।

दिल्ली में बारिश बिहार से लेकर उत्तराखंड तक जमकर बरसेंगे मेघ

नई दिल्ली 16 सितम्बर (संजय बंसल) देश में मानसून अंतिम चरण में पहुंच चुका है, लेकिन बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र और सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के कारण आज कई राज्यों में बारिश का दौर जारी रहेगा। देश में मानसून अपने अंतिम चरण में है। सितंबर के पहले सप्ताह में औसत से कम बारिश हुई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की ओर से ताजा पूर्वानुमान जारी किया गया है। दो स्थानीय मौसम प्रणाली एक्टिव हैं। बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है और हिमालय क्षेत्र में पश्चिम विक्षोभ के एक्टिव होने की वजह से देश के विभिन्न हिस्सों में आंधी-तूफान के साथ बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने आज देश की राजधानी दिल्ली में आमतौर बादल छाए रहने और हल्की बारिश होने की संभावना जताई है। आज राज्य का अधिकतम तापमान 33 और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। दिल्ली में भी हल्की बारिश देखने को मिल सकती है। इसके बाद राज्य में 20 सितंबर तक बारिश की संभावना नहीं जताई गई है। मौसम विभाग ने आज उत्तर प्रदेश के 44 जिलों में गरज चमक के साथ वज्रपात की संभावना जताई है। अगले दो तीन दिन तराई, मध्यांचल और पूर्वी भाग में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। आईएमडी के मुताबिक आज बिहार के 17 जिलों में बारिश हो सकती है। अररिया, कटिहार, किशनगंज, पूर्णिया में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। झारखंड में आज कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

दिल्ली की हवा पर टोल का संकट 9 नाकों पर एमएलएफएफ की मंजूरी अटकी, सर्दी से पहले काम पूरा होना मुश्किल

नई दिल्ली 16 सितम्बर (निस) राजधानी दिल्ली की सीमाओं पर टोल नाकों पर वाहनों के जाम से होने वाला प्रदूषण इस सर्दी में भी परेशानी का कारण बन सकता है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के तहत जिन नौ टोल नाकों पर मल्टी लेन फ्री फ्लो (एमएलएफएफ) व्यवस्था लागू होनी है, उसके लिए अभी राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) से मंजूरी नहीं मिली है। ऐसे में सर्दी शुरू होने से पहले यह व्यवस्था लागू हो पाएगी या नहीं, इस पर सवाल उठ रहे हैं। वहीं, संबंधित एजेंसियों की धीमी कार्यप्रणाली भी सवालों के घेरे में है। जनवरी 2026 में सुप्रीम कोर्ट ने एनएचएआइ के राजमार्गों पर स्थित टोल नाकों पर मल्टी लेन फ्री फ्लो (एमएलएफएफ) व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एनएचएआइ ने पिछले सप्ताह ही इन स्थानों का सर्वे किया है। अब मंजूरी देने की प्रक्रिया एनएचएआइ के स्तर पर है। ऐसे में यदि इसी सप्ताह मंजूरी मिल भी जाती है तो व्यवस्था स्थापित करने में कम से कम तीन माह का समय लग सकता है। हालांकि, एमसीडी अधिकारियों का कहना है कि मंजूरी मिलने के बाद एनएचएआइ से जुड़े नौ टोल नाकों को एक से डेढ़ माह में एमएलएफएफ तकनीक से लैस करने का प्रयास किया जाएगा। एमसीडी ने सीएक्यूएम को भी अपना प्लान इस संबंध में जमा किया था जिसमें नौ टोल नाकों पर 31 अक्टूबर तक काम पूरा किया जाना है जबकि शेष पर 31 दिसंबर तक पूरा होना है। ऐसे में अक्टूबर से दिल्ली की वायु गुणवत्ता खराब होना शुरू हो जाती है तो टोल नाकों पर लगने वाला जाम भी प्रदूषण बढ़ाने में भूमिका निभा सकता है। पिछले पांच वर्षों के वायु गुणवत्ता के आंकड़े बताते हैं कि अक्टूबर में ही दिल्ली की हवा खराब श्रेणी में पहुंचना शुरू हो जाती है।

सपा का ऐतराज ...

पृष्ठ एक का शेष ...आशंका जाहिर की है। इसके विपरीत, उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने यूसीसी का पुरजोर समर्थन किया। उन्होंने सामाजिक न्याय, लैंगिक समानता और समान संवैधानिक अधिकारों के लिए एक समान कानून को अनिवार्य बताया। निषाद ने डॉ. बी.आर. अंबेडकर की विरासत का उल्लेख कर कहा कि पर्सनल लॉ में मौजूद भेदभाव संविधान के सिद्धांतों के खिलाफ है। उन्होंने बताया कि अंबेडकर ने भी हिंदू कोड बिल का विरोध किया था क्योंकि उसमें धर्म और जाति के आधार पर भेदभाव था। निषाद ने मुस्लिम महिलाओं के साथ पर्सनल लॉ के तहत होने वाले भेदभाव पर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा, क्या मुस्लिम महिलाएं इस देश का हिस्सा नहीं हैं? धर्म के आधार पर भेदभाव—संविधान में ऐसी कोई बात कहाँ है?

पंजाब सरकार...पहले पंजाब यूनिवर्सिटी से सिख सिलेबस हटा दिया गया था। अब चंडीगढ़ मेडिकल कैडर में प्रस्तावित बदलावों के ज़रिए एक और मुद्दा उठाया गया है। एक-एक करके पंजाब का सब कुछ छीना जा रहा है। उन्होंने पंजाब पर भाजपा के पॉलिटिकल स्टैंड पर सवाल उठाते हुए कहा, भाजपा बार-बार कहती है कि वह पंजाब में सरकार बनाना चाहती है और यहां चुनाव लड़ना चाहती है। लेकिन दूसरी तरफ़, पंजाब के हक एक-एक करके छीने जा रहे हैं। अगर भाजपा सच में पंजाब की सेवा करना चाहती है, तो चंडीगढ़ में पंजाब का तय हिस्सा क्यों कम किया जा रहा है?

हरियाणा में आज सेवा संकल्प अभियान...

पृष्ठ एक का शेष....के चक्कर न काटने पड़े।मुख्यमंत्री ने स्कूल शिक्षा और उच्चतर शिक्षा विभागों को निर्देश देते हुए कहा कि स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में सेवा, राष्ट्र निर्माण और रचनात्मकता से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जाएं। विद्यार्थियों के लिए चित्रकला, रंगोली तथा अन्य रचनात्मक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएं। जिला और स्कूल स्तर पर बेहतर गतिविधियों एवं नवाचारों की पहचान कर उन्हें व्यापक स्तर पर प्रदर्शित किया जाए। अभियान के तहत विद्यार्थियों और युवाओं की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाए।उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्यक्रमों की माइक्रो प्लानिंग करें। कार्यक्रमों की तिथियां इस प्रकार निर्धारित की जाएं ताकि प्रत्येक कार्यक्रम में अधिकतम जनभागीदारी सुनिश्चित हो सके।उन्होंने कहा कि 'सेवा संकल्प अभियान' का उद्देश्य सेवा गतिविधियों में समाज की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। इसलिए प्रशासनिक स्तर पर हर कार्यक्रम की ठोस योजना बनाई जाए और अभियान को गांव, ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर तक प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जाए।

लाडो लक्ष्मी योजना के दूसरे चरण का होगा आगाज, श्रमिकों को भी मिलेंगे विभिन्न योजनाओं के लाभ - 'सेवा संकल्प अभियान' के शुभारंभ के साथ ही महेंद्रगढ़ मे आयोजित होने वाले विश्वकर्मा दिवस कार्यक्रम मे महिला सशक्तिकरण और श्रमिक कल्याण की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल की जाएगी। इसी अवसर पर श्रमिकों के कल्याण के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं के तहत पात्र श्रमिकों को भी लाभ प्रदान किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ सुगमता और पारदर्शिता के साथ पहुंचे तथा कार्यक्रम के दौरान उन्हें योजनाओं से जोड़ने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। हर जिले की बेहतर पहल और सफलता की कहानी का हो दस्तावेजीकरण - श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अभियान के दौरान जिलों में किए जाने वाले नवाचारों, बेहतर पहलों और सफलता की कहानियों को संकलित किया जाए। इनका सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए।

संक्षिप्त समाचार

जेल में बंद मालिक की सेहत पर हाईकोर्ट सख्त आरएएमएल से मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली 16 सितम्बर (हरिंद्र बिष्ट) दिल्ली हाईकोर्ट ने मालवीय नगर अग्निकांड के आरोपी होटल मालिक लोकेश बजाज की अंतरिम जमानत याचिका पर आरएएमएल अस्पताल से मेडिकल रिपोर्ट तलब की है। आरोपी ने स्वास्थ्य का हवाला देकर जमानत की मांग की थी। दिल्ली के मालवीय नगर के हौज रानी इलाके में होटल में लगी भीषण आग के मामले में जेल में बंद होटल मालिक लोकेश बजाज की अंतरिम जमानत याचिका पर मंगलवार को दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने आरोपी की स्वास्थ्य स्थिति को गंभीरता से लेते हुए राम मनोहर लोहिया (आरएएमएल) अस्पताल से विस्तृत मेडिकल रिपोर्ट तलब की है। जस्टिस मनोज जैन ने यह आदेश लोकेश बजाज की ओर से दाखिल अंतरिम जमानत याचिका पर दिया। इसमें स्वास्थ्य का हवाला देते हुए चार सप्ताह की अंतरिम जमानत की मांग की गई थी। याचिका में दावा किया गया था कि जेल में बंद लोकेश बजाज आंतों में रुकावट की समस्या से जूझ रहे हैं और उनकी हालत गंभीर है। सुनवाई के दौरान कोर्ट के सामने यह जानकारी रखी गई कि लोकेश बजाज को 24 अगस्त से आरएएमएल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके बाद कोर्ट ने आरएएमएल अस्पताल से उनकी मौजूदा स्वास्थ्य स्थिति, इलाज और मेडिकल से जुड़ी व्यापक रिपोर्ट पेश करने को कहा। मामले की अगली सुनवाई बुधवार को होगी, जहां कोर्ट रिपोर्ट के आधार पर अंतरिम जमानत पर विचार करेगा। ट्रायल कोर्ट ने कहा था कि आरोपी को हिरासत में रहते हुए पर्याप्त विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा मिल रही है और जिस मेडिकल आपात स्थिति का हवाला दिया गया था, उसका आरएएमएल अस्पताल में सर्जरी के जरिए इलाज किया जा चुका है।

बस्तर में कीचड़ से बेहाल बीजागुड़ा पारा, आंगनबाड़ी जाने वाले बच्चे रोज फिसलकर गिर रहे; गोद में उठाकर पहुंचा रहे पालक

बस्तर 16 सितम्बर (हरिंद्र बिष्ट) ग्राम पंचायत छोटे देवड़ा के आश्रित ग्राम बीजागुड़ा पारा में बारिश के बाद सड़क पर जमा कीचड़ और पानी ग्रामीणों के लिए बड़ी परेशानी बन गया है। सबसे ज्यादा दिक्कत आंगनबाड़ी केंद्र जाने वाले छोटे बच्चों को हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि कीचड़ भरे रास्ते पर बच्चे आए दिन फिसलकर गिर रहे हैं, जिसके चलते पालकों को उन्हें गोद में उठाकर केंद्र तक पहुंचाना पड़ रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक, बीजागुड़ा पारा में सीसी सड़क और नाली की व्यवस्था नहीं होने के कारण थोड़ी बारिश होते ही सड़क पर पानी जमा हो जाता है। आंगनबाड़ी केंद्र तक जाने वाला रास्ता कीचड़ से पूरी तरह भर जाता है, जिससे बच्चों और ग्रामीणों का आवागमन मुश्किल हो जाता है। ग्रामीणों का आरोप है कि समस्या को लेकर कई बार सरपंच और सचिव को अवगत कराया गया, लेकिन अब तक स्थायी समाधान की दिशा में कोई पहल नहीं हुई। मामले की जानकारी मिलने पर आदिवासी समाज के युवा जिला अध्यक्ष लखेश्वर कश्यप ने कहा कि उन्होंने स्वयं बीजागुड़ा पारा पहुंचकर स्थिति देखी है। उन्होंने छोटे बच्चों को हो रही परेशानी को दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

साइकिल चोरी का खुलासा: 7 चोरी की साइकिल बरामद

बिलासपुर 16 सितम्बर (निस) लोरमी पुलिस ने साइकिल चोरी के एक मामले का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की कुल 7 साइकिलें बरामद की हैं। पूछताछ में आरोपी ने लोरमी सहित अन्य स्थानों से भी साइकिल चोरी करना स्वीकार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। चोरी, लूट एवं नकबजनी पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल (भा.पु.से.) ने सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों को निर्देशित किया है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत शुक्ला एवं उप पुलिस अधीक्षक श्रीमती माधुरी धिरही के मार्गदर्शन में लोरमी पुलिस को यह सफलता मिली। मामले की शुरुआत प्रार्थी रोशन सिंह राजपूत, निवासी वार्ड क्रमांक 09 मजगांव, लोरमी की शिकायत से हुई। प्रार्थी ने 11 सितंबर 2026 को थाना लोरमी में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह रानीगांव लोरमी स्थित जय इलेक्ट्रॉनिक दुकान में काम करता है। 2 सितंबर की सुबह करीब 9 बजे वह अपनी साइकिल से दुकान पहुंचा और साइकिल को जोतपुरी स्वीट्स के बगल में खड़ा कर काम पर चला गया। शाम करीब 7 बजे जब वह वापस साइकिल लेने पहुंचा तो साइकिल वहां से गायब थी। आसपास तलाश करने और जानकारी जुटाने के बावजूद साइकिल का पता नहीं चल सका। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना लोरमी में अपराध क्रमांक 389/26, धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। विवेचना के दौरान पुलिस ने घटनास्थल की बारीकी से तस्दीक की और बेसिक पुलिसिंग के साथ मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया।

भाई लालो जी का जन्म दिवस 27 सितम्बर को बंगलासाहिब में मनाया जाएगा-कालका

नई दिल्ली, 16 सितंबर, 2026: दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका ने बताया कि गुरु नानक देव जी के अनन्य किरती सिख भाई लालो जी का जन्म दिवस दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा 27 सितंबर, 2026, दिन रविवार को गुरुद्वारा श्री बंगला साहिब में बड़े स्तर पर मनाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इस संबंध में आज दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के कार्यालय में ऑल इंडिया रामगढ़िया विश्वकर्मा फेडरेशन (रजि.) के अध्यक्ष सरदार सुखदेव सिंह रियात के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल के साथ विशेष बैठक की गई। उन्होंने बताया कि इस मुलाकात के दौरान भाई लालो जी के जन्म दिवस को श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाने संबंधी महत्वपूर्ण विचार-विमर्श किया गया।

सरदार हरमीत सिंह कालका ने कहा कि भाई लालो जी की सादगी, ईमानदारी, किरत की महानता और गुरु साहिब के प्रति अटूट श्रद्धा समूची मानवता के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि गुरु नानक साहिब ने 'किरत करो, नाम जपो और वंड छको' का जो संदेश दिया, भाई लालो जी का जीवन उसकी जीवंत मिसाल है।

उन्होंने समस्त संगतों से अपील की कि 27 सितंबर को गुरुद्वारा श्री बंगला साहिब में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर भाई लालो जी के जीवन और उनकी शिक्षाओं से प्रेरणा लें तथा गुरु घर की खुशियां प्राप्त करें।

तीज के रंग में रंगा नामदेव समाज, संस्कृति और नारी शक्ति का दिखा भव्य संगम

बिलासपुर 16 सितम्बर (निस) हरितालिका तीज के पावन अवसर पर श्री नामदेव समाज विकास परिषद एवं महिला मंडल बिलासपुर ने सामाजिक एकता, महिला सशक्तिकरण और समृद्ध लोक परंपराओं का ऐसा जीवंत उत्सव रचा, जो लंबे समय तक समाज की स्मृतियों में यादगार बना रहेगा। गोंडपारा स्थित सामुदायिक भवन में आयोजित भव्य तीज मिलन समारोह में समाज की महिलाओं, युवतियों और बेटियों ने पारंपरिक वेशभूषा में सहभागिता कर भारतीय संस्कृति की खूबसूरत तस्वीर प्रस्तुत की। ताशा की धुन पर थिरकते कदमों और उत्साह से भरे वातावरण ने पूरे आयोजन को उत्सवमय बना दिया। समारोह में महिलाओं के लिए मटकी फोड़, नृत्य, कुर्सी दौड़ और प्रश्न-उत्तर सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। मटकी फोड़ प्रतियोगिता में संतोषी नामदेव प्रथम, वर्षा श्रीवास्तव द्वितीय और लक्ष्मी वर्मा तृतीय रहीं। वहीं नृत्य प्रतियोगिता में गरिमा श्रीवास्तव रानी ने प्रथम, प्रिया श्रीवास्तव ने द्वितीय और भारती वर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कुर्सी दौड़ में परमेश्वरी नामदेव प्रथम, मंजू नामदेव द्वितीय और सुनीता नामदेव तृतीय रहीं। प्रश्न-उत्तर प्रतियोगिता में लक्ष्मी नामदेव, भारती चौधरी, रोशनी नामदेव, भारती श्रीवास्तव, रुचिका श्रीवास्तव, सीता श्रीवास्तव, रश्मि वर्मा और संगीता श्रीवास्तव ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए बाजी मारी।

अमृतपाल सिंह प्रिंटर, पब्लिशर व संपादक ने जेएसडी पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए आईजी प्रिंटर्स प्रा.लिमि., 104, डीएसआईडीसी, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-20 के मालिक/कीपर जगपाल सिंह से छपवा कर कार्यालय दैनिक भारत देश हमारा 24/34 तिलक नगर नई दिल्ली से प्रकाशित किया।
PRGI (RNI) Regd. No.57282/1994